मुद्रक
नवज्योति प्रेस,
पानदरीबा,
लखनऊ

नाटक के पात्र

जिस क्रम से रंगमंच पर आते हैं ।

मेंटोर ग्रेहम — स्कूल अध्यापक ।

एब लिंकन — दुकानदार से राष्ट्रपति होने तक ।

बैन मेटलिंग — पुराना सैनिक ।

न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन — छोटे कस्बे का न्यायाधीश, एब का सर्वोत्तम मित्र ।

निनियन एडवर्ड्‌स — इलिनॉय के गवर्नर का लडका ।

जोशुआ स्पीड — एब का मित्र ।

एन रटलेज — वह लडकी जिसे एब प्यार करता है ।

ट्रम कॉंगडाल — न्यूसेलम का एक बूढा आदमी ।

जैक आर्मस्ट्रोंग —
बैब —
फिअर्गस —
जैस्प —
} न्यूसेलम के चार अक्खड नवयुवक

सेथगेल — न्यूसेलम का एक गम्भीर नवयुवक ।

नैन्सी ग्रीन — न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन की पत्नी ।

विलियम हर्नडन — एब का क्लर्क, साथी वकील और सबसे बडा प्रशसक ।

एलिजबेथ एडवर्ड्‌स — निनियन एडवर्ड्‌स की पत्नी ।

मेरी टाड — वह लडकी जिससे एब ने शादी की ।

एडवर्ड्‌स परिवार की परिचारिका —

जिम्मी गेल — सेथगेल का लडका ।

एगी गेल — सेथगेल की पत्नी ।

गोबी — गेल परिवार के लिए काम करने वाला एक स्वतंत्र नीग्रो ।

स्टीफन ए डगलस — राष्ट्रपति पद के लिए लिंकन का प्रतिद्वन्द्वी ।

विली लिंकन —
टैड लिंकन —
रावर्ट लिंकन —
} एव और मेरी लिंकन के तीन पुत्र ।

लिंकन परिवार की परिचारिका —

क्रिमिन — एक चतुर राजनीतिज्ञ ।

बैरक — राजनीति मे रुचि रखने वाला एक पादरी ।

स्टर्वसन — राजनीति में रुचि लेने वाला एक व्यापारी ।

जैड — तार घर का एक कर्मचारी ।

कैवैना — इलिनॉय राज्य का एक सैनिक अधिकारी ।

अधिकारी — सयुक्त राष्ट्र की सेना का एक सैनिक अधिकारी ।

सैनिक —

रेलवे के व्यक्ति और कस्बे की जनता —

पहला अंक : १८३०-३८ में न्यूसेलम, इलीनॉय और उसके आसपास।

पहला दृश्य

न्यूसेलम, इलीनॉय के पास मेन्टोर ग्रेहम का घर।

दूसरा दृश्य

न्यूसेलम मे रटलेज सराय।

तीसरा दृश्य

न्यूसेलम के पास बोलिग ग्रीन का घर

दूसरा अंक : १८४०-४८ मे स्प्रिगफील्ड, इलीनॉय और उसके आसपास।

चौथा दृश्य

स्प्रिग फील्ड, इलीनॉय की कचहरी के दूसरे तल्ले पर स्टुअर्ट-लिकन के वकालत का कमरा।

पाँचवाँ दृश्य

स्प्रिग फील्ड मे एडवर्ड्स परिवार के मकान का कमरा।

छठा दृश्य

फिर वकालत का कमरा।

सातवाँ दृश्य

न्यूसेलम के पास मैदान।

आठवाँ दृश्य

फिर एडवर्ड्स परिवार के मकान का कमरा।

तीसरा अंक : १८५८-६१ स्प्रिंग फील्ड।

नवाँ दृश्य

इलिनॉय के एक कस्बे के बाहर एक रंगमंच।

दसवाँ दृश्य

लिंकन परिवार के घर का कमरा।

ग्यारहवाँ दृश्य

इलिनॉय राजभवन में लिंकन के चुनाव आन्दोलन के कमरे।

बारहवाँ दृश्य

स्प्रिंग फील्ड रेलवे स्टेशन का सहन।

पहला अंक

पहला दृश्य

(न्यू सेलम, इलिनाय के पास मैंटोरग्रेहम का कमरा)

(काफी रात बीत चुकी है । मैंटोरग्रेहम चतुर परन्तु शान्त स्वभाव के अध्यापक हैं । वह एक भद्दी-सी मेज के किनारे पर बैठे है । एब लिंकन नवयुवक, थका हुआ, फटे पुराने कपडे पहने उनके सामने दूसरी ओर बैठा है । मेज के ऊपर एक लैम्प रखा है । मैंटोर अंग्रेजी की एक किताब के पन्ने पलटते हैं, फिर उसे बन्द कर देते है और एब की ओर देखते है ।)

मैंटोर — प्रकार[1], हम में से हरेक के अनेक प्रकार के मनोभाव होते है । तुम्हारे भी एब, कई प्रकार के मनोभाव है । तुम्हारा चरित्र इन्ही मनोभावो के द्वारा अभिव्यक्त होता है । अंग्रेजी भाषा एक जीवित व्यक्ति की तरह है, जो अहकारी भी हो सकता है या सरल और स्पष्ट भी । अच्छा, 'निश्चयवाचक प्रकार' क्या होता है ?

---

१ — मूल नाटक मे मूड (MOOD) शब्द आया है । अंग्रेजी व्याकरण में आज भी मूड का प्रयोग होता है । लेकिन हिन्दी व्याकरण मे मूड नही होता । पहले अंग्रेजी व्याकरण के अनुकरण पर कही-कही इसका उपयोग होता था और तब उसके लिए 'प्रकार' शब्द चलता था ।

एव — यह तो बहुत आसान है। यह केवल किसी वस्तु के बारे में सूचित करता है। जैसे 'वह प्यार करता है।' और यदि आप उसे प्रश्नवाचक रूप मे कहना चाहे तो ऐसे कह सकते हैं कि 'क्या वह प्यार करता है ?'

मैंटोर — और 'आज्ञावाचक प्रकार' क्या होता है ?

एव — इसका प्रयोग आदेश देने के लिए किया जाता है। जैसे · निकल जाओ, चले जाओ।

मैंटोर — (मुस्कराते हुए) क्या तुम इससे अच्छा उदाहरण नही सोच सकते ?

एव — तो आप बाइबिल की भाषा मे कह सकते हैं – 'शिवास्ते सन्तु पन्थान.। लेकिन यह अब भी आज्ञावाचक है।

मैंटोर — हा, यह आदेश है। लेकिन तुम इस का प्रयोग विनम्र प्रार्थना के रूप में भी तो कर सकते हो।

एव — जैसे आज की हमारी रोजी हमे दे।

मैंटोर — (एक समाचारपत्र उठाते हुए) मैं चाहता हूँ कि तुम इसे पढ़ो। यह एक सुन्दर भाषण है। इसे अमरीका की सीनेट के सामने मिस्टर वैब्स्टर ने दिया था। उन्होंने आज्ञावाचक प्रकार का सर्वथा सही प्रयोग किया है। इसे पढो, यहाँ से।

एव — (पत्र ले-लेता है। रोशनी की ओर झुकता है और पढता है) श्रीमान्, सिनेटर ने गम्भीर स्वर मे

अपना भाषण जारी रखते हुए कहा—'श्रीमान्, मैं सघ के बाहर की बात नही सोच सकता। जब तक सघ जीवित है···

मैंटोर — (क्रुद्ध होकर) इसको ऐसे मत पढो जैसे कि यह कोई सामान खरीदने की सूची हो। कल्पना करो मानो तुम्ही भापण दे रहे हो। इसमे कुछ प्राण डालो।

एब — (धीरे-धीरे भावुकता के साथ पढता है) जब तक सघ जीवित है हम और हमारे बच्चे प्रसन्न रहेगे। भगवान से मै यही प्रार्थना करता हूँ कि जब मै अन्तिम बार सूर्य को आकाश मे देखूँ तो, मैं उसे अपने सघ के खडित भाग पर, ऐसी भूमि पर जो टुकड़े-टुकडे हो चुकी है, और अपने भाइयो के रक्त से भीग रही है, चमकते हुए न देखू बल्कि मै तो चाहता हूँ कि मेरी आँखे मेरे देश के उस झण्डे को देखती रहे जिसका एक भी सितारा कम नही हुआ है और जिस पर ये मूर्खतापूर्ण शब्द नही लिखे हैं —'स्वतन्त्रता पहले और सघ बाद मे।' बल्कि यह लिखा है—'स्वतन्त्रता और सघ'।

मैंटोर — 'और' शब्द पर अधिक जोर दो।

एब — 'स्वतन्त्रता और सघ।' इस समय और हमेशा। एक और अखण्ड (पत्र को मेज पर रख देता है)। निश्चय ही उन लोगों ने इस भाषण का तालियाँ बजाकर स्वागत किया होगा।

मेंटोर —— अपने-अपने दल की नीति के अनुसार कुछ ने तालियाँ बजाईं और कुछ ने निन्दा की।

एब —— वह किस विषय पर बोल रहे थे ?

मेंटोर —— किसी राज्य के सघ से अलग हो जाने के अधिकार पर बहस हो रही थी। हेन ने कहा कि जिस तरह व्यक्ति के रूप मे हम कुछ भी करने के लिए स्वतन्त्र है, उसी तरह राज्यो के रूप मे भी हम स्वतन्त्र है। इसका अर्थ यह है कि यदि हम सघ को पसन्द नही करते तो, हम इससे अलग हो सकते है। और नए राष्ट्र का निर्माण कर सकते है जिससे यह महाद्वीप यूरोप की तरह बँट जाए। लेकिन वेब्स्टर ने साबित कर दिया कि सघ के बिना हमारे पास कोई स्वतन्त्रता नही रह जाएगी। अच्छा अब बताओ, सम्भाव्य प्रकार क्या होता है ?

एब —इसका अर्थ है सम्भावना। साधारणतया यह अप्रीतिकर होता है। जैसे. 'यदि मुझे ऋण से कभी मुक्ति मिली भी तो, मै शायद तुरन्त ही फिर इसमे फँस जाऊँगा।'

मेंटोर —(मुस्करा कर) एब, तुमने यह उदाहरण क्यो चुना ?

एब —इसलिए कि मेरी दूकान फिर सकट मे है। किसी भी दिन उसको बन्द करना पड सकता है। मेरा ख्याल है कि मैं ठीक अपने पिता पर गया हूँ। मुझे

कोई भी जमा हुआ काम दे दो, मै उसमे भी असफल हो जाऊँगा ।

मैंटोर —एब, तुम यहाँ तो असफल नही हुए । यहाँ के समाज का हर व्यक्ति तुम्हे चाहता है और तुम्हारी सफलता के लिए सहायता करने को उत्सुक है ।

एब —(किंचित् कड़वे स्वर मे) मै जानता हूँ । जैसे अपनी उदारता के कारण आप रात मे, देर तक बैठे, मुझे पढाते रहते है और अब न्यायाधीश ग्रीन तथा कुछ दूसरे व्यक्ति, जिनका मै ऋणी हूँ, मुझे पोस्ट मास्टर बनाना चाहते है । मेरे बहुत दोस्त है लेकिन वे मेरे भाग्य को या कह सकते हो मेरी प्रकृति को तो नही बदल सकते ।

मैंटोर —तुम्हे एक ही काम करने की जरूरत है और वह है इस छोटे-से कस्बे से चले जाना ।

एब —हा, मैने जाने की बात सोची है । मेरा कुटुम्ब हमेशा ही घूमता रहा है । मुझे याद है कि अपने बचपन के दिनो मे मै गाडिया लादता था और खाली करता था और फिर लादता था ।

मैंटोर —तो एक बार फिर अपनी गाडी लादो और अपने लिए दुनिया मे नई जगह बनाओ ।

एब —सेथगेल और मैं केन्जास या नेब्रास्का जाने के बारे मे बहुत कुछ सोचते रहे है लेकिन जहाँ कही भी मै जाऊँ वही एक बात होगी । अधिक दोस्त, अधिक ऋण ।

मैंटोर —अच्छा एब, एक बात याद रखो कि जो व्यक्ति हर कही असफल हो जाता है उसके सामने इन दो बातों मे से एक बात चुनने का अवसर हमेशा रहता है—अध्यापकी करना या राजनीति में पड़ना ।

एब —तब तो मै अध्यापक बनना पसन्द करूँगा । अगर मैं राजनीति में पडता हूँ तो चुना भी जा सकता हूँ और यदि मैं चुना जाऊँगा तो, मुझे शहर जाना पडेगा । मैं नही चाहता, इनमे से कोई भी नही ।

मैंटोर —मैंने तुम्हे क्या सिखाया है ?

एब —मेरा मतलब है कि मै इनमे से कोई भी बात नही चाहता ।

मैंटोर —एब शहर जाने मे तुम्हे क्या आपत्ति है ? क्या तुमने कभी कोई शहर देखा है ?

एब —क्यो नही । मै दो बार न्यू ओर्लीन्स जा चुका हूँ और आप जानते है जितनी देर मैं वहा रहा प्रति क्षण डरता ही रहा । मैं आदमियो से डरता था ।

मैंटोर —(हँसता है) क्या तुम्हारा ख्याल था कि वे तुम्हारा सोना चुरा लेते ।

एब —(गम्भीरता से) नही, मै डरता था कि वे मुझे मार डालेंगे ।

मैंटोर —(गम्भीर होकर) क्यो ? वे तुम्हे क्यो मारना चाहेगे ?

एब —मैं नही जानता ।

मैंटोर —(क्षण भर बाद) तुम मृत्यु के बारे में बहुत सोचते रहते हो। क्यो, है न ?

एब —सोचना पडता है क्योकि वह मुझे हमेशा बहुत पास दिखाई देती रही है। जब मैं इस मेज जितना ऊँचा भी नही था तब हमने अपनी माँ को दफना दिया था। मैंने अपने पिता को अपनी माँ का ताबूत बनाने में सहायता दी थी। जहा पर मेरी माँ सोई पडी है वहाँ मैं अक्सर जाता था और छोटे-छोटे बनैले पशुओ को उस स्थान पर दौड़ते हुए देखता था। उसके बाद मैं किसी पशु को नही मार सका। मैं हमेशा उन पशुओ की शक्ल सूरत की तुलना आदमियो की शक्ल सूरत के साथ, न्यू ओर्लीन्स के जैसे आदमियों की शक्ल सूरत के साथ करता हूँ। उन्हे देखते ही कोई पहचान सकता है कि वे हिसक हैं।

मैंटोर —(अल्प विराम के बाद) मैंने ऐसा व्यक्ति कभी नही देखा जो एक साथ इतना स्नेहशील और इतना मानव-द्रोही हो।

एब —यह क्या होता है ?

मैंटोर —मानव-द्रोही वह होता है जो आदमियो का विश्वास नही करता। और उनकी संगति से दूर भागता है।

एब —हो सकता है कि मै ऐसा ही होऊँ। ओह, मैं आदमियो को पसन्द करता हूँ लेकिन व्यक्ति के रूप

मे। व्यक्ति के रूप मे वे मुझे जैसे दिखाई देते हैं दल या गिरोहो मे इकट्ठे हो जाने पर उसके बिल्कुल उल्टे दिखाई देने लगते है। लेकिन आपको तो कल स्कूल में पढाना है। मै अब जाऊँगा।

मैंटोर—एक मिनट ठहरो। बस मैं तुम्हे एक चीज और दिखाना चाहता हूँ। एक कविता है। (एक अंग्रेजी पत्रिका खोलता है।) यह रही, इसे पढो।

एब—(मेज के एक कोने पर बैठ जाता है और पढता है) 'मृत्यु पर' लेखक स्वर्गीय जान कीट्स।

जब जीवन है केवल एक स्वप्न,
हो सकती मृत्यु तब क्या निद्रा।

(चुपचाप पढता है और फिर मैंटोर की ओर देखता है।) निश्चय ही यह अच्छी कविता है। कवि कहता है कि हमारे सुख के दिन प्रेतात्माओं की तरह बीत जाते है। लेकिन इस पर भी हम सोचते है कि मरना ही सबसे बडी यातना है। कवि को यह बात बडी अद्भुत दिखाई देती है कि मनुष्य ससार मे इतना दुखी रहे और फिर भी मृत्यु के विचार मात्र से काप उठे। जबकि मृत्यु का अर्थ केवल जागना है। (कुछ सोच कर) यह बहुत सुन्दर है। (वह इसे धीरे-धीरे जैसे अपने को सुना रहा हो, पढता है और पर्दा गिर जाता है।)

(पहला दृश्य समाप्त)

दूसरा दृश्य

(न्यू सेलम मे रटलेज सराय । ४ जुलाई की दोपहर । एक बड़ा -सुन्दर-सा कमरा । वाशिंगटन से लेकर जैक्शन तक सभी राष्ट्रपतियो के चित्र हैं । मुख्य प्रवेश द्वार दाहिनी ओर पीछे की तरफ है ओर खुला हुआ है । बाई ओर का द्वार रसोईघर में जाता है । धूप खिली है । कमरे मे दो मेज और बहुत सी कुर्सिया है । बैंन मैंटलिंग कमरे मे सबसे पीछे बैठे हैं । इगलैड के साथ जो युद्ध हुआ था उसके वह पुराने सैनिक हैं । फटी हुई वर्दी पहने हुए है । न्यायाधीश बोलिंग ग्रीन और निनियन एडवर्ड्स अन्दर आते हैं । उनके पीछे जोशुवा स्पीड है । बोलिंग वृद्ध, स्थूल और विनम्र हैं । निनियन एक लम्बा, सुन्दर और धनी युवक है । जोश शात और विचार-पूर्ण मुद्रा मे तथा सुन्दर और अच्छे वस्त्र पहने है ।)

बोलिंग——(अन्दर आते हुए) मिस्टर एडवर्ड्स ! यह रटलज सराय है । महल नही है ।

निनियन——जब तक ह्विस्की प्रचुर मात्रा मे मिलती है तब तक सब कुछ ठीक है न्यायाधीश ग्रीन ।

जोश——मैं एब को खोज कर लाता हूँ ।

निनियन——जोश, यह याद रखना । हमे सन्ध्या से पहले स्प्रिग फील्ड पहुंच जाना है ।

(जोश चला जाता है)

बोलिंग —(मैटलिंग से) ओह चाचा बैन नमस्कार। (निनियन से) मिस्टर एडवर्ड्स बैठिए।

बैन —नमस्कार बोलिग। (रसोईघर के अन्दर से एन का प्रवेश)

एन—हलो न्यायाधीश ग्रीन।

बोलिंग —नमस्कार एन। तुम्हारे पिताजी के पास जो सबसे बढिया ह्विस्की है उसकी अगर एक बोतल मिल जाए तो बडी कृपा हो।

एन —अच्छा न्यायाधीश। (जाने के लिए मुडती है)

बैन —(उसको रोक कर) और मेरे लिये भी एक पैग और ले आओ।

एन —मुझे खेद है मिस्टर मेर्टलिग, मेरे पिताजी का यह आदेश है कि जब तक आप कीमत नही चुका देते तब तक तुम्हे और शराब न दी जाय।

बैन —ठीक है लडकी। मैं जानता हूँ कि तुम्हारे पिताजी ने क्या कहा है। लेकिन क्या यह देश उन पुराने सैनिको के प्रति कृतज्ञ नही है जिन्होने इसका निर्माण किया है।

बोलिंग —एन ! इसके लिये शराब ले आओ। कीमत मै दूंगा। (ट्रूम कॉगडाल का प्रवेश। वह बूढा है और स्पष्टवादी है।)

बैन —(अनिच्छा से) न्यायाधीश, ओह, मुझे आपको धन्यवाद देना होगा।

ट्रूम —एन, मेरे लिए हल्की चाय लाओ।

एन —अच्छा मिस्टर कॉंगडाल। (वह जाती है। ट्रम मेज के पास बैठता है।)

ट्रम —हां मिस्टर एडवर्ड्स। हमारे इस महान नगर के बारे मे आपकी क्या राय है ?

निनितन —बहुत अच्छा है मिस्टर कॉंगडाल। पहाड़ की चोटी पर यह बहुत सुन्दर स्थान पर बसा हुआ है।

ट्रम —हम लोग पश्चिम की ओर बढ रहे है। और जब हम अपने मे से कुछ बुरे तत्वो को निकाल बाहर करेंगे तो और भी बढेगे। जी हा, हम और आगे बढेगे।

निनियन —निश्चय ही, मुझे विश्वास है।

(एन शराब और चाय लेकर लौट आती है।)

बोंलिग —धन्यवाद एन।

एन —क्या डाक आ गई ?

ट्रम —नही, मै उसी की राह देख रहा हूँ।

बोलिग —तुम्हे तो कोई पत्र पाने की आशा नही है एन ? क्यो, है क्या ?

एन —नही, मुझे कौन पत्र लिखेगा।

बोलिंग —आज ४ जुलाई को कौन कह सकता है कि क्या न हो जाए।

(एन हँसती हुई रसोईघर मे चली जाती है।)

निनियन —यह बहुत सुन्दर लडकी है। आश्चर्य है अभी तक किसी ने इसके साथ विवाह का प्रस्ताव नही किया।

बोलिंग —किसी ने किया है। बेचारी लडकी मैक्नील नाम के व्यक्ति से वचनवद्ध हो चुकी है। जल्दी ही आने की बात कह कर वह इस कस्बे से चला गया है। यह अभी तक उसकी राह देख रही है। लेकिन मिस्टर एडवर्ड्स, आपके पास बहुत थोडा समय है। वताइए कि न्यू सेलम मे आप क्या चाहते है। हम कोशिश करेंगे।

निनियन —मुझे विश्वास है कि यह आप लोग जानते है कि मै क्या चाहता हूँ।

ट्रम —जाहिर है कि तुम मत चाहते हो। मैं अपना मत तुम्हे दूगा। मै एडी जैक्शन को हराने की हर कोशिश करूगा।

(दीवार पर लटके हुए ए० ड्यू जैक्शन के चित्र की ओर उँगली दिखाता है।)

निनियन —मै आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं राष्ट्रपति का प्रशसक हूँ। लेकिन जव वे हमारी बैक प्रणाली को नष्ट करने के लिए, हमारी मुद्रा मे विश्वास खोने के लिए, यहाँ तक कि राज्यो को अलग होने के लिए मजबूर करने को तैयार हो जाते है तो भद्रपुरुषो, मैं समझता हूं कि हमे उसे रोक देना चाहिए।

बोलिंग —अगर वह बूढा जीवित रहा तो, अभी उसके कार्यकाल के दो वर्ष और है।

निनियन — लेकिन हम अभी से इलिनाय राज्य की सरकार से उनके दोस्तों को बाहर निकालना शुरू कर सकते है । हमको निश्चय ही बादशाह ऐण्ड्र जैक्शन का अन्त कर देना चाहिए ।

(जैक आर्मस्ट्रोग, बैब, फिअर्गस और जैस्प अन्दर आ चुके है । वे अच्छे स्वभाव के लेकिन अक्खड है । कस्बे के लोग उनसे डरते है ।)

जैक — (रसोई के दरवाजे की ओर जाते हुए) मिस रटलेज !

एन — (दरवाजे पर आकर) क्या चाहते हो मिस्टर जैक, आर्मस्ट्रोग ।

जैक — क्षमा करना मिस रटलेज, हमे एक पीपा शराब चाहिए ।

एन — तुम यहा से एकदम निकल जाओ । तुम...तुम...

जैक — हम लोग भेड़िए से भी खतरनाक है और शराब के लिये पागल है, इसलिए मिस एन, ह्विस्की ले आओ और अपने बूढे बाप को बर्बादी से बचा लो । हम नही चाहते कि उसकी सम्पत्ति को बरबाद करे । (एन चली जाती है ।)

ट्रम — (धीरे से निनियन से) यह वह बुरा तत्व है जिसके बारे मे ......

जैक — ४ जुलाई को चाय का प्याला लिए, तुम यह क्या कानाफूसी कर रहे हो जी, ट्रम कॉगडाल ।

बेब — जैक ! इसकी कुछ चाय निकाल देनी चाहिये ।

जैस्प —(चिल्लाता है) एनी, शराव लेकर जल्दी आओ।

जैक —और तुम जी, मोटे न्यायाधीश बोलिग ग्रीन, जो ईमानदार आदमियो को जेल भेजते रहते हो, और यह अजनबी कौन है ? न्यू सेलम मे इतनी शानदार पोशाक किसे नसीब है।

बोलिग —यह स्प्रिगफील्ड के निनियन एडवर्ड्स हैं। भगवान के लिए शान्त हो जाओ और परेशानी पैदा मत करो।

जैक —निनियन एडवर्ड्स। ओह, तो यह गवर्नर के पुत्र है। तभी. . (निनियन नमस्कार करता है) तो कोई आश्चर्य नही। आप ऐसी पोशाक पहन सकते है। मेरा ख्याल है कि आपके पिता ने हम करदाताओ से जो पैसा छीना है, उससे आप वढिया से वढिया चीज खरीद सकते है। ठीक है न मिस्टर एडवर्ड्स।

बेब —जैक, हमे इनसे यह सब कुछ छीन लेना चाहिए।

फिअर्गस —जैक ! हमे इनको कोडे लगाने चाहिए।

एन —(चार गिलास लिये हुये प्रवेश करती है) जैक आर्मस्ट्रोग, यह रही तुम्हारी शराब। पीलो और चले जाओ।

जैस्प —इसने तुमसे एक पीपा लाने को कहा था।

फिअर्गस —शायद यह उसे उठा नही सकती। मै ले आता हूँ। (वह रसोईघर मे चला जाता है।)

एन —(निराशा के स्वर मे) क्या आप मे से कोई भी गरीब आदमियो की रक्षा नही कर सकता।

निनियन —(खडे होते हुए) यदि मैं कुछ कर सकू तो मुझे बड़ी खुशी होगी।

ओलिग —(उसे रोकते हुए) मिस्टर एडवर्ड्स आपको सावधान रहना चाहिए।

जैक —ठीक है मिस्टर एडवर्ड्स, सावधान रहो। बूढे आदमी की बात सुनो। इन्होने हमे लडते हुए देखा है। और वह आपको बता सकते है कि शायद आपके चोट लग जाए। हम उन्हे दिखा देगे कि जो यहां जनता के मित्र एडी जैक्शन के विरुद्ध विष उगलने के लिए आते है, उनके साथ हम क्या कर सकते है।

(फिअर्गस पीपा लेकर वापस लौटता है।)

बैन —दोस्तो, इसे मार डालो। सच्चे अमरीकियों मे से केवल तुम्ही तो बच गए हो।

निनियन —(उठते हुए) महानुभावो! अगर आप बाहर चले तो मुझे आपसे लड़ने मे खुशी होगी।

जैक —बहुत अच्छा। हम आपको मारेगे नही। हम तो केवल हड्डियो को चूर चूर करनेवाले है। कुछ महीनो के बाद आप एकदम ठीक हो जायेगे।

फिअर्गस —पीपा ले आओ।

(वह जाने को ही है कि एब दरवाजे पर दिखाई देता है। पहले से कुछ अच्छे कपड़े पहने हुए है। हाथ मे डाक है। पीछे जोश स्पीड है।)

एब —डाक आ गई है। हलो, जैक, हलो दोस्तो। मिस एन तुम्हारे लिए एक पत्र है। (ऐन के प्रति उसका व्यवहार बहुत आदरपूर्ण है।)

एन —धन्यवाद एब।

(पत्र लेती है और वहाँ से भाग जाती है।)

बैन —एब, यहा लडाई होने वाली है।

निनियन —(जैक से) —आना है तो आओ।

जैक —बहुत अच्छा दोस्तो।

एब —लडाई ! कौन लड़ रहा है और क्यो लड़ रहा है ?

जैक —एब, यह निनियन एडवर्ड्स का बच्चा। यह एडी जैक्शन का दुश्मन है। और स्प्रिग फील्ड से लडने के लिए आया है। इसकी इच्छा पूरी करने मे मुझे खुशी होगी।

एब — (निनियन को सिर से पैर तक देखता है) एक मिनट रुको, दोस्तो। जैक ! क्या तुम भूल गए हो कि आज कौनसा दिन है ?

जैक — मैं नही भूला हू। किसी राजनीतिज्ञ के कोड़े लगाने के लिए ४ जुलाई का दिन उतना ही ठीक है जितना कि कोई और दिन।

एब — (प्रसन्नता के साथ) अच्छा जैक ! यदि तुम्हे लड़ना ही है तो मुझसे लड सकते हो। कस्बे का पोस्ट मास्टर होने के नाते मै भी तो राज-नीतिज्ञ हूं। (जैक को एक ओर करके निनियन

की ओर मुड़ता है ।) और जहाँ तक आपका सम्बन्ध है, मै एक बहादुर आदमी के साथ दोस्ती करना चाहूँगा । मेरा नाम लिकन है ।

निनियन — (लिकन से हाथ मिलाते हुए) मिस्टर लिकन आपसे मिलकर मुझे बहुत खुशी हुई ।

एब — खुशी होनी ही चाहिए । मै ठीक समय पर जो पहुँच गया हूँ । और बोलिग, तुम्हारे लिए दो चिट्ठिया है और ट्रम, यह रहा तुम्हारा अखबार ।

जैक — देखो एब ! यह तुम्हारा काम नही है । यह हमारा निजी मामला है ।

एब — इस कस्बे मे जो कुछ होता है वह सब मेरा मामला है जैक । मेरे पास यही तो काम है । (ट्रम की ओर मुडता है) ट्रम, अगर तुम कुछ देर के लिए अखबार का इस्तेमाल नही कर रहे तो, मुझे दे दोगे ?

ट्रम — अवश्य एब, यह लो । (एब की ओर अखवार फेक देता है)

एब — धन्यवाद । (कुर्सी की ओर वढते हुए वह अखवार खोलना शुरू करता है । जैक उसकी ओर देखता है और फिर हँस पड़ता है ।)

जैक — (निनियन से) बहुत अच्छा ! एब लिकन ने आपको बचा लिया । वह मेरे दोस्त है । मैं उनकी सलाह मानूगा ।

एब — (बैठते हुए) और इसलिए भी क्योंकि यहाँ केवल मै ही हूं जिसे तुम हरा नही सकते ।

जैक — (एब के पास जाते हुए) मैं जा रहा हूँ एब ! लेकिन मैं तुम्हे चेतावनी देता हूँ कि यह हर वक्त सवेरे, दोपहर, शाम पढने की आदत छोडो। नही तो तुम दुर्बल हो जाओग । मैं तुम्हारे कोडे लगाना नही चाहता । (हँसता है और जाने को मुडता है) मिस्टर एडवड्स, आपसे मिलकर खुशी हुई । लेकिन जहर फैलाने के लिए अब फिर यहाँ मत आना । (जाता है । पीछे-पीछे वब और जस्न भी जाते हैं । फिअर्गस पीपा उठाता है और जाने लगता है ।)

निनियन — (जैक से) वहुत खुशी हुई ।

एब — फिअर्गस, तुमने यह पीपा कहा से लिया ?

फिअर्गस — (घवराते हुए) जैक ने मुझे लाने के लिए कहा और मै

एब — इसे रख दो और सेथगिल मिले तो उससे कहना कि उसके लिए एक पत्र है ।

फिअर्गस — कह दूगा, एब । (वह पीपा रख कर चला जाता है)

निनियन — मिस्टर लिंकन । मैं आपका वहुत ऋणी हूँ ।

एब — कोई वात नहो, मिस्टर एडवर्ड्स ।

निनियन — क्या आप हमारे साथ शराब नही पीएगे ?

एब — नही, धन्यवाद। (एब अखबार पढ रहा है और बोलिग गिलास भरता है)

बोलिग — मै तो एक और गिलास पीऊगा। मुझे यह बताने मे तनिक भी झिझक नही है कि मै अब भी काप रहा हूँ। (वह निनियन को एक गिलास देता है और फिर स्वय पीता है।

ट्रम — देखते हो मिस्टर एडवर्ड्‌स ! इसी तरह के लोगो के कारण हमारा कस्बा पिछडा हुआ है।

निनियन — इस तरह के तत्व आजकल हर कही मिलते है।

जोश — एब, अखबार रख दो। हम तुमसे कुछ बाते करना चाहते है।

एब — मुझ से ? किस बारे मे ! कौतूहल से जोश, बोलिग और निनियन की ओर देखता है।)

जोश —एब तुम्हे राज्य की विधानसभा के लिए खडा होना कैसा लगेगा ?

एब — कब ?

जोश — इसी पतझड मे होने वाले चुनाव मे।

एब — क्यो ?

निनियन — मिस्टर लिकन। मेरा आपका परिचय कुछ क्षणो का ही है। लेकिन जोश स्पीड की इस बात से सहमत होने के लिए यह काफी है कि हम जिस प्रकार का व्यक्ति चाहते है, आप वैसे ही है।

एब — क्या यह तुम्हारा सुझाव था, जोश ?

जोश — (मुस्करा कर) ओह ! एव तुम्हे जनता पसन्द करती है।

ट्रूम — तुम्हारे क्या विचार है, बोलिग ?

बोलिग — मैं समझता हूँ यह बहुत अच्छा विचार है। क्यों एव ! तुम तमाम विषयो पर पृथक्करण, टैक्साज, राष्ट्रीय बैंक की कठिनाइया और दास प्रथा, इन सब पर भाषण दे सकते हो। अब तक जीवन मे हमे जितना आनन्द मिला है यह उस सबसे बढकर होगा।

एब — (उठते हुए) क्या कोई यह नही पूछेगा कि इस बारे मे मेरे क्या विचार हैं ?

जोश — (हँसता है) बहुत अच्छा, एब ! मै पूछूँगा।

एब — (जरा झिझकते हुए) यह एक अनोखा विचार है। बहुत खूब। और मेरी पहली प्रतिक्रिया यही है कि मुझे इसमे कोई विशेष रुचि नही है।

बोलिग — यह मत भूलो कि अगर चुन लिए गए तो तुम्हारा वेतन पूरे ३ डालर प्रतिदिन हो जायगा।

एब — यह तो अच्छी रकम है। मुझे तुम्हारा काफी कर्जा देना है, बोलिग। अगर मै २० वर्ष तक इस पद पर रहूँ तो शायद २॥ डालर प्रतिदिन के हिसाब से तुम्हारे कर्जे का भुगतान कर सकूगा। (उंगलियो पर हिसाब लगाता है।)

बोलिग — मैं कर्जे के बारे मे नही सोच रहा।

एब — मैं जानता हूँ, लेकिन मुझे तो सोचना है। बिग

पार्टी, सुदृढ मुद्रा और 'भगवान राष्ट्रीय वैंक की रक्षा करें' इस विचार की पार्टी है। क्यो मिस्टर एडवर्ड्स ठीक है न ?

निनियन —हाँ, ऐसा ही है।

एब —तब ऐसे उम्मीदवार को खडा करना, जिस पर १५०० डालर का कर्जा है, कैसा लगेगा ?

बोंलिग —(निनियन से) मै आपको इसके वारे मे कुछ वताऊगा। एब की दूकान खत्म हो गई क्योकि इनका साथी सारी व्हिस्की पी गया। और एब ने सव कर्ज स्वीकार कर लिया। अव आप समझ जाएगे कि हम सव इनकी इतनी इज्जत क्यो करते है ?

निनियन —मै आपसे सहमत हूँ।

एब —मेरे प्रति आप सभी के इतने उदार विचार है इस के लिए आभारी हूँ। लेकिन मेरी आवश्यकता से अधिक प्रशसा मत कीजिये। नही तो, मैं सोचने लगूंगा कि ३ डालकर प्रतिदिन काफी नही है।

जोश —इससे तुम्हे अच्छे पुस्तकालय मे अध्ययन करने का और राज्य के सर्वश्रेष्ठ वकीलो से मिलने जुलने का अवसर मिलेगा।

एब —लेकिन यह कैसे कहा जा सकता है कि वे सर्व-श्रेष्ठ वकील मुझसे मिलना पसन्द करेगे।

निनियन —आप इस बात की चिन्ता न करे। मैने आपको कार्य करते देखा है। आप जानते है कि मनुष्य को किस तरह वश मे करना चाहिये।

एब —जी हाँ। परन्तु यह केवल तभी हो सकता है जब कि मै उनके कोडे लगा सकू। मै तमाम मतदाताओ से नही लड सकता। इसके अतिरिक्त आप यह कैसे जानते है कि मेरे राजनैतिक विचार आपके विचारो से मिलते है।

निनियन —आपके राजनैतिक विचार क्या है, मिस्टर लिकन? हमे एक ऐसे अच्छे पुरातनवादी[1] व्यक्ति की आवश्यकता है जो देश को पुराने सिद्धान्तो की ओर ले जा सके।

एब —जी हा, मै पुरातनवादी हूँ। आप मुझे कभी भी प्रगति के लिये कोई आन्दोलन करते नही देखेगें। मै मुह खोलते हुए डरता हूँ।

जोण —(हँसता है) मैंने आपसे कहा न निनियन, कि हमे जैसे व्यक्ति की जरूरत है यह बिल्कुल वैसे ही है।

निनियन —(हँसता है, उठता है और एब की ओर बढता है) मिस्टर लिकन सब यही कहते है कि हमारा दल विशेष-सुविधा-प्राप्त वर्गो का दल है। इसलिए हमे इस पद के लिए सीधे-सादे व्यक्ति

---

१. कजरवेटिव।

की आवश्यकता है। पोस्टमास्टर के रूप मे चिट्ठियां बांटते समय आप भाषण दे सकते है और चुनाव-साहित्य का वितरण भी कर सकते हैं। ये सब चीजे हम आपको पहुँचाते रहेगे।

एव — क्या आप मुझे एक बने बनाए कपडो का जोडा भी देगे। पद के अभिलाषी व्यक्ति को बहुत सीधा-सादा नही दिखाई देना चाहिए।

निनियन — (मुस्कराता हुआ) मेरा ख्याल है कि उसका भी प्रबन्ध हो सकता है, क्यो न्यायाधीश।

बोलिंग — मेरा भी यही ख्याल है।

निनियन — (गम्भीर स्वर मे) तो सोच लीजिए मिस्टर लिंकन और इस बात पर भी विचार कर लीजिए कि उस राष्ट्र मे जो दक्षिण और पश्चिम की ओर फैलता जा रहा है, आगे बढने का क्या अर्थ हैं। हम महाद्वीप बनते जा रहे है मिस्टर लिंकन, और हमे केवल आदमियो की जरूरत है।

(अपनी घडी देखता है) और अब भद्र पुरुषो, अगर आप आज्ञा दे तो मुझे इस सन्ध्या को स्प्रिंगफील्ड पहुँच जाना आवश्यक है। नमस्कार मिस्टर लिंकन।

एब — नमस्कार मिस्टर एडवर्ड्स। आन्दोलन के लिए शुभ कामनाए।

निनियन — आपको भी।

(सब खडे हो जाते है और जाने को होते हैं। केवल जोश और बेन मेर्टलिग बैठे रहते है।)

बोलिग — (जाते हुए) मैं तुमसे फिर मिलूगा एव। एन से कह देना कि शराव के पैसे देने के लिए वाद मे आऊगा।

एब — कह दूगा बोलिग। (बोलिग चला जाता है। एक क्षण बाद एब्र जोश की ओर मुखातिब होता है।) जोश! मुझे तुम पर बडा ताज्जुव होता है। मै तो समझता था कि तुम मेरे दोस्त हो।

जोश — जानता हूँ, एव। तुम यह सव कुछ पसन्द नही करते, लेकिन तुम पसन्द करो या न करो, आगे तो तुम्हे वढना ही है और थोडा बहुत महत्व प्राप्त करने का यह अच्छा अवसर है।

एव — क्या मैं उन लोगों मे से हूँ जो महत्व के भूखे है?

जोश — तुम तो मना करोगे ही एव। लेकिन तुम मे गर्व तो है ही और इसका पोषण करने की आवश्यकता है, इसलिए यदि तुम खडे होने के लिए सहमत हो जाओ तो, मैं नही समझता कि तुम्हे इसके लिए अफसोस होगा या तुम ऐसा अनुभव करोगे कि मैंने तुम्हारे साथ कोई बुराई की है।

एन — (मुस्कराता है) ओह! जोश! मैं तुमसे नाराज नही हो सकता। (कुछ दूर चलता है और दरवाजे के वाहर देखता है) लेकिन वह निनियन एडवर्ड्स,

वह धनी है और शिक्षित है। राजनीति उसके लिए एक खेल के समान है। हो सकता है अगर मैं उसकी तरह खेल सकू तो मै भी इसे पसन्द करूंगा। लेकिन अगर आप कानून और वाइवल पढ़ते है तो आप यह अनुभव किए विना नही रह सकते, कि सरकार के काम मे विग पार्टी को फिर से पदारूढ करने से अधिक महत्वपूर्ण, और भी वाते हो सकती है। (सुदृढ नवयुवक सेथगेल का प्रवेश)

सेथ — एव, फिअर्गस ने मुझे वताया कि तुम्हारे पास मेरे लिए कोई पत्र है।

एव — (डाक के थैले को टटोलता है) हां सेथ।

सेथ — हलो मिस्टर जोशस्पीड !

जोश — कैसे हो मिस्टर गेल।

एव — सेथ, यह रहा तुम्हारा पत्र। (सेथ वैठ जाता है और पढना शुरू कर देता है।)

जोश — सात-आठ दिन वाद मै फिर यहाँ आऊँगा।

एव — तो तव तुमसे मुलाकात होगी। (जोश चला जाता है, एव वैठ जाता है और अखबार उठा लेता है। वैन खडा हो जाता है और लडखडाता हुआ उसके पास आता है।)

वैन — (गुस्से मे) एव ! क्या तुम इनके कहने से चुनाव लडोगे ?

एव — अभी तक इसके वारे मे सोचने का मुझे समय नही मिला।

वैन — इनके कहने मे मत आओ। इनके कहने से वने वनाए कपडे मत पहनो। वह इस देश मे शैतान की पोशाक है। तुम ईमानदार आदमी हो, लिकन। लेकिन जैसे उन्होने तमाम को वरबाद कर दिया वैसे ही वे तुम्हे भी वरवाद कर देगे। (दीवारो पर टगे हुए चित्रो की ओर गर्व से इशारा करते हुए) वाशिंगटन को देखो, जैफरसन को देखो, जान एडम को देखो, आज ये सब कहा हैं ? मर चुके हैं। और वह हर चीज जिसके लिए ये लडे और विजय पाई वे मव भी समाप्त हो चुकी हैं। (एन मेज साफ करने के लिए आती है। एव उसकी ओर देखता है।) इससे तो अच्छा था कि हम सब गुलाम होते। जव वे वीमार और वूढे होते है तव उनकी देखभाल की जाती है। (एन चली जाती है।) लेकिन तुम्हे कोई चिन्ता नही। तुम मेरी बात भी नही सुन रहे हो। (धीरे-धीरे दरवाजे की ओर वढता है।)

एव — मैं सुन रहा हूँ, वैन।

वैन — नही तुम नही सुन रहे। मै जानता हू कि तुम भेडियो के उस गिरोह मे शामिल होने जा रहे हो जो स्वतन्त्रता की लाश पर पल रहा है। (चला जाता है।)

एव — चिन्ता न करो, मैं नही जा रहा।
(एन फिर आती है और मेज के पास जाती हे। इस समय वह शान्त दिखाई देती है।)

एव — बोलिंग ग्रीन मुझसे कह गया है कि वह बिल चुकाने के लिए बाद मे आएगा।

एन — (संक्षेप में) ठीक है।
(वह गिलास उठाने लगती है। एव उसकी मदद करने के लिए लपकता है।)

एव — एन, लाओ मुझे दो। मैं ले जाऊगा।

एन — (गुस्से मे) नही, मैं ले जा सकती हूँ। (वह जाने के लिए मुडती है।)

एव — माफ करना एन।

एन — ऊह!

एव — मै तुमसे कुछ बाते करना चाहता हूँ।

एन — बहुत अच्छा। मैं अभी आती हूँ। (वह चली जाती है। सेथ ने अपना पत्र पढ लिया है और वह एव की ओर आता है। जो बातचीत करते हुए बराबर रसोईघर की ओर ही देखता रहता है।)

सेथ — एव! मेरीलैण्ड से मेरे रिश्तेदारो का पत्र आया है। मेरे ख्याल मे इसका अर्थ है कि मुझे नेब्रास्का प्रदेश मे जाने का अपना विचार छोड देना होगा। मेरे पिताजी बीमार है।

एव — मुझे यह सुनकर बहुत अफसोस हुआ।

सेथ — मुझे भी अफसोस है। उन्होने मुझे फार्म पर काम करने के लिए वापस बुला भेजा है। मैं तो पश्चिम की ओर जाने का निश्चय कर चुका था। सबसे बुरी बात तो यह है कि तुम भी मुझ पर निर्भर कर रहे थे।

एब — (अब भी रसोईघर की ओर देख रहा है) इस बारे मे तुम चिन्ता मत करो, सेथ। (एन वापस जाती है)

सेथ — अच्छा। अब पछताने से कुछ नही होगा। जाने से पहले मैं तुम्हे अलविदा कहने आऊँगा एब। (वह जाता है। एब एन की ओर और एन एब की ओर देखती है।)

एन — हा, क्या बात है एब !

एब — (उठता हुआ) मेरा यह ख्याल था कि न्यूयार्क से जो तुम्हे पत्र मिला है उसके बारे मे शायद तुम मुझसे बाते करना चाहो।

एन — (तीव्रता से) उस पत्र के बारे मे तुम क्या जानते हो ?

एन — मैं पोस्ट मास्टर हूँ। लोगो के निजी मामले के बारे मे जितना मुझे जानना चाहिए उससे अधिक जानता हूँ। मिस्टर मैक्नील के अक्षर पहचानता हू। और तुम्हारे चेहरे पर जो भाव है उनसे मै समझ सकता हू कि जिस बुरी खबर का तुम्हे डर था वह आ गई है।

एन — (गुस्से मे) उस पत्र मे जो कुछ भी लिखा है, उससे तुम्हारा कोई सम्बन्ध नही है, एब।

एब — जानता हूँ एन। लेकिन तुम रोती रही हो और इससे मुझे दुख हुआ है। मैं तुम्हारे बारे मे बहुत सोचता हूँ। इसकी मैं चर्चा नही करूगा। लेकिन जब आदमी दुखी होता है और उसके दुख को सुनने वाला कोई उसे मिल जाता है तो उसे राहत मिलती है। और भगवान जानता है कि मेरे कान बहुत कुछ सुनने की शक्ति रखते है।

एन — (नरम पड़ती है) एव लिकन, तुम भले आदमी हो। (बैठ जाती है।)

एब — मैं सीधा सादा गरीब आदमी हूँ।

एन — (हँसती है) अच्छा, कुछ भी हो। बैठ जाओ, यहा मेरे पास बैठो, एब। (एब बडी प्रसन्नता से उसके पास जाकर बैठ जाता है।)

एन — तुम किसी को हसाने के लिए हमेशा कुछ न कुछ कह सकते हो। क्यो, ठीक है न ?

एब — लेकिन इसके लिए तो मुझे कुछ कहने की जरूरत ही नही है। वस मेरी ओर देखने भर की आवश्यकता है।

एन — उस पत्र के बारे मे तुम्हारा विचार ठीक है एव। मिस्टर मैक्नील नही जानते कि वह न्यू सेलम कव वापस आ सकेगा। इसका मतलव है कि वह कभी वापस नही आएगे। मेरा ख्याल है कि उनसे विवाह करने का वचन देने के कारण तुम मुझे मूर्ख समझते हो।

एब — नही, मै ऐसा नही समझता। वह स्फूर्तिवान और सुन्दर व्यक्ति है। उन्हे प्यार करने के लिए मैं किसी भी लड़की को कोई दोष नही दूगा।

एन — (शीघ्रता से) मैं उन्हे प्यार नही करती एव।

एब — तव ! तव तो चिन्ता करने की कोई वात ही नही है।

एन — मै नही समझती कि तुम औरतो के वारे मे वहुत कुछ जानते हो। तुम एक मजबूत आदमी हो और तुम दुर्वल व्यक्ति के मनोभावो को नही समझ सकते। कस्वे के सभी आदमी यही कहेगे कि उन्होने मुझे

धोखा दिया है। मेरे सामने वे मुझसे सहानुभूति प्रगट करेंगे लेकिन पीठ पीछे वे मुझ पर हँसेंगे। (वह उठती है और दाहिनी ओर मुडती है।) मै जानती हूँ कि यह केवल दुर्बलता है। यह ऐसी बात है जिसे तुम नही समझ सकते।

एब — हो सकता है कि मैं इसे समझ सकू एन। जोश स्पीड कहता है कि मै अहकारी हू और वह ठीक कहता है। यह यह और कुछ नही हैं, केवल दम्भ है जो मुझ तुम्हारे प्रति अपनी भावनाओ को प्रगट करने से रोकता रहा है। (वह चकित होकर मुडती है और उसकी ओर देखती है।) देखो, मै भी यह नही चाहता कि लोग मुझ पर हँसे। मै जानता हू कि मैं कैसा दिखाई देता हू और मै यह भी जानता हू कि जिस लडकी को मै प्यार करूगा उसको देने के लिए मेरे पास कुछ नही है।

एन — क्या तुम यह कहना चाहते हो कि तुम मुझे प्यार करते हो, एब।

एब — (गम्भीरता से) हा, मै यही कह रहा हू। (वह उसके सामने खडा हो जाता है। एन उसकी आखो मे झाकती है।) मै तुम्हे अपने सम्पूर्ण हृदय से बहुत दिनो से प्यार करता रहा हू। तुम, तुम एन, विशेष रूप से सुन्दर लगती हो। तुम मे सूझबूझ है। तुम बहादुर हो, तुम देखने मे भी अच्छी हो। लेकिन एन, मैं तुम्हे परेशान नही करना चाहता। मैने तो इसकी

केवल इसलिए चर्चा की कि यदि तुम कुछ दिन मेरे साथ घूमो फिरो, तो शायद लोगो के मुह बन्द हो जाए । वे सोचेगे कि तुमने ही किसी और के लिए मैक्नील को छोड दिया है, शायद मैं भी ।

एन — (वैसी ही गम्भीरता से) मैंने पहले भी तुम्हारे बारे मे बहुत सोचा है । लेकिन हमारे बीच मे प्रेम का विचार मै नही कह सकती कि मै इस बारे मे क्या अनुभव करती हू क्योकि इस समय तुम एक ऐसे व्यक्ति की तरह हो, जिससे मै पहली बार मिल रही हू ।

एब — (शान्ति से) तुम मेरे बारे मे सोचो, इसकी कल्पना भी मै नही करता ।

एन — मै जानती हू एब, तुम अपना सब कुछ दे दोगे और बदले मे कभी कुछ नही चाहोगे । अगर कभी तुम्हे प्रेम कर सकी तो, मुझे बहुत खुशी होगी । तुम्हारे जैसे भले और अच्छे आदमी से प्यार करना मेरा सौभाग्य होगा । यदि तुम मुझे इसके बारे मे सोचने का थोडा अवसर दो.

एन — (अविश्वास से) तुम्हारा मतलब है कि यदि तुम्हे समय मिले तो तुम्हारे हृदय मे कुछ ऐसे ही भाव पैदा हो सकते हैं जैसे तुम्हारे बारे मे मेरे हृदय मे पैदा हो रहे है ।

एन — (कोमलता से) मै नही जानती, एब । (उसके हाथ को छूती है) लेकिन मैं यह अवश्य जानती हू कि तुम ऐसे व्यक्ति हो जो किसी के भी हृदय मे समा सकते है । (एब उसके हाथ को अपने हाथ से ढक लेता है ।)

एब — एन, मैंने उनके इस कथन पर विश्वास करने की पूरी कोशिश की कि इस देश मे सबको समान सुविधाए प्राप्त है। लेकिन मै इस पर कभी विश्वास नही कर सका, जैसे कि मै यह नही मान सका कि भगवान ने तमाम मनुष्यो को अपने समान वनाया है। लेकिन एन, अगर मैं तुम्हे पा सका तो, मैने कविता की पुस्तको मे जिन तमाम आश्चर्यजनक वातो के वारे मे पढा है, उन सवमे विश्वास करने लगूगा। (एक क्षण के लिए दोनो मौन हो जाते है। तब एन मुडती है।) मैं तुमसे तब तक जवाव देने के लिए नही कहूगा, जव तक मुझे ऐसा करने का अधिकार नही हो जायगा।

(अपना डाक का थैला उठा कर दरवाजे की ओर मुडता है।)

एन — एव ! तुम कहां जा रहे हो ?

एव — मै वोलिंग ग्रीन को ढूंढने और उसे एक मजाक सुनाने जा रहा हू। (मुस्कराता है)

एन — मजाक किस वारे मे ?

एव — मै उसे यह कहने जा रहा हू कि मै इलिनाय राज्य की विधान सभा के लिए खडा होने को तैयार हूँ

(वह चला जाता है।)

दूसरा दृश्य-समाप्त

दृश्य तीन

(न्यू सेलम के पास बोलिंग ग्रीन का घर। सन्ध्या गहरी हो चुकी है। दृश्य दो के बाद लगभग १ वर्ष बीत चुका है। बाहर तूफान उठ रहा है। कमरा छोटा है लेकिन आरामदेह है। दीवारो पर पुस्तकें और परिवार के चित्र हैं। बीच मे एक मेज है जिसके ऊपर लैम्प है। इसके दोनो ओर कुर्सिया है और बाई ओर एक कोच है। सामने के दरवाजे के सहारे बन्दूक रखी है। बोलिंग अपनी पत्नी नैन्सी को कहानी पढ कर सुना रहा है। जो सुनने के साथ-साथ सी भी रही है।)

नैन्सी — (हसते हुए) पढे जाओ बोलिग। नायक बिल्कुल तुम्हारे जैसा मालूम होता है। (दरवाजे पर दस्तक होती है। नैन्सी घबरा कर) कोई दरवाजा खटखटा रहा है। यह एब की दस्तक तो नही है। कौन हो सकता है ?

बोलिग — (उठते हुए) अभी तो कुछ पता नही, प्रिये।

नैन्सी — मिलने आने के लिए यह विचित्र समय है। अच्छा हो कि तुम बन्दूक तैयार रखो।

बोलिग — (सांकल खोलकर दरवाजा खोलता है। जोशस्पीड है।) अरे जोशस्पीड आओ, आओ, अपना कोट उतार डालो।

जोश — नमस्कार बोलिग। नमस्कार श्रीमती ग्रीन। मैं

अभी स्प्रिंगफील्ड से आया हूं। सुना है कि एब्र लिंकन कस्बे में है और शायद वह मुझे यहां मिल सकता है।

बोलिंग — वह यही सोया करता है।

नैन्सी — लेकिन इस समय रटलेज फार्म पर बेचारी एन की तीमारदारी कर रहा है।

जोश — कुमारी रटलेज। उसको क्या हुआ ?

नैन्सी — उसे मस्तिष्क का रोग है। कैसी भयानक बात है, न जाने कितने व्यक्ति इस रोग से मर गए।

बोलिंग — लेकिन एन तो युवती है, वह ठीक हो जाएगी। जोश, बैठ जाओ।

जोश — धन्यवाद ! (बैठ जाता है। बोलिंग पाइप भरता है)

नैन्सी — शायद तुम यह जानते होगे कि जैसे ही एब ने यह सुना कि एन बीमार है वह उसी क्षण भागा हुआ चला आया। वह उसे बेहद प्यार करता है।

जोश — अच्छा, तो एब प्यार करता है। पिछली बार जब मैं उससे मिला था तो उसका व्यवहार कुछ अजीब तरह का था। मैंने जब उससे पूछा कि क्या बात है ? तो उसने कहा कि पेट में गड़बड़ है।

बोलिंग — (हँसते हुए) यही ठीक मालूम होता है। नैन्सी हमेशा कल्पना करती रहती है। क्या एब विधान-सभा में ठीक तरह से चल रहा है ?

जोश — नहीं, वह तो बस वहां बैठा रहता है। और तीन डालर प्रतिदिन बना लेता है। जो कुछ वहां होता

है उसमे वह कोई रुचि नही लेता। क्या तुम्हारा ख्याल है कि मिस रटलेज उसको चाहती है ?

नैन्सी — निश्चय ही वह चाहती है। एब के प्रति अपनी इन भावनाओ के कारण ही उसने मैक्नील को जो वचन दिया था उसे तोड दिया।

जोश — क्या एब उससे शादी करना चाहता है ?

नैन्सी — ससार मे यही तो एक बात है जो वह तुरन्त कर लेना चाहता है और जितनी जल्दी उन दोनो की शादी हो जाए उतना ही उन दोनो के लिए अच्छा है।

बोलिंग — (बैठते हुए) शायद एन के लिए बेहतर है लेकिन एब के लिए तो और भी बुरा होगा। एब का काम करने का अपना रास्ता है और एन उस रास्ते मे बाधक होगी।

जोश — मेरा ख्याल है कि अगर एन एब को थोडी बहुत खुशी दे सके, जो उसे कभी नही मिली, तो कुछ बहुत बुरा नही होगा।

नैन्सी — (उठते हुए) यही तो बात है। एब के बारे मे जितना तुम सोचते हो बोलिग उतना ही मै भी सोचती हू। लेकिन हम इस बात से इन्कार नही कर सकते कि जिस काम मे उसने हाथ डाला उसी मे वह असफल रह गया। और अब एक वर्ष से वह विधान-सभा मे है। लेकिन वहा कुछ नही कर सका। (वह किताबो की अल्मारी मे अपने सीने की टोकरी रखने जाती है।)

बोलिंग — वह स्प्रिंगफील्ड जाकर वकालत कर सकता है। निनियन एडवर्ड्स काम शुरू करवाने मे उसकी मदद करेंगे और वह एन को जल्दी ही भूल जाएगा। एन उसके लिए सौन्दर्य से परिपूर्ण एक स्वप्न है लेकिन अगर वह उसे पा लेता है तो वह जाग उठेगा। और एन उसका दिल तोड देगी।

नैन्सी — (बैठते हुए) मिस्टर स्पीड क्या आप इस बारे मे बोलिंग से सहमत है ?

जोश — (उदास होकर) कह नही सकता श्रीमती ग्रीन, एब लिंकन के बारे मे किसी भी प्रकार का अनुमान लगाने का प्रयत्न मैंने छोड दिया है। पहली बार मैंने उसे तब देखा था जब उसने मेरी स्टीम बोट और उस पर लदे हुए कीमती सामान की रक्षा की थी। मैंने सोचा यह आदमी है जिस पर भरोसा किया जा सकता है। मेरा विश्वास था कि मैं यश और सौभाग्य पाने मे उसकी मदद करूगा। लेकिन बहुत जल्दी ही मुझे इससे उल्टी बात मालूम हुई। मैंने पाया कि उसके शरीर मे काफी शक्ति और साहस है लेकिन मन से वह रोगी है। वह सारा दिन कठिन शारीरिक श्रम और हंसी-ठठ्ठा कर सकता है और फिर सारी रात हेमलेट पढता हुआ, अपने को उसका वह दुखी राजकुमार समझता हुआ बैठा रह सकता है। शायद वह एक महान दार्शनिक है। शायद वह

एक महान मूर्ख है। मै नही जानता कि वह क्या है ?

ोलिग —— (हँसते हुए) क्या ही अच्छा हो यदि एन मे यह सब देखने की बुद्धि हो जो तुमने देखा। तब वह इतनी डर जाएगी कि वह उसे छोड कर मैक्नील को ढूढने के लिए न्यूयार्क भागी चली जाएगी। कम से कम वह अनबूझ पहेली तो नही है।

नैन्सी —— (भावुक होकर) हो सकता है कि एब लिकन एक ऐसी पहेली हो जिसे तुम्हे बूझना पडे। लेकिन वह एक आदमी भी है, एक बदकिस्मत आदमी। और तुम उसके लिए क्या करते हो। तुम उसकी मजाको पर हसते हो और चुनाव के दिन उसे मत देते हो और आवश्यकता पडने पर खाना तथा रहने का स्थान दे देते हो। लेकिन इससे क्या उसकी आत्मा सन्तुष्ट होती है, कभी नही हो सकती। क्योकि उसे जिस चीज की जरूरत है वह है अदम्य इच्छा शक्ति से पूर्ण एक नारी जो, उसके लिए जीवन का सामना कर सके।

ोलिग ——तुम्हारे विचार से वह स्वय, जीवन का सामना करने से डरता है।

नैन्सी —— हा, वह डरता है। वह उन कानाफूसियो पर जरूरत से ज्यादा विश्वास करता है, जो उसने उस जगल मे सुनी थी जहा वह बडा हुआ और जहा वह एकान्त चाहने पर अब भी जाता है। वे

कानाफूसी उन औरतो की है जो उसके जीवन मे आई थी। उसकी स्वर्गीया माँ की और उसकी मा की मा की। वह नही जानता कि इन कानाफूसियो का अर्थ क्या है। और वे उसे कहा ले जा रही है। और वह उनसे डरता है। केवल एक नारी ही उसे इस डर से मुक्त कर सकती है। वह नारी जो उसे सचमुच प्यार करती हो और उसमे विश्वास रखती हो। .. (दरवाजे पर दस्तक होती है)

वोलिंग — अव एव आया है।

(उठ कर दरवाजा खोलता है। एव आता है। सिर पर हैट नही है। तूफान मे भीगा हुआ है। गहरे रग का एक खासा अच्छा सूट पहना है। वह प्रौढ और अधिक गम्भीर दिखाई देता है।)

वोलिंग — क्यो क्या वात है ? हम तो तुम्हारी राह देख रहे है। वारिश मे से अन्दर आ जाओ।

(एव अन्दर जाता है। वोलिंग दरवाजा वन्द कर देता है।)

एव — हलो ! जोश, तुम्हे देखकर खुशी हुई।

जोश — हलो ! एव।

एव — (नैन्सी की ओर मुड कर) नैन्सी ..

नैन्सी — हा एव।

एव — वह मर गई।

वोलिंग — एन ? वह मर गई।

एव — हाँ, आज रात अचानक उसका बुखार विगड़ गया। वे लोग कुछ नही कर सके।

(नैन्सी तीव्रता से एव के पास जाती है और उसका हाथ अपने हाथ मे ले लेती है।)

नैन्सी — ओह ! एव मुझे वहुत दुख है। वह कितनी प्यारी वच्ची थी। जो कोई भी उसे जानता था वह तुम्हारे इस दुख मे शामिल होगा।

एव — मै जानता हू। लेकिन इससे क्या होगा। वह तो मर गई।

बोंलिग — एव, वैठ जाओ और आराम कर लो।

एव — नही। मै किसी के लिए भी अच्छा साथी नही हू। मुझे चले जाना चाहिए। (दरवाजे की ओर मुड़ता है।)

जोश — (उसे रोकते हुए) नही एव, तुम यही ठहरोगे।

बोंलिग — अच्छा है, जोश जो कुछ कहता है वही करो।

नैन्सी — यहाँ आओ एव, वैठ जाओ।

(एव वारी-वारी सबको देखता है फिर वैठ जाता है।) जव भी तुम चाहो तुम्हारे लिए विस्तर तैयार है।

एव — ससार मे तुम दोनो मेरे सर्वोत्तम मित्र हो। तुमने मेरे लिये जो कुछ किया उसके वदले मे अव मेरा इस अवस्था मे यहाँ आना अच्छा नही लगता।

बोंलिग — यह तुम्हारा घर है एव। यहां तुम्हे सव प्यार करते है।

एब — हा, यह ठीक है और बोलिंग, नैन्सी मैं तुम्हे प्यार करता हू । लेकिन मैंने उसे सबसे बढ कर प्यार किया ।

नैन्सी — मै जानती हू। तुमने किया है । एब, मैं जानती हूं।

एब — जब मै अकेला था तो पूर्ण सन्तोष से रहता था। मुझ मे एक सनक थी कि अगर मैं लोगो के बहुत पास जाऊँगा तो, उनको पहचान लूगा कि पर्दे के पीछे वे सब सनकी है और दूसरे को भी वैसा ही समझते है। और तब जब मैंने उसे देखा तो जाना, कि मनुष्य मे सौन्दर्य और पवित्रता भी हो सकती है। जब मैंने उसका हाथ अपने हाथ मे लिया तो मेरा सारा डर, मेरी सारी शकाए दूर हो गईं। भगवान मे मेरा विश्वास दृढ हो गया। अपनी मृत्यु तक मुझे उसके लिए काम करने मे खुशी होती, अगर वह यह सोचती कि मैं कुछ कर सकता हू तो, मैं अवश्य कर सकता, यह मेरा विश्वास था। और उसके बाद तूफान मे पडे पत्ते की तरह मैं असहाय खडे-खडे उसे सास छोडते देखता रहा। उसके माता-पिता भी वही थे। उसकी आत्मा के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे थे, भगवान ही देता है, भगवान ही ले लेता है, भगवान का नाम पवित्र है।' यही बारबार कहते रहे लेकिन मैं उनके साथ प्रार्थना नही कर सका। मैं उसके

प्रति भक्ति प्रगट नही कर सका, जिसके पास मौत की शक्ति है और जो उसका प्रयोग करता है। (खडा हो जाता है और आवेश के साथ बोलता है।) मै अपने को मूर्ख वना रहा हू। मुझे खेद है। लेकिन मै यह सब नही कह सकता। मै अब और अधिक होश मे नही रह सकता। मुझे मरना होगा और फिर उसके साथ रहना होगा। नही तो मै पागल हो जाऊँगा। (दरवाजे के पास जाता है। खोलता है। तूफान उठ रहा है।) मै उसे ऐसे मे वाहर अकेला नही छोड़ सकता। (नैन्सी याचना भरी दृष्टि से बोंलिग की ओर देखती है। वह एव के पास जाता है।)

बोंलिग — (कोमलता से) एव, मैं चाहता हू कि तुम ऊपर चले जाओ और कुछ देर सो लेने की कोशिश करो। नैन्सी और मुझ पर विशेष कृपा होगी, एव।

एब — (एक क्षण वाद) वहुत अच्छा बोलिग। (ऊपर जाने के लिए मुडता है।)

नैन्सी — प्रिय एव। लैम्प यह रहा। (उसके लिए लैम्प जलाती है और उसे देती है।)

एब — धन्यवाद नैन्सी। नमस्कार। (ऊपर चला जाता है)

नैन्सी — (रुँधे हुए कण्ठ से) वेचारा। (वोंलिग चुप होने का इशारा करता है।)

जोश — श्रीमती ग्रीन, आप उसे यही अपने पास रखिए। अपने से दूर मत जाने दीजिए।

बोलिंग —— नही जाने देंगे, जोश ।

जोश —— नमस्कार । (अपनी वस्तुए उठा कर जाता है ।)

बोलिंग —— नमस्कार जोश ।

(वह दरवाजा बन्द करके ताला लगा लेता है। और फिर मेज से लैम्प उठा लेता है । नैन्सी एक बार फिर ऊपर की ओर देखती है फिर बाहर चली जाती है। बोलिंग लैम्प लिए उसके पीछे जाता है । फिर दरवाजा बन्द कर लेता है। स्टेज पर अब जो रोशनी आ रही है वह ऊपर से जीने की ओर से आने वाली मध्यम रोशनी है। पर्दा गिरता है ।)

पहला अक समाप्त

दूसरा अंक

चौथा दृश्य

(पाच वर्ष वाद। ग्रीष्म ऋतु मे मध्याह्न के वाद धूप निकली हुई है। स्प्रिगफील्ड, इलिनॉय में कोर्ट हाउस की दूसरी मजिल पर स्टुअर्ट और लिकन का कार्यालय। कमरा छोटा है। एक मेज और कुर्सी तथा कागजो से भरी हुई एक डैस्क, पीछे की ओर एक पुरानी चारपाई, खुली अल्मारिया कानूनी कितावो से भरी हैं। एक पुराना चूल्हा है जिसमे लकडी जलाई जाती है। डैस्क पर २६ सितारो वाला अमेरिकी झण्डा लटका हुआ है। खिडकियो के वीच मे हैरीसन और टाइलर के पक्ष मे चुनाव की घोषणा टगी हुई है। इसमे निर्वाचको की सूची भी है जिसके सवसे अन्त में अब्राहम लिकन का नाम है। मेज पर विली हर्नडन काम कर रहा है। वह पतला दुबला गम्भीर नवयुवक है। जैसे ही एव अन्दर आता है वह दृष्टि उठा कर उसे देखता है। एव के सिर पर पुराना रेशमी टोप है और हाथ मे एक फटा पुराना टाट का थैला। मौन मुद्रा में है। जूते मिट्टी से भरे हुए है। आयु केवल ३१ वर्ष की है लेकिन यौवन जैसे एन रटलेज के साथ ही दफनाया जा चुका है। वह कार्यालय का दरवाजा खुला छोड देता है जिस पर यह लिखा हुआ है—नम्वर ३, स्टुअर्ट और लिकन—वकील।)

विली ——कैसे हो मिस्टर लिकन। मुझे खुशी है कि आप वापस आ गए।

एव ——नमस्कार विली। (अपना टाट का थैला और टोप उतार कर डैस्क पर रख देता है।)

विली ---आपकी यात्रा कैसी रही, मिस्टर लिंकन ।

एब ---जैसी हमेशा रहती है ।

विली ---सेहत तो ठीक रही ना ।

एब ---ठीक तो नही रही लेकिन डाक्टर हेनरी ने ऐसी दवा दे दी थी कि मैं अपना काम करता रहा । (डैस्क पर बैठ जाता है और अपनी अनुपस्थिति मे आए हुए पत्रो तथा कागजो के ढेर को देखने लगता है । उनमे उसकी कोई रुचि नही दिखाई देती ।)

विली ---क्या आपको कोई राजनैतिक भाषण देने का अवसर मिला ?

एब ---हा, कई बार । मै स्टीफन डगलस से मिला । वह मतो की तलाश मे घूम रहा था और सार्वजनिक रूप से हम लोगो मे कुछ वाद-विवाद भी हुआ ।

विली ---(बहुत रुचि दिखाता है) यह तो बहुत अच्छी बात है । आप मे और मिस्टर डगलस मे किस बात पर वाद-विवाद हुआ ।

एब ---अधिक उत्तेजित मत हो, विली हम लोग कोई बहुत गम्भीरता से बहस नही कर रहे थे । अच्छा, यहा की क्या खबर है ?

विली ---जज स्टुअर्ट ने लिखा है कि वह वाशिंगटन सकुशल पहुच गये है । और वहा आन्दोलन मौसम की तरह गर्म हो उठा है । (विली एब को एक पत्र देता है और जब एब पढ़ता है तो उसे

वडे ध्यान मे देखता है।) मैने इसकी ओर विशेष रूप से तुम्हारा ध्यान दिलाने का वायदा किया था। यह स्वतन्त्र व्यक्तियो की, "एलिजा पी लव जॉय लीग" की ओर से है। वह यह चाहते हैं कि अगले वृहस्पतिवार की सन्ध्या को आप दास-प्रथा विरोधी सभा मे बोले। यह एक वहुत ही अहम बात होगी।

एव —(सोचते हुए) यह एक मजेदार बात है। मै पिछले दिनो 'लव जॉय' के वारे मे ही सोच रहा था और यह समझने की कोशिश कर रहा था कि आदमी मे ऐसी क्या बात है कि जिसके कारण वह किसी उद्देश्य के लिये प्रसन्नता के साथ अपना जीवन दे देता है। मै नाव मे क्विनसी से आल्टन आ रहा था, उस नाव मे एक भद्र पुरुष भी थे जिनके साथ १२ नीग्रो इस प्रकार जजीरो से वँधे हुए थे जैसे मछलिया। शायद वे अपने घरो से, अपने माता-पिता से, पत्नी-वच्चों से हमेशा के लिए अलग किए जा रहे थे और उन्हे दासता के वन्धन मे बाधा जा रहा था। वह एक करुण दृश्य था।

बिली — (उत्तेजित होकर) तव तुम 'लव जॉय' की सभा मे भाषण दोगे ?

एव — (थका हुआ है) मुझे इस वारे मे शका है। यह 'फ्री मैन्स लीग' विवेकहीन व्यक्तियों से भरी हुई

है। अगर कोई व्यक्ति तर्क करता है तो वे समझते हैं कि उसमे काफी शक्ति नही है। और वे उसकी ओर से उदासीन हो जाते है। उनको अपना राग अलापने दो। (एब ने एक पत्र खोला है और उसे पढना शुरू करता है। विली कुछ खिन्नता के साथ उसकी ओर देखता है। लेकिन जानता है कि तर्क करने मे कुछ नही होगा। अपना काम करता रहता है। क्षण भर बाद बोलिग ग्रीन आता है उसके साथ जोश स्पीड है।)

बोलिग — क्या हम कानून के काम मे दखल दे रहे हैं ?

एब — (प्रसन्नता से) बोलिग ! (उछल कर बोलिग का हाथ पकड लेता है) कैसे हो बोलिग।

बोलिग — अच्छा खासा हू एब। तुम्हे देख कर खुशी हुई।

एब — मिस्टर ग्रीन यह न्यू सेलम का विली हर्नडन है। हलो जोश !

जोश — हलो एब।

विली — (बोलिग से हाथ मिलाते हुए) आप का परिचय पाने का मुझे गर्व है श्रीमान। मिस्टर लिंकन अक्सर आपके बारे मे बातें करते है।

बोलिग — धन्यवाद मिस्टर हर्नडन ! क्या आप भी वकील हैं ?

विली — (गम्भीरता से) होने की आशा करता हू श्रीमान जी। स्टुअर्ट की गैरहाजरी मे मै यहा क्लर्क का काम करता हूं।

बोलिग — तो एब, अब तुम दूसरो को पढा रहे हो ।

एब — बस एक बुरा उदाहरण उपस्थित कर रहा हू ।

बोलिग — यह ठीक ही है । जरा डेस्क पर फैले हुए इन कागजो को तो देखो, शर्म की बात है ।

एब — अगर मैं अगले वर्ष भी वकालत करता रहा तो, मुझे इन कागजो के लिए ही एक दूसरे दफ्तर की आवश्यकता होगी । लेकिन बैठो ना बोलिग, और बताओ कि तुम स्प्रिग फील्ड कैसे आए हो ? (बोलिग बैठ जाता है । जोश चारपाई पर बैठ कर अपनी पाइप पीता रहता है । बिली फिर मेज के पास आ बैठा है ।)

बोलिग — मछलियो का शिकार करने मिशीगन झील तक गया था । लेंकिन एब, तुम्हारा काम कैसा चल रहा है ? जोश ने बताया कि तुम्हारे पास अब भी पैसा नही है लेकिन सामाजिक दृष्टि से तुम बहुत सफल हो ।

एब — जोश ठीक ही कहता है । क्या तुम्हे निनियन एडवर्ड्स की याद है ? ?

जोश — निश्चय ही ।

एब — तो जनाब, मै नियमित रूप से उनका मेहमान हू । उनका घर इतना बडा है कि बैठक के कमरे मे घुड-दौड हो सकती है । और उनकी पत्नी कैण्टकी टाड परिवार की है । वे उच्च वर्ग के लोग है । अपना नाम डबल 'डी' से लिखते है । इससे मैं

बहुत प्रभावित हुआ क्योंकि भगवान ने अपने लिए केवल एक ही 'डी' काफी समझी'।

जोश — बोलिंग को यह तो बताओ कि रोचस्टर में आप किससे मिले थे।

एब — अमेरिका के राष्ट्रपति से। (हाथ आगे बढ़ा कर) तुम इस हाथ को देखते हो।

बोलिंग — हां, देखता हूँ।

एब — इसने मार्टिन वान ब्यूरेन से हाथ मिलाया है।

बोलिंग — (हंसते हुए) राष्ट्रपति ने तुम्हारी उचित अभ्यर्थना तो की न?

एब — बेशक उन्होंने मुझसे कहा—'वाशिंगटन में हम आपके बारे में बहुत कुछ सुनते रहते हैं।' बाद में मुझे पता लगा कि जब कभी वह किसी कस्बे के राजनीतिज्ञ से मिलते हैं तो, हरेक से यही बात कहते हैं। (हंसता है) लेकिन यह बिली हर्नडन काफी नाखुश है क्योंकि मैं गलत लोगों में उठता बैठता हूं। बिली तो दास-प्रथा विरोधी दल का है। यह ऐसे किसी व्यक्ति को पसन्द नहीं करता जो विधान का सम्मान करता है और चुप रहता है। अगर इनका बस चले तो यह तमाम यूनियन में आग लगा दें और हम सब जल कर राख हो जाएं। क्यों है न बिली।

1–Todd : God

बिली — (तीव्रता से) हा, मिस्टर लिकन। अगर आप मुझे कहने की आज्ञा दे तो मै यही कहूगा कि यदि आप स्वतन्त्रता की ज्वाला को भडकाने मे योग दे तो, आप अपने साथियो के लिए अधिक लाभदायक सिद्ध हो सकते है।

एब — देखा बोलिग, यह चाहता है कि मैं रक्त-रजित युद्ध भूमि मे आकर अन्याय के नाहरो से सघर्ष करू।

बोलिग — मुझे आपसे गहरी सहानुभूति है, मिस्टर हर्नडन।

बिली — (हैट उठाकर आदर से) धन्यवाद श्रीमान। (बोलिग से हाथ मिलाता है, फिर एब की ओर मुडता है) विल कॉम्स के मामले के बारे मे मुझे कुछ काम है।

एब — बहुत अच्छा।

बिली — (बोलिग से) मिस्टर ग्रीन, मिस्टर लिकन आपको और मिस्टर स्पीड को ससार मे अपना सर्वोत्तम मित्र मानते है। इनके सामने मैं आपसे प्रार्थना करता हू कि भगवान के लिए आप इन्हे निष्क्रियता के सागर से उबार लीजिए। यह बडी तेजी से उसमे डूबते जा रहे है। नमस्कार श्रीमान, नमस्कार मिस्टर स्पीड।

जोश — नमस्कार बिली। (बिली का गमन)

बोलिग — एब यह कुशाग्रबुद्धि नवयुवक है।

एब — (विली के पीछे देखता हुआ) यह नीचे ही एक दफ्तर मे जा रहा है। लेकिन अपना हैट ले गया है। इसका मतलब है कि काम पर आने से पहले वह पास के घर मे शराब का प्याला पीने भी जाएगा। इसके भीतर बहुत आग है। लेकिन यह उसको बहुत तेजी से समाप्त करता जा रहा है। अच्छा, अब यह तो बताओ कि तुम्हारी पत्नी कैसी है ?

(खिडकी के पास दीवार के सहारे झुकता है।)

बोलिंग — नैन्सी पहले से भी अधिक व्यस्त है और तुम्हारे लिए पहले से भी अधिक चिन्तित। वास्तव मे उसने मुझे यह आदेश दिया है कि मै तुमसे पूछू कि आखिर बात क्या है ?

एब — (हँसता है) कह देना कोई बात नही है। मै ठीक हू। और अपने ऋण मे से मैंने प्रति डालर पर ७ सैंट चुका दिए है।

बोलिंग — लेकिन तुम अपने बारे मे हमे और अधिक क्यो नही लिखते।

एब — जोश बताएगा कि मै बहुत व्यस्त रहा हू।

बोलिंग — क्या करते रहे हो ?

एब — मैं चुनाव के लिए खडा हुआ हू।

जोश — (एक घोषणा की ओर इशारा करते हुए) तुमने इसका नाम नही देखा ? यह तो है। 'विग' दल के 'निर्वाचको' की सूची मे सबसे नीचे।

बोलिंग —— निर्वाचक ! क्या तुम्हारे लिए यही सबसे अच्छा पद है ?

एब —— हा ! उस थोडे से खाली समय मे जो मेरे पास है। सेथगेल ने मुझे एक पत्र लिखा था, याद है न। वह न्यू सेलम मे रहता था। आजकल मेरीलैण्ड मे है। वह कहता है कि पूरब मे लौटने के बाद उन्हे इस बात की बहुत चिन्ता है कि कही टैक्सास को हडप न लिया जाय।

बोलिंग — चिन्ता होनी ही चाहिए। इसका अर्थ शायद यह होगा कि कैन्जस और नैब्रास्का से लेकर ओरेगन और केलीफोर्निया तक तमाम प्रदेशो मे दासता फैल जाएगी। इसका अर्थ होगा कि दक्षिणी राज्य इस देश पर शासन करेगे। बाकी स्वतन्त्र राज्यो की भगवान रक्षा करे।

जोश — यह स्थिति खराब है। इसमे गृह युद्ध के बीज छिपे हुए है।

एब —— यदि ऐसी बात है तो यह 'दास-प्रथा-विरोधी' लोगो का अपना कसूर है। वे एकदम मुसीबत पैदा करते जा रहे है जबकि वह यह जानते है कि इस मुसीबत का परिणाम क्या होगा ? उन सबको एकदम जेल मे बन्द कर देना चाहिए।

बोलिंग — मेरा तो ख्याल था कि तुम दासता विरोधी हो एब। क्या तुमने अपने विचार बदल दिए हैं ?

एब —— (कोच पर बैठ जाता है) नही, मैं दासता का

विरोधी हू लेकिन युद्ध का मै इससे भी अधिक विरोधी हू । सबसे बडी बात तो यह है कि मैं जानता हूँ कि तुम दोनो क्या कर रहे हो। (समझदारी से मुस्कराता है।) तुम बिली हर्नडन की सलाह पर काम कर रहे हो और मेरे लिये परेशान हो रहे हो। तुम इस बात की कोशिश कर रहे हो कि मै अपने जीवन का कुछ सदुपयोग करू । क्यो, यही बात है न ।

बोलिंग —— ओह, नही एब । मै यह बताना नही चाहता कि तुम्हे अपना जीवन किस प्रकार बिताना चाहिए।

जोश —— और मै भी नही चाहता । अगर हम यह अनुभव करते हो कि अभी तक जो अवसर तुम्हे मिले थे उनका तुमने पूरा लाभ नही उठाया तो, निश्चय ही हम इस वात को अपने तक ही रखेगे ।

एब —— (हसता है) मुझे डर है कि तुम्हे भी वही करना होगा जो मुझे करना पडा था । अर्थात् मै जैसा हू वैसा ही स्वीकार करना पडेगा । मैं लडाकू आदमी नही हू । मैं वहुत से ऐसे आदमियो को जानता हू जो लडना चाहते है, जो मारना चाहते है और जो मरने से भी नही डरते । ठीक हे जो लडाइया लडी जानी है उनमे वे भाग ले सकते है ।

बोलिंग —— कभी-कभी शान्तिप्रिय व्यक्ति भी अपने देश की सेवा कर सके है ।

एब — आरम्भ मे भले ही वे शान्तिप्रिय रहे हो लेकिन राजनीति मे फस जाने के बाद वे वहुत देर तक शान्तिप्रिय नही रहे है। (सीधा तन कर बैठ जाता है।) मान लो मै चुना जाता हू तो मैं उस भद्दी स्थिति मे फस जाऊगा जिसकी तुम चर्चा कर रहे हो। शायद एक दिन मुझे इस युद्ध और शान्ति के भयानक प्रश्न पर अपनी राय देनी होगी। शायद टैक्सास के प्रश्न पर मैक्सिको से युद्ध हो सकता है या ओरेगन को लेकर इग्लैड से युद्ध हो सकता है या ओहियो नदी के उस पार अपने ही लोगो से भी युद्ध हो सकता है। किधर राय दू यह निश्चय करने के लिए मैं क्या रुख अख्त्यार करूगा ? इन प्रश्नो पर मेरे दल का क्या रुख है ? क्या भूमि के एक टुकडे के लिए या एक नैतिक सिद्धान्त के लिए युद्ध करना या हर कीमत पर युद्ध रोकना। नही जनाब, मेरे लिए तो निर्वाचक मण्डल मे ही जगह है। जहां मुझे केवल राष्ट्रपति के लिए राय देनी है जिसे चार महीने पहले सब चुन चुके हैं।

ग्रीलिग — अच्छा, अच्छा एब ! तुम हमेशा अपने पक्ष मे दलीले दे सकते हो और हो सकता है तुम अन्त तक जीतते चले जाओ और अपने भीतर की उस धीमी आवाज को न सुनो, जो तुम्हे तुम्हारा कर्त्तव्य सुझा रही है ?

(निनियन एडवर्ड्स का प्रवेश। वह पहले से भी अच्छे वस्त्र पहने हुए है।)

एव जोश — (एक साथ) हलो निनियन !

निनियन — हलो ! मैं अभी बिली हर्नडन से मिला था। उसने बताया कि तुम लौट आए हो। (वोलिंग को देखता है) अरे यह तो मेरे प्रिय मित्र मिस्टर ग्रीन है। कैसे हो ? स्प्रिंग फील्ड मे आपका स्वागत।

बोलिंग — (हाथ मिलाता है) धन्यवाद मिस्टर एडवर्ड्स।

निनियन — एव मैं तो यह कहने आया था कि आज तुम्हे शाम का भोजन हमारे साथ करना है और मिस्टर ग्रीन श्रीमती एडवर्ड्स आपका स्वागत करके गौरवान्वित होगी, अगर आप आ सके। और जोश तुम भी।

जोश — बहुत खुशी होगी।

निनियन — मेरी पत्नी की बहन मिस मेरी टॉड कैन्टकी से अभी मिलने आई है। वह बहुत ही जिन्दादिल है। फ्रैंच इस प्रकार बोलती है मानो फ्रासीसी हो। जोर जोर से कविता पढती है। मैने स्टीव, डगलस और दूसरे कुछ युवको से उससे भेट करने को कहा है। इसलिए दोस्तो, अच्छा हो तुम जल्दी आ जाओ।

बोलिंग —मिसेज एडवर्ड्स को नमस्कार कहना। अभी तो मेरी बीवी राह देख रही होगी।

निनियन —मै समझता हूँ । एब, तुम तो आओगे ?

एब —कोई ताज्जुब नही ।

निनियन —ठीक है । तुम एक खुशमिजाज नवयुवती से मिलोगे । मै तुम्हे चेतावनी दे दूं कि वह पति की तलाश मे है । इसलिए सावधान रहना, कही तुम्हे अपनी स्वतन्त्रता से हाथ न धोना पड़े ।

एब —इस चेतावनी के लिए धन्यवाद ।

निनियन —(ग्रीन से) नमस्कार श्रीमान् । जोश, मैं तुमसे बाद मे मिलूँगा । (चला जाता है)

एब —देखा बोलिंग मेरी स्थिति क्या है ? रोज ही मुझे एक सुन्दर, सुशिक्षित और विवाह के लिये उत्सुक नवयुवती से मिलने के लिए आमन्त्रित किया जाता है ।

बोलिंग —खेद है एब, मैं तुम्हे फ्रेंच मे प्रेम प्रदर्शित करते हुए नही सुन सकूगा ।

एब —बोलिंग ! मै जितना अपने को मूर्ख बना सकता हूँ उससे अधिक तुम्हे नही बना सकता । तुम्हे भी नही, जोश । मै ऐसा करने की कोशिश भी नही करता । जानता हूँ कि तुम मेरे बारे मे क्या सोच रहे हो । मै भी वही सोचता हूँ लेकिन मै अपने अपराधो को उतनी आसानी से क्षमा नही कर सकता जितनी आसानी से तुम कर सकते हो । तुम अभी गृह युद्ध की बात कह रहे थे । मेरे अपने भीतर सदा ही ऐसा गृह युद्ध चलता

रहता है। दोनो पक्ष ठीक है, दोनो पक्ष गलत है, दोनो पक्षो की शक्ति समान है। मैं इस सघर्ष से ऊपर उठना चाहता हूँ। लेकिन जैसा कि बाइविल मे कहा है—'जिस घर मे स्वय ही फूट हो वह टिक नही सकता।' इसलिए मेरा ख्याल है कि मेरे लिये भी अधिक आशा नही है। किसी दिन मै बीच मे ही डूब जाऊँगा। दोनो पक्ष इस अलहदगी पर खुश होगे। कुछ भी हो, आओ (अपना हैट उठा लेता है) तुम्हे नैन्सी के पास वापस जाना है और जोश तथा मुझे कैन्टकी की मिस मेरी टॉड पर अच्छा प्रभाव डालना है। (दोनो को दरवाजे की ओर जाने का इशारा करता है और जैसे ही पर्दा गिरने लगता है वह भी पीछे-पीछे जाता है।)

चौथा दृश्य समाप्त

पाँचवां दृश्य

(लगभग ६ महीने बाद नवम्बर की एक शाम। स्प्रिंग फील्ड में एडवर्ड्स परिवार के घर का एक कमरा। दाईं ओर एक अँगीठी है। बाईं ओर एक खिड़की जिस पर पर्दा पड़ा है। पीछे की ओर एक दरवाजा है जो सामने के हाल में खुलता है। कमरा खूब सजा हुआ है। अँगीठी के पास आरामदेह कुर्सियां एक कोच, और पीछे की ओर एक मेज और कुर्सियां हैं। दीवारों पर परिवार के चित्र हैं। निनियन अपनी पत्नी एलिजबेथ के साथ बातें करता हुआ अंगीठी के सामने खड़ा है। एलिजबेथ आडम्बर-प्रिय महिला है। कह सकते हैं कि जरूरत से ज्यादा आडम्बर-प्रिय। इस समय वह कुछ उत्तेजित है।)

एलिजबेथ—मैं नहीं मान सकती। मेरी बहन इतनी नासमझ नहीं है।

निनियन—इसका यह मतलब तो नहीं कि वह नासमझ है। क्यों। मेरी एब को कई महीने से जानती है और उसे पहचानने का काफी अवसर उसे मिला है।

एलिजबेथ—वह बहुत बार हमारा मेहमान रहा है। लेकिन मेरी उससे कहीं अधिक ध्यान एडविन बेब, स्टीफन डगलस और दूसरे उन व्यक्तियों की ओर देती रही है, जो उसके पति होने के योग्य है।

निनियन—शायद, वह एब की योग्यता को तुमसे अधिक पहचानती है।

एलिजबेथ—नामुमकिन। मिस्टर लिकन का सबसे वडा गुण यही है कि वह सीधासादा व्यक्ति अपना कुछ भी किसी से नही छिपाता। यह सच है कि वह बहुत ही खुश मिजाज है लेकिन एक पढी लिखी, महत्वाकाक्षिणी नवयुवति के पति के रूप मे ।

निनियन—यही तो एलिजवेथ, मेरी महत्वाकाक्षिणी है इसलिए वह उससे शादी करने का निश्चय कर चुकी है।

एलिजबेथ—(तीखी नजर से देखती है। फिर हँसती है) तुम मजाक कर रहे हो, निनियन।

निनियन—नही एलिजवेथ। मै तो केवल तुम्हे एक सदमे के लिए तैयार करने की कोशिश कर रहा हूँ। तुम समझती हो कि एव लिकन, अँग्रेज भद्रपुरुप के कुल की एक सुन्दर और चतुर लडकी को जो कैन्टकी के वैंक के प्रधान की वेटी है, ऐसे सुन्दर उपहार को पाकर प्रसन्न होगा, तो मै कह सकता हूँ कि तुम गलती पर हो। (मेरी टाड का प्रवेश। आयु २२ वर्प। नाटी, सुन्दर और तेज। दरवाजे मे रुकती है और शीघ्रता से पहले एलिजवेथ और फिर निनियन को देखती है।)

मेरी—तुम दोनो क्या वाते कर रहे हो ?

निनियन —मै तुम्हारी बहन को उस नए गीत के बारे बता रहा हूँ जो लडके गाया करते है। क्या तुम सुनोगी ?

मेरी—(तीखी मुस्कान) तुम बात बनाने मे बहुत चतुर हो निनियन, लेकिन तुम मेरे बारे मे बाते कर रहे थे। (एलिजबेथ की ओर देखती है। वह दृष्टि झुका लेती है।) क्यो ? कर रहे थे ना ?

एलिजबेथ —हा, हा, हम कर रहे थे। मेरी सच-सच बताओ क्या तुम क्या तुमने एब लिकन से शादी करने के बारे मे एक क्षण के लिए भी गम्भीरता से सोचा है ? (मेरी दोनो को देखती है। उसकी आंखे चमकती है।) मै कभी यकीन नही कर सकती। और

मेरी —लेकिन निनियन ने यह भद्दा सवाल उठाया है। क्यो, नही उठाया। और हमे इसका तुरन्त जवाब देना चाहिए। हा, एलिजबेथ तुम जिस बात का जिक्र कर रही हो, उस पर मैंने काफी सोचा है और मैंने निश्चय कर लिया है कि मै लिकन की पत्नी बनूगी। (बैठ जाती है निनियन कहने को होता है–देखा मैंने कहा था न। लेकिन कहता नही। क्षण भर के लिए एलिजबेथ बोल नही पाती।)

एलिजबेथ —क्या तुम आशा करती हो कि तुम्हारे इस चौका देने वाले चुनाव के लिए मैं तुम्हारी प्रशसा करूगी।

मेरी—नही, मैं न प्रशसा चाहती हूँ न निन्दा।

एलिजबेथ—(मुड़ कर) तब मै कुछ नही कहूगी।

निनियन—क्षमा करना मेरी। क्या उन महाशय को तुम्हारे निश्चय का पता है।

मेरी—(निनियन की ओर तनिक मुस्करा कर) अभी नही। लेकिन वे शाम को मिलने आ रहे है तब वह विनम्रता के साथ मुझसे शादी का प्रस्ताव करेगे और मैं चकित होने का नाटक करने के बाद फुसफुसा कर कहूगी—हां।

एलिजबेथ—(करुणा के साथ) तुम मजाक उडा रही हो लेकिन मुझे इस बात से सख्त सदमा पहुँचा है। समझ मे नही आता क्या कहू। लेकिन मै तेरी बहन हू, पिताजी और स्वर्गीया माताजी के प्रति तेरी सुख सुविधा के लिए जिम्मेदार हूँ। इसी नाते मै तुझसे अनुरोध करती हू, प्रार्थना करती हू ··

मेरी—मैं सच कहती हूँ एलिजबेथ, मुझसे प्रार्थना करने या मुझे आदेश देने से कोई लाभ नही। मै निश्चय कर चुकी हूं।

निनियन—मै तुम्हारे साहस की प्रशसा करता हूँ मेरी, लेकिन चाहूगा कि

एलिजबेथ—मेरे विचार मे यह मेरे और मेरी बहन के बीच का मामला है।

मेरी—नही। मै निनियन की राय जानना चाहती हूँ।

(निनियन से) क्या बात है ?

निनियन —मै तुमसे झगडा नही करूगा प्रिये। एव के लिए मेरे मन मे जो स्नेह है वह कभी नही मिट सकता। लेकिन मै यह जानने को उत्सुक हूँ कि उसमे ऐसी क्या वात है, जो तुम उसे अपना पति वनाना चाहती हो।

मेरी —(पहली वार अनिश्चय का भाव प्रगट करती है) निनियन, मै तुम्हे सीधा और साफ जवाव देना चाहूगी पर दे नही सकती।

एलिजबेथ —(एकदम) वेशक ! तुम ऐसा नही कर सकती। तुम बिना सोचे समझे फैसला करने को उतावली हो उठी हो। तुम नही जानती कि तुम्हारी आने वाली जिन्दगी पर इसका क्या असर होगा।

मेरी —एलिजबेथ, तुम गलती पर हो। यह किसी मूर्खतापूर्ण वासना का परिणाम नही है। मै मिस्टर लिंकन को किसी नावल या किसी कविता के हीरो की तरह पसन्द नही करती। मै तो केवल यही अनुभव करती हूँ कि अपने तमाम परिचित लोगो मे से मैं सवसे अधिक उन्ही के भविष्य मे भागीदार होना चाहती हूँ।

एलिजवेथ —क्या तुम इतना भी नही समझती कि तुम उसके साथ कभी भी सुखी नही रह सकोगी। उसका कुल उसकी आदते ..उसका दृष्टिकोण... ..

मेरी — आम तौर पर सुखी-विवाहित जीवन से जो कुछ समझा जाता है उससे मै सन्तुष्ट नही हो सकती। मैं आराम और सुरक्षा नही चाहती।

एलिजबेथ — तो क्या उस तरह की जिन्दगी पसन्द करती हो जो तुम्हे उसके साथ वितानी होगी। टूटा फूटा घर, नौकर नही, ऐसी पोशाक तक नही जो भले आदमियो के सामने पहनी जा सके।

मेरी — (स्वर ऊँचा करके) मैने कभी गरीबी नही देखी इसलिए मैं कुछ नही कह सकती। लेकिन जब तक मुझे जोखम उठाने का अवसर मिलता रहता है, जब तक मैं जानती हू कि मैं अपने पति के साथ उस राह पर आगे बढ रही हू जो अज्ञात की ओर जाती है, तब तक मै इस जिन्दगी को उस जिन्दगी से कही बढ कर पसन्द करूगी जिसे मैं पहले से जानती हू।

एलिजबेथ — तुम्हारा क्या ख्याल है कि तुम एब लिंकन जैसे सुस्त आदमी के साथ, जो राह मे बार-बार लतीफे सुनाने को ठहर जाता है, कितनी दूर जा सकोगी।

मेरी — (गुस्से से) अगर मुझ मे उसको चलाने की शक्ति है तो, वे नही रुकेंगे, और मुझ मे वह शक्ति है। मैं जानती हू कि तुम मुझसे क्या आशा करती हो। तुम चाहती हो कि मैं

निनियन जैसे आदमी से शादी करू। ऐसे बहुत से आदमियो को मै जानती हू। मैं निनियन का अनादर नही करती लेकिन मैं उस जैसे आदमी से शादी नही करना चाहती, नही करूगी, कभी नही। तुम ऐसे घर मे रहती हो जिसके चारो ओर वाड़ है। वह वाड साधारण लोगों को तुम्हारे पास आने से रोकने से अधिक, इस वात के लिए है कि कही तुम लोग अपनी जिन्दगी के तग दायरे से बच कर न निकल भागो। अब्राहम लिकन ऐसे आदमी है जिन्होने दूसरो की वाड़ के लिए तो लकडी काटी है लेकिन अपने चारो ओर वे कभी वाड नही खडी करेंगे।

एजिलबेथ -- मेरी तुम क्या कह रही हो। तुम पागल हो।

मेरी -- (गुस्से मे) हा, तुम्हे यह पागलपन ही दिखाई देगा। तुमने एक ऐसे आदमी के साथ शादी की है जिसने दुनिया मे अपने लिए जगह वनाली थी। जिसके पास काफी पैसा था और समस्या कोई नही थी। तुमने अपनी हालत वदलने या सुधारने का कभी कोई प्रयत्न नही किया। तुम्हारा खयाल है कि इससे वेहतर हालत हो ही नही सकती। तुम्हारी दृष्टि मे यह सव परिपूर्णता का लक्षण हे। पर मेरे लिए ऐसा नही है। मैं अपने लिए, अपने पति

के लिए, जिन्दगी को नए साचे मे ढालना चाहती हू, क्या यह पागलपन है ?

परिचारिका — मिस्टर लिकन आए है, मिस मेरी ।

एलिजबेथ — वह यहा है ।

मेरी — मैं उनसे मिलूगी ।

परिचारिका — मिस्टर लिकन पधारिए ।

(एव का प्रवेश) नया सूट पहना है । बालो मे अच्छी तरह कघी की गई है ।)

एव — नमस्कार श्रीमती एडवर्ड्स, नमस्कार कुमारी टॉड, निनियन नमस्कार ।

एलिजबेथ — नमस्कार ।

मेरी — नमस्कार मिस्टर लिकन । (अगीठी के पास कोच पर वैठती है ।)

निनियन — तुमसे मिलकर खुशी हुई एव ।

(एव समझ जाता है कि वातावरण मे तनाव है । लेकिन उस ओर ध्यान न देने की कोशिश करता है ।)

एव — मुझे डर है, आने मे कुछ देर हो गई । लेकिन एक पुराने मित्र से भेंट हो गई । उन जैक आर्मस्ट्रौग की पत्नी से, जो न्यू सेलम मे सवसे अच्छा योद्धा था । निनियन, तुम्हे तो उनकी याद होगी ।

निनियन — (मुस्कराते हुए) वेशक ! अव वह क्या कर रहे हैं ?

एब — (अगीठी के सामने खडा हो जाता है ।) वह तो ठीक है लेकिन उसकी पत्नी हन्ना एक मुसीवत मे फस गई है । उसके लडके डफ पर हत्या के अभियोग मे मुकदमा चल रहा है । वह चाहती है कि मै उसकी पैरवी करू । वैसे वह मुझे दोषी जान पडता है । लेकिन क्या करू पुरानी पहचान है । मुझे उसका मुकदमा हाथ मे लेना ही होगा । और वह सव कुछ करना होगा जिससे न्याय न हो सके ।

निनियन — (हसता है) और लडका छोड दिया जाएगा । एव, मै तुमसे कहता हू कि यदि तुम वकील लोग न रहो तो, देश मे शान्ति हो जाए । लेकिन अगर तुम माफ करो तो मुझे और एलिजवेथ को वच्चो की प्रार्थना सुनने तथा उन्हे सुलाने जाना है ।

एब — मुझे भी उनकी प्रार्थना सुन कर वडी खुशी होगी ।

निनियन — जी नही । तुम तो उन्हे कहानिया सुनाओगे और सोने न दोगे । आओ एलिजवेथ । (एलिजवेथ जाना नही चाहती पर विवश है ।)

एब — (एलिजवेथ से) मेरी ओर से उन्हे प्यार करना और रात की नमस्कार कहना ।

निनियन — ना, ना, अच्छा है कि हम तुम्हारे यहा होने की वात ही उन्हे न वताएँ । नही तो वे सोएँगे नही ।

एलिजबेथ — (अन्तिम प्रयत्न करती है) मेरी, क्या तुम हमारे साथ नही आओगी और बच्चो को सोने से पहले प्यार नही करोगी ?

निनियन — नही प्रिये, मेरी को यही एब के पास रहने दो। (एलिजबेथ को ले जाता है।)

मेरी — (कुछ हस कर) तुम्हे बच्चो के पास नही जाने दिया इसके लिए मैं निनियन को दोष नही दूगी। वे सब तुम्हे बहुत ही प्यार करते है।

एब — हा, मै हमेशा ही बच्चो के साथ खूब निभा लेता हू। शायद इसलिए कि वे मुझे कभी भी गम्भीर आदमी नही मानते।

मेरी — नही, वास्तव मे बात यह है कि तुम उन्हे समझते हो लेकिन मिस्टर लिकन बैठिए न। (अपने बराबर बैठने का इशारा करती है।)

एब — धन्यवाद, बैठता हू। (मेरी के पास बैठने के लिए कोच की ओर बढता है। मेरी उसे तरल नेत्रो से देखती है।)

पाँचवां दृश्य समाप्त

छठा दृश्य

(फिर वकील के दफ्तर मे। पाँचवे दृश्य के कुछ सप्ताह बाद नए साल की तीसरी पहर। एब अपनी कुर्सी पर झुका हुआ बैठा है और डैस्क की ओर ताक रहा है। हैट और ओवरकोट पहने हुए है। जोश स्पीड मेज पर आधा बैठा हुआ है। वह एक पत्र बडे ध्यान से पढ रहा है। पढना समाप्त करके वह सावधानी से उसकी तह करता है और फिर फर्श की ओर ताकता है।)

एब — पढ लिया जोश।

जोश — हा एब।

एब — तो तुम्हारा क्या खयाल है, ठीक है।

जोश — नही एब, मै ऐसा नही समझता।
(एब धीरे से मुडता है और उसकी ओर देखता है।)
मेरे विचार मे इस पत्र को भेजना ठीक नही होगा।

एब — क्या मैने अपनी बात ठीक ढग से नही कही है?
(एब निश्चय ही अप्रसन्न है लेकिन तटस्थ भाव से बोलने का प्रयत्न करता है।)

जोश — मुझे तुम्हारे शब्दो के चुनाव पर कोई आपत्ति नही, वे तो जरूरत से ज्यादा ठीक है। लेकिन तुम्हारे कहने का तरीका, उसमे कोई भावना नही। वह एकदम तुम्हारे अनुरूप नही है। मैं नही समझता कि ऐसा करने की बात तुम्हारे मन मे आई कैसे।

एब – मैने पहले भी एक स्त्री के साथ ऐसा ही किया था। मैं उसका बडा प्रशसक था और उसने मेरे काम को पसन्द किया।

जोश – यह दूसरी तरह की महिला है। (वह खिडकी के पास जाता है फिर एव की ओर मुडता है।) शायद तुम इस वात को स्वीकार नही करते कि नारिया भी मानव है और हमारी तरह वे भी नाना प्रकार की हो सकती है। तुमने जिस नारी को यह पत्र लिखा है वह केवल तुम्हारे मस्तिप्क मे रहती है। वास्तव मे तुमने यह पत्र मेरी टॉड को नही लिखा, अपने आप को लिखा है। इसकी प्रत्येक लाइन मे तुम अपने से ही क्षमा मागते दिखाई देते हो।

एव – (उठते हुए नि शक भाव से) तो क्या मै समझू कि तुम मेरी ओर से इस पत्र को देने नही जाओगे ?

जोश – नही, मैं नही जाऊँगा।

एव – (क्रोध मे) तब कोई और जाएगा।

जोश – (कटुता से) हा, तुम इसे पादरी साहव को दे सकते हो। जिस समय वारात गिरजाघर पहुँचेगी उस समय वह इस पत्र को वधु को दे देगे। लेकिन मैं आशा करता हूँ एव, तुम इसे तव तक नही भेजोगे जव तक तुम्हारा मन शान्त नही हो जाता।

एव – (क्रोध मे जोश की ओर मुड कर) लेकिन जव तक इस वात का फैसला नही हो जाता तव तक

मेरा मन कैसे शान्त हो सकता है। क्या तुम्हारे आँखे नही है। क्या तुम देख नही रहे कि मै कितना परेशान हूँ।

जोश — यह सब मै साफ देख रहा हूँ, एब। मेरे खयाल में तुम्हारी स्थिति उससे भी खराव है जैसी कि तुम कल्पना करते हो। मेरा विश्वास है कि तुम्हे अच्छे डाक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

एब — (विली की टेवल पर बैठता है) मेरी मुसीवत का इलाज कोई डाक्टर नही कर सकता।

जोश — डाक्टर ड्रेक नाम का एक डाक्टर है जो तुम्हारे जैसी मानसिक अवस्था वाले व्यक्तियो का इलाज करने मे दक्ष है।

एब — (दुखी होकर) तो तुम्हारा यह विचार है। मैंने वही किया है जो करने के लिए मैंने बहुत बार कहा। मै पागल हो गया हूँ। खैर, तुम ठीक हो। मै अनुभव करता हूँ कि मैं रस्से पर टँगा हुआ हूँ और मुझे उसे छोड कर कूद पडना चाहिए। लेकिन मै कहाँ जा पड़ूगा, यह मैं नही जानता। और मैं वचूगा भी या नही, यह भी मै नही जानता। लेकिन यह अवश्य जानता हूँ कि मुझ इस स्थिति से मुक्ति पानी है, मुझे स्वतन्त्र होना है। (जोश खिडकी की ओर मुडता है। अचानक फिर एब की ओर मुडता है।)

जोश — निनियन एडवर्ड्स आ रहे है। क्यो न यह पत्र उनको दिखाया जाय और उनकी राय पूछी जाय।

एव — (टोकते हुए) नही, नही, इस बारे मे उनसे एक शब्द भी न कहना। इस पत्र को रख दो। इस समय मैं इस बात पर उनसे चर्चा नही कर सकता। (जोश पत्र को जेब मे रखता है और कोच की ओर आता है।)

जोश — हलो निनियन।

निनियन — (बाहर से ही पुकारता हुआ) हलो जोश, नया साल मुबारक। (निनियन का प्रवेश। उसने फर वाला ओवरकोट पहना है और चादी की मूठ वाली दो बेत लिए हुए है। एक थैली मे है। उसे वह मेज पर रख देता है।) नया साल मुबारक एब। वास्तव मे तुम्हारे जीवन का यह सबसे सुखद वर्ष है।

एब — धन्यवाद निनियन। तुम्हे भी नया साल मुबारक।

निनियन — (अपना कोट खोलते हुए) यह तो ऐसा नही लगता कि तुम मन से कह रहे हो। (अँगीठी के पास हाथ गर्म करने जाता है।) लेकिन खैर आज तुम्हे माफ किया जा सकता है। मेरा ख्याल है कि आज तुम कुछ घबराए हुए हो। (हँसता है और जोश की ओर देखता है।) हे भगवान यह तो सब ठडा है। क्या तुम स्टोव कभी नहीं जलाते?

एब — आग जलाने का प्रबन्ध है, चाहो तो जला लो।

निनियन — (दियासलाई जला कर) आज तुम कुछ खुश नजर नही आ रहे हो । (अँगीठी जलाता है ।)

जोश — एव की तबीयत ठीक नही है ।

निनियन — ऐसा ही मालूम होता है । ऐसा लगता है जैसे श्मशान से लौटे हो ।

एव — मै वही तो गया था ।

निनियन — (अविश्वास से) क्या ! शादी के दिन मृत्यु-सस्कार ।

जोश — आज सवेरे एव के सबसे पुराने मित्र बोलिग ग्रीन को दफनाया गया है ।

निनियन — (दुखी होकर) ओह, मुझे बहुत खेद है, एव । और मुझे आशा है कि इस अज्ञान के लिए तुम मुझे क्षमा कर दोगे ।

एव — निश्चय ही निनियन । (सर्वत्र मौन ।)

निनियन — अच्छा, एव मेरा खयाल है कि बोलिग स्वय सबसे पहले व्यक्ति होते जो, आज तुम्हे, अपनी और मेरी की प्रसन्नता के लिए, इस दुख को भूल जाने को कहते । मुझे इस बात का बहुत दुख है कि हमारे वह प्यारे मित्र दो भले व्यक्तियो की शादी देखने के लिए जीवित नही रहे । (वह शादी की तैयारी मे प्रसन्नता का वातावरण बनाने की कोशिश करता है ।) मैंने पादरी साहब के साथ सब प्रबन्ध कर लिया है । और एलिजबेथ सुन्दर भोज का प्रबन्ध कर रही है इसलिए तुम विश्वास कर सकते

हो कि सारा कार्यक्रम शानदार होगा और तुम्हे किसी प्रकार का कष्ट नही होगा।

(विली हर्नडन का प्रवेश। शराब पिए हुए है और एक बोतल जेब मे है।) ओह, विली ! नया वर्ष शुभ हो।

विली — आपको भी मिस्टर एडवर्ड्स। (बोतल मेज पर रख देता है और अपना कोट उतारता है।)

निनियन — एब, मै तुम्हारे लिए शादी का एक तोहफा लाया हूँ। जहाँ से मैंने अपना लिया था उसी लुईसविले से यह लाया हूँ। (एक बेंत उठा लेता है और गर्व के साथ एब को देता है। जो उसे लेकर बडे ध्यान से देखता है।)

एब — निनियन, यह बहुत सुन्दर है। और इसके लिए धन्यवाद देता हूँ। (छडी लेकर डेस्क पर जाता है और बैठ जाता है।)

निनियन — मेरी चाहती है कि हमारा व्यक्तित्व प्रभावशाली हो। मैं स्वीकार करूँगा कि तुम्हारे लिए इसे लेते समय मैं मेरी की इसी इच्छा से प्रभावित था। और व्यक्तित्व के बारे मे मुझे क्षमा करना, जाग और तुम भी बिली अगर मैं कुछ व्यक्तिगत बात कहूं तो।

बिली — (लड़ने के लिए तैयार) अगर तुम चाहते हो कि मैं चला जाऊँ, तो मैं चला जाऊँगा।

निनियन — नहीं बिली, मै तो केवल एब के दूसरे मित्रो की

तरह एक-दो बाते कहना चाहता हूँ। शादी से पहले मेरा यह अन्तिम अवसर है। निश्चय ही इस बात से कि वधु मेरे परिवार की है, मेरा उत्तरदायित्व बढ जाता है। (वह एव की ओर जाता है।) मैं इस विवाह को सफल देखना चाहता हूँ। और यह सफल होगा अगर तुम एक बात याद रखो कि तुम्हे सख्ती के साथ मेरी पर शासन करना है। मेरी पत्नी बताती है कि बचपन मे भी उसके ऐसे ही शानदार विचार थे। उसने यह एलान कर दिया था कि मैं जिस व्यक्ति से शादी करूँगी वह अमेरिका का राष्ट्रपति होगा। (जोश की ओर मुड कर) तुम जानते हो इसका क्या अर्थ है। हर लडका देश का राष्ट्रपति बनने की इच्छा करता है और हर लडकी उससे शादी करने की। (फिर एब की ओर मुड़ कर) लेकिन मेरी ने उन अल्हड विचारो को भुला नही दिया है। इसलिए मैं तुमसे कहता हूँ कि सावधान रहना। उसे यह अवसर न देना कि वह तुम्हे महान और असम्भव काम करने की योजना बनाने को विवश कर दे। उसे उसी जीवन से सन्तुष्ट रहना सीखना चाहिए जो भगवान ने उसे दिया है। और इसके साथ ही मैं अपनी शादी की नसीहत समाप्त करूँगा। (अपने कोट के बटन लगाता है।) मैं आप सबको ५ बजे घर पर मिलूगा। और आप से यह चाहता हूँ कि

आप अवश्य ही इस वात का ध्यान रखे कि एव सुन्दर दिखाई दे। ऐसा कि जैसा पहले कभी दिखाई नही दिया।

जोश — नमस्कार निनियन। (निनियन चला जाता है। एव डेस्क की ओर मुडता है और शून्य मे ताकता है। विली डेस्क मे से एक वोतल और एक प्याला निकालता है और उसमे शराव डाल कर एव की ओर प्याले को उठाता है।)

विली — मिस्टर लिकन ! आपके तथा उस महिला के स्वास्थ्य की कामनास्वरूप जो आपकी पत्नी होगी, मैं यह जाम पीता हू। (एव कोई जवाव नही देता। विली पीता है और प्याले को वापस मेज पर रख देता है।) मैं यह स्वीकार करूगा कि जो कदम तुम उठाने जा रहे हो उसे मैंने पसन्द नही किया। मैं सोचता था कि तुम अपने को छोटा वना रहे हो। एक वडे और शक्तिशाली परिवार से सम्वन्ध जोडने के लिए तुम अपनी प्रतिष्ठा का सौदा कर रहे हो। मुझे दुख है कि मैंने ऐसा सोचा।

एव — तुम्हे दुखी नही होना चाहिए विली।

विली — मुझे डर है कि मिस टॉड और मैं कभी दोस्त नही हो सकेगे। लेकिन अव मै सोचता हू कि हम दोनो के उद्देश्य एक ही हैं, विशेषकर जव से मैंने मिस्टर एडवर्ड्‌स को तुम्हे चेतावनी देते हुए सुना।

(उसके स्वर मे कड़ुवाहट है) अगर वह स्त्री ही तुम्हे आगे बढते देखना चाहती है और अगर वह तुम्हे आगे ले जाने से कभी नही रुकेगी तो, मैं कहना चाहूँगा कि भगवान उस पर कृपा करे और उसको वह शक्ति दे।

(जब वह यह सब कह रहा है। एब की पीठ उसकी ओर है। बिली प्याले मे शराब उँडेलता है। बोतल लगभग खाली हो जाती है। एब उसकी ओर मुडता है।)

एब — क्या आज तुम यह तमाम बोतल पी गए।

बिली — यह बोतल! हा पी गया।

जोश — पीते क्यो नही। आज नए साल का दिन जो है।

बिली — (जोश की ओर देखते हुए) धन्यवाद मिस्टर स्पीड, मेरी रक्षा करने के लिए धन्यवाद। मैं आशा करता हूँ कि आप मुझे अपनी एक और इच्छा प्रगट करने की आज्ञा देगे। (एब की ओर एक कदम आगे बढता है) अमरीका के राष्ट्रपति और श्रीमती लिंकन के लिए (पीता है।)

एब — (कटुता से) बिली! बहुत हुआ हमे अब और इससे अधिक नही चाहिए।

बिली — बहुत अच्छा। विवाह सस्कार की समाप्ति तक यह आखिरी प्याला है। और उसके बाद निश्चय ही एडवर्ड्स-परिवार इससे अच्छी और कीमती शराब पेश करेगा। (बोतल को हिलाता है।)

आप अवश्य ही इस बात का ध्यान रखे कि एब सुन्दर दिखाई दे। ऐसा कि जैसा पहले कभी दिखाई नही दिया।

जोश — नमस्कार निनियन। (निनियन चला जाता है। एब डैस्क की ओर मुडता है और शून्य मे ताकता है। विली डेस्क मे से एक बोतल और एक प्याला निकालता है और उसमे शराब डाल कर एब की ओर प्याले को उठाता है।)

विली — मिस्टर लिकन! आपके तथा उस महिला के स्वास्थ्य की कामनास्वरूप जो आपकी पत्नी होगी, मैं यह जाम पीता हू। (एब कोई जवाब नही देता। विली पीता है और प्याले को वापस मेज पर रख देता है।) मैं यह स्वीकार करुगा कि जो कदम तुम उठाने जा रहे हो उसे मैंने पसन्द नही किया। मैं सोचता था कि तुम अपने को छोटा बना रहे हो। एक बडे और शक्तिशाली परिवार से सम्बन्ध जोडने के लिए तुम अपनी प्रतिष्ठा का सौदा कर रहे हो। मुझे दुख है कि मैंने ऐसा सोचा।

एब — तुम्हे दुखी नही होना चाहिए विली।

विली — मुझे डर है कि मिस टॉड और मै कभी दोस्त नही हो सकेगे। लेकिन अब मै सोचता हू कि हम दोनो के उद्देश्य एक ही है, विशेषकर जब से मैंने मिस्टर एडवर्ड्स को तुम्हे चेतावनी देते हुए सुना।

(उसके स्वर मे कड़ुवाहट है) अगर वह स्त्री ही तुम्हे आगे वढते देखना चाहती है और अगर वह तुम्हे आगे ले जाने से कभी नही रुकेगी तो, मै कहना चाहूँगा कि भगवान उस पर कृपा करे और उसको वह शक्ति दे।

(जव वह यह सव कह रहा है। एव की पीठ उसकी ओर है। विली प्याले मे शराव उँडेलता है। वोतल लगभग खाली हो जाती है। एव उसकी ओर मुडता है।)

एव — क्या आज तुम यह तमाम वोतल पी गए।

विली — यह वोतल ! हा पी गया।

जोश — पीते क्यो नही। आज नए साल का दिन जो है।

विली — (जोश की ओर देखते हुए) धन्यवाद मिस्टर स्पीड, मेरी रक्षा करने के लिए धन्यवाद। मै आशा करता हूँ कि आप मुझे अपनी एक और इच्छा प्रगट करने की आज्ञा देंगे। (एव की ओर एक कदम आगे वढता है) अमरीका के राष्ट्रपति और श्रीमती लिंकन के लिए (पीता है।)

एव — (कटुता से) विली ! वहुत हुआ हमे अव और इससे अधिक नही चाहिए।

विली — वहुत अच्छा। विवाह सस्कार की समाप्ति तक यह आखिरी प्याला है। और उसके वाद निश्चय ही एडवर्ड्स-परिवार इससे अच्छी और कीमती शराव पेश करेगा। (वोतल को हिलाता है।)

चिन्ता मत करो, बडे लोगो की उस पार्टी मे मैं अच्छा वर्ताव करूँगा।

एब — यह शादी नही हो रही है। (बिली उसकी ओर ताकता है फिर जोश की ओर देखता है। फिर एब की ओर देखता है।) मेरे पास एक चिट्ठी है। मैं चाहता हूँ कि तुम उसे मिस टॉड को दे आओ।

बिली — कैसी चिट्ठी ? क्या है उसमें ?

एब — जोश, वह चिट्ठी इसे दे दो। (जोश जेब से वह पत्र निकाल कर अँगीठी मे डाल देता है। एब उसकी ओर झपटता है।) तुम्हे ऐसा करने का कोई अधिकार नही।

जोश — जानता हूँ कि मुझे अधिकार नही है लेकिन वह तो हो चुका।

(एब जोश की ओर दृष्टि गडाए हुए है)

मेरी ओर इस तरह न देखो जैसे मेरी गर्दन मरोडने की सोच रहे हो। बेशक तुम ऐसा कर सकते हो। लेकिन करोगे नही। (जोश बिली की ओर मुडता है) इस पत्र मे मिस्टर लिंकन ने मिस टॉड से मुक्ति चाही थी। उसने मिस टॉड को लिखा कि उसने उसके प्रति अपना स्नेह प्रकट करके गलती की और उससे शादी करने का अर्थ होगा दोनो के लिए पीडा और कष्ट।

एब — (बहुत दुखी है) अगर यह सत्य नही है तो और क्या है ?

जोश — मै सत्य पर वाद-विवाद नही कर रहा। मै तो केवल यही कहना चाहता हूँ कि तुम एक पुरुष की तरह उसके सामने जाकर यही कह दो।

एब — यह तो और भी निर्दयता होगी। इससे उसे और भी अधिक कष्ट होगा। क्योकि तब मैं वे सब भयकर बाते जो इस पत्र मे नही कह सका, कहे बिना न रह सकूगा। (भावना के साथ) मुझे उसे यह बताना होगा कि उसमे दूसरो को हाँकने की जो यह प्रवृत्ति है उससे मै नफरत करता हूँ। मै नही चाहता कि कोई मुझ पर सवारी करे और मुझे आगे ही आगे, ऊपर ही ऊपर दौडता हुआ और कोडे लगाता हुआ चले। अगर वह इतनी महत्वाकाक्षिणी है तो उसे स्टीफन डगलस से शादी करनी चाहिए। उसे भी इसी वस्तु की भूख है। मै तो केवल अकेला रहना चाहता हूँ (बैठ जाता है और मेज पर झुक जाता है।)

जोश — (कटुता से) बहुत अच्छा। अब यह सब उससे कह दो। उसके सामने यह स्वीकार करना कि तुम उससे डरते हो अधिक पुरुषोचित होगा। बनिस्बत इसके कि तुम उसे पत्र मे लिखो, कि तुम्हारे मन मे उसके लिए जो उत्कट इच्छा थी वह अब ठडी पड गई है। (बिली अपने बोलने की राह देख रहा है। एक क्षण के मौन के बाद उसे यह अवसर मिलता है।)

विली — क्या मैं कुछ कह सकता हूँ ?

एब — मुझे इस बात मे शका है कि तुम इस बात-चीत मे योग देने की स्थिति मे हो।

जोश — क्या बात है विली।

विली — (तैश मे) बात यह है मिस्टर लिंकन कि तुम मिस मेरी टॉड के साथ विश्वासघात नही कर रहे हो। तुम तो केवल देवताओ को एक जीवित भेंट के रूप मे उसका इस्तेमाल कर रहे हो। इस आशा के साथ कि अपना कर्त्तव्य पालन न करने के लिए तुम्हे क्षमा मिल जाएगी।

लिंकन — (जलता हुआ) हाँ, मेरा अपना महान कर्त्तव्य। हरेक व्यक्ति यह अनुभव करता है कि वह मुझे अवश्य इसकी याद दिलाए। लेकिन यह कोई नही बताता कि वह है क्या।

विली — (लगभग रोते हुए) मैं बता सकता हूँ कि उस प्रत्येक व्यक्ति के जो अपने को अमरीकी कहता है, क्या कर्त्तव्य है। वे है उन सत्यो को जीवित रखना जो कभी स्वत. सिद्ध समझे जाते थे कि तमाम मनुष्य समान बनाए गए हैं, कि उनके अधिकार को उनसे छीना नही जा सकता, कि उन्हे जीने का, स्वतत्र रहने का, और स्वतत्रता प्राप्त करने का अधिकार भी है।

एब — (गुस्से मे) क्या ये सब अधिकार मुझे नही मिले हैं।

विली — क्या तुम कभी उन अधिकारो का प्रयोग कर सकते हो जब कि तुम जानते हो कि इस देश मे तुम्हारे बीस लाख साथी गुलाम है। क्या तुम अपने डैस्क पर लगे हुए नक्शे को देख कर सन्तुष्ट रह सकते हो जबकि तुम जानते हो कि इन सितारो मे से दस सितारे उन राज्यो के है जो सघ को नष्ट करने के लिए प्रस्तुत है। लेकिन रक्त मास के उन दासो को सम्पत्ति का अधिकार नही देगे। और भविष्य मे होने वाले राज्यो के बारे मे क्या कहा जा सकता है। प्रशान्त सागर की ओर पश्चिम के तमाम भू-भाग ! क्या वे स्वतन्त्र व्यक्तियो के प्रदेश होगे ? मिस्टर लिंकन, क्या तुम इस प्रश्न के उत्तर से सन्तुष्ट हो। यह तुम्हारा झण्डा है मिस्टर लिंकन और तुम्हे इस पर गर्व है लेकिन तुम इसे टुकडे टुकडे हो जाने से बचाने के लिए क्या कर रहे हो ?

एब — (खडा हो जाता है। विली की ओर देखता है और आवेग के साथ बोलता है।) मुझे अपने काम से काम है, यही मै कर रहा हूँ। अगर दूसरे लोग भी ऐसा ही करे तो, सघ को कोई खतरा नही है और जहाँ तक दासता का सम्बन्ध है मैं उसके बारे मे ये पवित्र बाते सुनता-सुनता परेशान हो गया। जब तुम्हे कानून का अधिक ज्ञान हो जाएगा तो तुम यह बात जान लोगे कि सविधान

स्वय सम्पत्ति के वे अधिकार, जिनकी तुम चर्चा कर रहे हो, देता है। और अगर सघ सविधान के आधार पर खडा नही रह सकता तो, वह नष्ट हो जाय।

बिली —सविधान का नाश हो। यह जो जीवित व्यक्तियो के लिए स्वतन्त्रता के अधिकार का प्रश्न है और उनके अधिकार का प्रश्न है जो सविधान से पहले थे। जब कानून उन्हे यह अधिकार नही देता तो कानून गलत है। और उसे बदल देना चाहिए। अगर वह नैतिक प्रतिरोध से नही बदला जाता तो शक्ति से बदल देना चाहिए। स्वतन्त्रता के लिए जो कुछ भी किया जाए ठीक है। मुझे यह बताने का साहस मत करो कि इस दुनिया मे कोई व्यक्ति इस बात को तुमसे अधिक जानता है। तुम तो 'एलिजा लव जॉय' और उस प्रत्येक व्यक्ति, की जिसने इन सिद्धान्तो के लिए प्राण दिए है, स्मृति का सम्मान करते हो।

एव —(उसकी ओर से मुह फेरते हुए) हॉ मैं उनका आदर करता हूँ। क्योकि वे यह विश्वास कर सके कि उनके सिद्धान्त प्राण देने योग्य हैं। (जोश की ओर मुड़ता है और दर्द भरे स्वर मे बोलता है) बहुत अच्छा जोश। मैं मेरी के पास जाऊगा और उससे बाते करूगा और फिर मैं जा रहा हूँ।

जोश —कहाँ एव ?

एव —(शिथिल होकर) मै नही जानता। (चला जाता है और दरवाजा बन्द कर देता है। बिली रुकता है और फिर दरवाजे की ओर लपकता है, उसे खोलता है और एव को पुकारता है।)

विली —मिस्टर लिकन तुम भाग रहे हो। यह उतना ही सत्य है जितना यह कि स्वर्ग मे भगवान है। वे जानते हैं कि तुम उसके प्रति और अपने देशवासियो के प्रति तथा अपनी आत्मा के प्रति अपने कर्तव्य से भाग रहे हो।

जोश —(विली को दरवाजे से खीचता हुआ।) विली, विली उसे छोड दो वह वीमार है।

विली —(मेज पर वैठते हुए) हम उसके लिए क्या कर सकते है मिस्टर स्पीड। (वह रो रहा है)

जोश —मै कुछ नही जानता, विली। (खिड़की के पास जाता है और वाहर देखता है।) उसकी मानसिक स्थिति ऐसी है कि वह बहुत देर तक बिल्कुल एकान्त मे रहना चाहेगा। एन रटलेज की मृत्यु के वाद उसने ऐसा ही किया था। हम उसके लिए कुछ नही कर सकते विली। उसे स्वय ही सव कुछ करना होगा।

विली —(प्रार्थना के स्वर मे) उस पर भगवान की छाया हो।

छठा दृश्य समाप्त

सातवां दृश्य

(न्यू सेलम के पास, छठे दृश्य के लगभग दो वर्ष बाद एक शीतल सन्ध्या। एक कैम्प फायर के चारो ओर बधे हुए बडल, कम्बल मे बधे हुए बिस्तरे और एक पुराना बक्स। एक टवदार गाडी खडी है जिसके पीछे का भाग दिखाई देता है। सेयगेल अपने सात वर्ष के बच्चे जिम्मी को गोद में लिए खडा है। बच्चा कम्बल में लिपटा है।)

जिम्मी—मै आग के पास नही आना चाहता। मै जल रहा हूँ पिताजी। क्या आप मेरा कम्बल नही उतारेगे।

सेथ—नही बेटा। तुम्हे अपने को ढके रखना चाहिए।

जिम्मी—पिताजी, मुझे पानी चाहिए। क्या कुछ पानी नही मिल सकता।

सेथ—हॉ, चुप रहो जिम्मी, गोवी तुम्हारे लिए पानी ला रहा है। (वह दाहिनी ओर देखता है। जैक आर्मस्ट्रोग आता हुआ दिखाई देता है।) हलो जैक, मुझे डर था कि तुम कही रास्ता न भूल गए हो।

जैक—(अन्दर आता हुआ) न्यू सेलम के आसपास मै कही भी रास्ता नही भूल सकता। बच्चा कैसा है ?

सेथ —वह पानी मागता है। क्या एव तुम्हे मिला ?

जैक —हाँ, उसे ढूँढने मे मुझे समय लग गया क्योकि वह भटक रहा था। वह दरिया के पार, जहाँ एन रटलेज को दफनाया गया था, चला गया था।

सेथ —क्या वह यहा आ रहा है ?

जैक —वह डाक्टर चैंडलर को बुलाने गया है। वह कुछ ही देर मे आ जाएगा (जिमि के पास जाता हे।) जिम्मी कैसे हो ?

जिम्मी —मै जल रहा हूँ।

(एगी का प्रवेश। जैक को देखती है।)

एगी —ओह ! मुझे खुशी है मिस्टर आर्मस्ट्रौंग, आप लौट आए।

जैक —श्रीमती गेल, डाक्टर शीघ्र ही आ रहा है।

एगी —भगवान का शुक्र है। सेथ, उसे गाडी मे ले आओ। उसके लिए मैने एक अच्छा सा नरम विस्तर तैयार कर लिया है।

सेथ —जिम्मी सुनते हो, तुम्हारी मा ने तुम्हारे आराम से लेटने के लिए जगह तैयार कर ली है।

(एगी फिर गाडी मे चली जाती है। सेथ जिम्मी को उसे दे देता है।)

जैक —उसकी हालत और भी खराव हो गई है। है न ?

सेथ —(निराशा से) हाँ, तुम्हारे जाने के वाद बुखार और भी भयानक हो गया। एव के आने पर

राहत मिलेगी। किसी को सान्त्वना देने के लिए वह हमेशा कोई न कोई रास्ता निकाल लेता है।

जैक—८-९ साल से तुम उससे नही मिले। जव मिलोगे तो तुम्हे ताज्जुव होगा। जव से वह स्प्रिंगफील्ड गया है, वहुत वदल गया है। वह वहुत ऊपर उठ गया था लेकिन कुछ दिनो से वह फिर वहुत नीचे उतर आया है। पहले की तरह वह अव खुशदिल नही रहा।

सेथ—मेरा ख्याल है कि हम सभी को वदलना पडेगा। (गोवे के लौटने की आवाज सुनकर वह खडा हो जाता है।) एगी ! (गोवी, एक नीग्रो, पानी की वाल्टी लिए आता है और एगी गाडी से वाहर आती है।) गोवी पानी ले आया !

गोवी—हा, मिस एगी यह लो। (वह उसे पानी दे देता है।)

एगी—धन्यवाद गोवे ! (वह फिर गाडी के अन्दर चली जाती है।)

गोवी—जिमी कैसा है, मिस्टर सेथ ?

सेथ—पहले जैसा ही है।

गोवी—(अपना सिर हिलाते हुए) खाना पकाने के लिए मैं कुछ और पानी ले आऊँ। (दूसरी वाल्टी उठाकर गोवी चला जाता है।)

सेथ—(जैक से) यात्रा के समय वच्चे का वीमार हो जाना बुरी वात है। यहाँ न कोई डाक्टर है और न उसकी देखभाल करने का कोई साधन।

जैक —सेथ, तुम कब से यात्रा कर रहे हो ?

सेथ —तीन महीने से अधिक हो गए। पैनसिलवेनिया के पहाडो मे बडी मुसीबत आई। भयानक वारिश और हरेक नाला उफना हुआ। कह सकता हूँ कि एक से अधिक वार मैने वापस लौट जाने का विचार किया लेकिन जव कोई चल पडता है तो, फिर लौट नही सकता। (वह दाहिनी ओर देख रहा है।) देखो, क्या यह एव आ रहा है ?

जैक —(उठते हुए) हा, यह एव है।

सेथ —(प्रसन्न होकर) ओह भगवान, वने वनाए कपडे और एक ऊँचा हैट। हलो एव !

एव —हलो सेथ ! (वह अन्दर आता है और आत्मीयता से हाथ मिलाता है।) तुमसे फिर मिल कर वहुत खुशी हुई।

सेथ —मुझे भी खुशी हुई, एव।

एव —यह जानकर मुझे वहुत खुशी हुई कि तुम पश्चिम की ओर जा रहे हो। वच्चा कहाँ है ?

सेथ —उधर गाडी मे। (एगी गाडी से वाहर आती है।)

एगी —क्या डाक्टर आ गए ?

सेथ —नहीं एगी। यह वही सज्जन हें जिनके वारे में मैने तुम्हे वताया था। यह मिस्टर एव लिकन है। .. और यह मेरी पत्नी श्रीमती गेल।

एव —आपसे मिलकर मुझे वडी खुशी हुई, श्रीमती गेल।

एगी —आपसे भी मिलकर वडी खुशी हुई, मिस्टर लिकन।

एव —डाक्टर चैडलर घर पर नही थे। पता लगा है कि वह आधी रात को लौटेगे तब जाकर उन्हे ले आऊँगा।

सेथ —एव, यह मित्रो जैसी वात होगी।

एव —श्रीमती गेल, मैं तुम्हारे लिए जो कुछ कर सकता हूँ, करने को तैयार हूँ।

एगी —अव तो एक ही वात है। आसपास कोई पादरी रहता है क्या ?

सेथ —(परेशान होकर) पादरी।

एव —जैक, क्या तुम किसी को जानते हो ?

जैक —नही। न्यू सेलम के आसपास वीस मील मे अव कोई पादरी नही रहता।

एगी —मेरा ख्याल था कि अगर कोई हो तो उसे जिम्मी के लिए प्रार्थना कहने को बुला लिया जाय। (वह वापस गाडी मे चली जाती है। सेथ आशकित होकर उसकी ओर देखता है।)

सेथ —पादरी की जरूरत है। इसका अर्थ है कि उसे अव वहुत आशा नही है। है ना !

जैक —इससे शायद उसे कुछ शान्ति मिल सके।

एव —सेथ, क्या वच्चा वहुत वीमार है ?

सेथ —हां, वह वहुत वीमार है।

जैक —एव, तुम्ही प्रार्थना क्यो न कहो। तुम हमेशा कहने के लिए कुछ न कुछ सोच लेते हो।

एब — मेरा ख्याल है कि मुझे प्रार्थना कहनी नही आती। मैं ऐसी कोई बात नही सोच सकता जिससे किसी को आराम मिले।

सेथ — ठीक है, यह तो एगी का केवल एक विचार है। बैठ जाओ, एब।

एब — (गाडी की ओर देखते हुए) तो आखिर तुम्हारा स्वप्न पूरा हुआ। जिस बारे मे हम दोनो बाते किया करते थे, तुम वही कर रहे हो। तुम घूम रहे हो।

सेथ — हा एब! मेरीलैण्ड मे बहुत भीड हो गई थी। शहर हमारे फार्म तक फैल गया था। इसलिए हम ऐसे प्रदेश मे जा रहे है जहाँ बहुत जगह हो। लगभग चार महीने पहले मैंने तुम्हे अपनी इस यात्रा पर रवाना होने के बारे मे लिखा था। मै तुमसे यहा मिलना चाहता था। मैंने सोचा कि शायद तुम भी इस यात्रा मे हमारे साथ सम्मिलित हो जाओ।

एब — तुम्हारा पत्र मेरे पास बहुत देर मे पहुँचा, सेथ। मै इडियाना और कैटकी के आसपास, जहा मैं रहता था, घूमता रहा। (सन्दूक पर बैठ जाता है) क्या तुम नेब्रास्का मे बसना चाहोगे।

सेथ — नही, हम वहा नही रुकेगे। हम लोग महाद्वीप के उस पार ओरेगन तक जा रहे है।

एब — (इस खबर से बहुत प्रभावित होता है।) ओरेगन?

जैक — निश्चय ही आजकल प्रत्येक व्यक्ति वही जा रहा है।

सेथ — कैंजस मे हम लोग ओरेगन जाने वाले दूसरे लोगो के साथ मिल जाएगे। इस तरह मैदानो और पहाडो को पार करने के लिए हम सब साथ हो जाएगे।

एव — जितनी दूर तुम जा रहे हो उसकी कल्पना भी की नही जा सकती।

सेथ — ऐसा करना मूर्खता जान पडता है। लेकिन हमने वहां की काली मिट्टी और अच्छे मौसम के बारे मे बहुत कुछ सुना है।

जैक — एव, तुम भी इनके साथ क्यो नही चले जाते। पश्चिम प्रदेश बहुत तेजी से बसता जा रहा है। मुझे भी जैसे ही गाडी मिलेगी, चला जाऊगा। उन्हे मेरे जैसे मजबूत पीठ वाले आदमी की जरूरत होगी और तुम्हारे जैसे दिमाग वाले आदमियो की भी, जो उन्हे यह बताए कि शान्ति से कैसे रहा जाता है।

एव — (दूर देखते हुए) सुनने मे यह बहुत अच्छा लगता है, इससे इन्कार नही किया जा सकता। यह भी हो सकता है कि मै बहुत देर से भटक रहा होऊ .(वह विषय बदल देता है।) सेथ, क्या तुम केवल तीन ही हो ?

सेथ — हा, तीन ही है। तीन हम और यह नीग्रो गोवी।

एव — क्या यह तुम्हारा गुलाम है ?

सेथ — गोवी ! कभी नही । वह तो स्वतन्त्र व्यक्ति है । मेरे पिताजी ने उसके पिता को २० साल पहले स्वतन्त्र कर दिया था । लेकिन हमे गोवी के बारे मे बहुत सावधान रहना पडा । जहा से हम आ रहे है वहा के लोग दासता के बारे मे बहुत अनिश्चित है । और बहुत से भले स्वतन्त्र नीग्रो वर्जिनिया मे धकेल दिए जाते है । और इससे पहले किसी को पता लगे वे बेच दिए जाते है । और जब हम यह साबित करने के लिए कि वे स्वतन्त्र व्यक्ति है, अदालत मे जाते हैं तो, कमीने वकील हमे परेशान करते हैं । इसलिए हम लोग इस यात्रा मे इस स्वतन्त्र भू-भाग मे ठहरे हुए है ।

एब — क्या तुम्हारा विचार है कि ओरेगन मे वे स्वतन्त्र होंगे ?

सेथ — निश्चय ही वहा इन्हे स्वतन्त्रता होगी । होगी ही ।

एब — जी नही, वहां स्वतन्त्रता नही है । (कटुता से) वाशिंगटन के उन राजनीतिज्ञो के रहते हुए स्वतन्त्रता नही रह सकती, जो पश्चिम के समस्त प्रदेश को टुकड़े-टुकडे करके दासता का व्यापार करने वालो को बेच रहे है ।

सेथ — उस प्रदेश को स्वतन्त्र होना ही है । अगर यह देश अपने ही नागरिको की दासता से रक्षा करने मे समर्थ नही होता तो, हम इससे अलग होकर कनाडा मे जा मिलेगे । या इससे अच्छा यह होगा

कि हम सुदूर पश्चिम मे एक नया देश वसा लेगे।

एव — (कटुता से) एक नया देश !

सेथ — क्यो नही।

एव — मुझे याद है कि मेन्टोर ग्रेहम ने एकबार मुझसे कहा था कि किसी दिन अमेरिका यूरोप के समान वहुत से अमित्र देशों मे वट सकता है।

सेथ — यही होने दो। जानते हो मैं इस देश को प्यार करता हू और इसके लिए लड़ूगा। और मैं यह भी समझता हू कि अपनी जवानी के दिनो मे जार्ज वाशिंगटन तथा दूसरे लोग इगलैंड को प्यार करते थे और उसके लिए लड़े थे। लेकिन जव सरकार ने उनके साथ अच्छा व्यवहार नही किया तो वे उससे अलग हो जाने मे जरा भी नही हिचके।

जैक — भगवान के लिए अगर एंडी जैक्सन ह्वाइट हाउस मे वापस लोट आए तो वह इन राजनीतिज्ञो के के पीछे कोडे लेकर पड जाएगे।

एव — अगर हमने तुम्हे, तुम्हारी पत्नी और वच्चे को खो दिया तो यह हमारे लिए वहुत बुरा होगा।

सेथ — (द्रवित होकर) मेरा वेटा। ओह, मैं वडी-वडी वाते कर रहा हू लेकिन ये सव खोखली वाते है। अगर वह मर गया तो हम मे और आगे जाने की विल्कुल भी शक्ति नही रहेगी। उस भविष्य के लिए काम करने से क्या जव उसका लाभ उठाने

के लिए कोई भी न रहे। क्षमा करना एव ! लेकिन मै डरता हू।

एव — (उठता है) तुम्हे डरना नही चाहिए, सेथ। जानता हू कि मुझे यह सब कहने का अधिकार नही है, क्योकि मैं भी जीवन भर डरता ही रहा हू। लेकिन इस समय तुम्हे देखकर और यह सोचकर कि तुम काम करने की कितनी वड़ी योजना बना रहे हो, मै छोटा अनुभव कर रहा हू। मुझे ऐसा लग रहा है कि मुझे भी तुम्हे और तुम्हारे जैसो को अमेरिका मे रोक रखने के लिए कुछ न कुछ करना चाहिए। वढे जाओ, बढे जाओ, कोई भी चीज तुम्हे पराजित न कर सके। कभी भी तुम काम न छोडो। (एगी गाडी से वाहर आती है। वह डरी हुई है।)

एगी — सेथ !

सेथ — क्या वात है, एगी !

एगी — उसकी हालत बहुत खराव हो गई है। सांस नही ले सकता। (वह रो रही है। सेथ उसे अपनी वाहो मे ले लेता है।)

सेथ — चिन्ता मत करो प्रिय, जव डाक्टर आएगा तो, उसे ठीक कर देगा। सव ठीक है, वह अच्छा हो जाएगा।

एव — अगर तुम चाहती हो मिसेज गेल, तो मै प्रार्थना करूगा। (सव उसकी ओर देखते है।)

जैक — यह वात हुई।

सेथ — तुम जो कुछ भी कहोगे उसके लिए हम कृतज्ञ होंगे ,एब ।

(एब अपना टोप उतार लेता है । जैसे ही वह बोलना शुरू करता है गोबी अन्दर आता है और सुनने के लिए खड़ा हो जाता है ।)

एब — हे भगवान ! सब जीवित प्राणियो के पिता, मै प्रार्थना करता हू कि तुम उस छोटे से बच्चे को करुणा की दृष्टि से देखो, जो यहा उस टपदार गाडी मे बीमार पडा है । उसके अपने लोग सुदूर की यात्रा कर रहे है, एक नया घर बसाने के लिए, तेरा काम करने के लिए, इस धरती को तेरे बच्चो के रहने योग्य जगह बनाने के लिए, वे जानते हैं कि वे कहा जा रहे है,वे रास्ते के खतरो का सामना करने से नही डरते । मै विनम्रता से प्रार्थना करता हू कि उनके बच्चे को मत छीनो । उसे जीवन की स्वतन्त्रता प्रदान करो । उसे मौत की कैद मे मत भेजो । उससे इस धरती की खुशियां मत छीनो । उसे विस्तृत मैदानो, ऊंचे पहाडो, हरी भरी घाटियो और बडी-बडी नदियो को देखने दो । क्योकि यह छोटा बच्चा एक अमरीकी है और ये तमाम चीजे उसी की है और वह इन सबका है । उसे बचाओ जिससे कि वह भी उन उद्देश्यो के लिए काम कर सके जिनके लिए इसके पूर्वजो ने इतनी ईमानदारी से और इतने

लम्बे समय तक परिश्रम किया है। उसे बख्श दो और उसे अपने पूर्वजो की शक्ति दो। हम सभी को हे भगवान, जो काम हमारे सामने हैं, उसको करने की शक्ति दो। मै तेरे उस पुत्र के नाम पर जो इन्सानो को मुक्त करने के लिए क्रास पर झूल गया तुझ से इन सभी बातो की प्रार्थना करता हूं, आमीन।

बी — (सच्चे हृदय से) आमीन।

ौर एगी – (बुदबुदाते हुए) आमीन।

एव — (अपना टोप ओढते हुए) आधी रात आ पहुची है। मै जाकर डाक्टर को लाता हूँ। (चला जाता है।)

ेथ — धन्यवाद एव !

गी — धन्यवाद मिस्टर लिकन, धन्यवाद।

बी — आप पर भगवान की कृपा हो, मिस्टर लिंकन !

(पर्दा धीरे-धीरे गिरता है।)

सातवा दृश्य समाप्त

आठवां दृश्य

(एडवर्ड्‌स परिवार के घर का एक कमरा। सातवें दृश्य के कुछ दिन बाद मेरी बैठी हुई पुस्तक पढ़ रही है। कई क्षण बाद परिचारिका अन्दर जाती है।)

परिचारिका — मिस मेरी ! मिस्टर लिंकन आये हैं। . . .

मेरी — मिस्टर लिंकन ! (क्षण भर अपनी भावनाओं पर विजय पाने के लिए बुत की तरह बैठी रहती है। उसके बाद पुस्तक बन्द करके उठती है।)

परिचारिका — क्या आप उनसे भेंट करेंगी मिस मेरी।

मेरी — हां, एक मिनट में। (परिचारिका चली जाती है। मेरी मुड़ती है। किताब कोच पर डाल देती है और भावनाओं पर विजय पाने के लिए संघर्ष करती है। अंगीठी के पास झुक जाती है और जैसे ही एब अन्दर प्रवेश करता है उसका सामना करने के लिए मुड़ती है।)

मेरी — आपको फिर देखकर बड़ी खुशी हुई मिस्टर लिंकन ! (लिंकन जो कुछ कहने के लिए आया है उसे कम से कम शब्दों में कह देने के लिए दृढ़-निश्चय है। मेरी शिष्ट होने का प्रयत्न कर रही है।)

एब — धन्यवाद मेरी ! तुम्हे आश्चर्य होगा कि मैं क्यो आया हू ।

मेरी — (तेजी से) मुझे विश्वास है कि निनियन के घर मे आपका सदा स्वागत है ।

एब — अन्तिम भेट मे मैंने जैसा व्यवहार किया था उसके बाद से मैं अपने लिए ही अच्छी सगति नही रह गया हू ।

मेरी — आप बहुत बीमार रहे हैं । जोशुवा स्पीड हमे आपके बारे मे बराबर खबर देते रहे है । हम आपके लिए बहुत चिन्तित थे ।

एब — तुम्हारी बहुत कृपा है ।

मेरी — लेकिन अब आप बेहतर है । और अपने काम पर लोट जाएंगे । पद के लिए फिर से कोशिश करेगें या ... आपकी योजना क्या है ?

एब — मेरी कोई योजना नही, मेरी । (वह अपनी तमाम इच्छा शक्ति को इकट्ठा करने की कोशिश करता है ।) लेकिन मैं तुमसे यह कहना चाहता हूं कि मैं उन तमाम बातो के लिए बहुत दुखी हू जो मैंने उस अशुभ अवसर पर कही थी, जो हमारी शादी का दिन होने वाला था ।

मेरी — उसके लिए आपको कुछ नही कहना चाहिए, मिस्टर लिंकन ! तब जो कुछ हुआ वह मेरा ही अपराध था ।

एब — (चकित होकर) तुम्हारा अपराध । मुझे डर था

मेरी — मै अपने आत्म विश्वास से अन्धी हो गई थी। मै ...... मै तुमको प्यार करती थी। (स्वर भर्रा जाता है लेकिन बोलती रहती है।) और मुझे विश्वास था कि मै तुम्हे भी विवश कर दूगी, कि तुम मुझे प्रेम करो। मैं विश्वास करती थी कि हमारी आत्माए एक हो जाएगी और मेरे दृढ निश्चय की ज्वाला तुम्हारे भीतर जलने लगेगी। तुम मनुष्य बनोगे, मनुष्यो के नेता बनोगे। लेकिन तुम यह सब नही चाहते। (मुड जाती है।) मै जानती थी कि तुम्हारे अन्दर शक्ति है लेकिन यह नही जानती थी कि तुम उस शक्ति का प्रयोग उस शानदार भविष्य मे, जो तुम्हारे आनन्द के लिए था, दूर भागने मे करोगे।

एब — यह सत्य है मेरी, कि तुम एक दिन मुझमे वह विश्वास रखती थी जिसके मै योग्य नही था लेकिन आखिर अब समय आ गया है जब मै उसके योग्य बनने के लिए काम करना चाहता हूँ। (मेरी तीव्रता से उसकी ओर देखती है।) जब मैने तुम्हारे साथ वह लज्जाजनक व्यवहार किया तब मने यह सोचा था कि हमारे रास्ते अलग-अलग है और वह कभी एक नही हो सकते। लेकिन अब मै जान गया हूँ कि मै गलती पर था। मै विश्वास करता हूँ कि मेरा रास्ता तुम्हारा रास्ता है। अच्छे के लिए बुरे के लिए। मै फिर विनम्र

प्रार्थना करता हूँ कि तुम मुझसे विवाह कर लो। मैं अच्छी तरह से यह अनुभव करता हूँ मेरी, कि फिर से मुझे अपनाने के लिए लोग तुम पर हँसेगे।

मेरी — (गुस्से मे) अगर मुझे इस वात का विश्वास हो जाए कि अन्तत हम जीतेंगे तो मुझे इसका कोई डर नही है। लेकिन हम तव तक नही जीत सकते जव तक तुम स्वय ही विश्वस्त नही होते। वह क्या वात है जिसने तुम्हारे मन और मस्तिप्क मे यह परिवर्तन कर दिया।

एव — मै अपने एक पुराने मित्र से मिला, जो अपनी पत्नी और पुत्र के साथ, एक टपदार गाडी मे पश्चिम की ओर जा रहा था, उसने मुझे साथ चलने को कहा और मै जाने ही वाला था (रुकता है और मुडता है। आवाज मे दर्द है। फिर उसकी ओर मुडता है।) लेकिन तभी मुझे पता पता लगा कि वह राह, मेरी राह नही है। मेरी राह तो वही है जिस पर तुम चाहती थी कि मै चलूं।

मेरी — और तुम प्रतिज्ञा करोगे कि तुम फिर कभी उस राह से भागोगे नही।

एव — मै प्रतिज्ञा करता हूं मेरी, कि अगर तुम मुझे स्वीकार करोगी तो मै ... मै मै अपने जीवन के शेप दिन वह काम करने मे लगा दूगा जो

ठीक है और जिसको मैं भगवान की कृपा से ठीक समझूगा। (मेरी उसकी ओर देखती है। जैसे उसको परखने की कोशिश कर रही हो। एक क्षण के लिए अनिश्चित रह कर वह उसे पीडा पहुँचाना चाहती है, लेकिन ऐसा कर नही पाती।)

मेरी — वहुत अच्छा, मै तुम्हारी पत्नी वनूगी और जव तक मृत्यु हमे अलग नही कर देती तुम्हारे साथ रह कर लड़ूगी। (उसकी ओर मुडती है और उसके दोनो हाथ अपने हाथ मे ले लेती है।) एव, मै तुम्हे प्यार करती हूँ। ओह, मैं तुम्हे प्यार करती हूँ। हम दोनो को चाहे कुछ भी हो जाए, लेकिन मै तुम्हे प्यार करती हुई मरूगी। (वह उसके कन्धे पर सिर रख कर रोने लगती है। एव उसे अपने दोनो हाथो मे ले लेता है और उसके कन्धे पर से फर्श की ओर देखता रहता है। पर्दा गिरता है।)

दूसरा अङ्क समाप्त

तीसरा अंक

नवां दृश्य

(इलीनॉय के बाहर एक रगमच । १८५८ मे ग्रीष्म ऋतु की एक सन्ध्या । रगमच के पृष्ठ मे तीन कुर्सिया हैं । दाहिनी ओर जज स्टीफन ए डगलस बैठा है । बाई ओर एब लिकन बैठा है । अपना ऊचा रेशमी हैट पहने हुए है और कागज के टुकडे पर कभी-कभी कुछ लिखता है । बीच की कुर्सी निनियन के लिए है जो, अब मच पर आगे की ओर है ।)

निनियन — हमने अभी इन दो व्यक्तियो से, जज स्टीफन ए० डगलस और मिस्टर अब्राहम लिकन से जो, इलीनॉय से, अमरीका के सिनेटर के महत्वपूर्ण पद के लिये खडे हुये है, उनके प्रमुख तर्क सुने । इलीनॉय के इन दो प्रमुख नागरिको के बीच उन विषयो पर हुए अनेक वाद-विवादो के कारण, जो कि समस्त अमरीकियो के जीवन पर तथा हमारे देश के भविष्य के इतिहास पर असर डालते हैं, तमाम राष्ट्र की दृष्टि हमारे राज्य की ओर लगी हुई है । ऐसे विवादो मे प्रचलित रीति के अनुसार वे दोनो व्यक्ति फिर बोलेंगे । जज डगलस (जज डगलस आगे आते है । निनियन बैठ जाता है । इस व्यक्ति को अपनी शक्तियो मे विश्वास है ।)

डगलस — मेरे साथी नागरिको ! मेरे अच्छे मित्र मिस्टर लिकन ने आपके सामने अपनी स्वाभाविक सरल मुस्कान और सहज हास-परिहास के साथ भाषण दिया है। उन्होने अपने भाषण के एक भाग मे, यदि राजनेता के रूप मे न सही, एक मनुष्य के रूप मे मेरी खूबियो का वर्णन किया है, उसके लिए मैं कृतज्ञ हूँ। लेकिन इस बात का विश्वास मत करो कि शुभेच्छा की जो भावना उन्होने जानबूझ कर दिखाई है, वह उनकी सच्ची भावनाओ को प्रकट करती है। शेक्सपियर के ब्रूट्स की तरह मिस्टर लिकन एक प्रतिष्ठित व्यक्ति है लेकिन ब्रूट्स की तरह ही वह उस समय, जबकि मनुष्य इस बात की बिल्कुल आशा नही करता, उसके छुरा घोपने की कला मे भी सिद्धहस्त है। महानुभावो, मुझे देखो, मेरा शरीर घावो से भरा है और मैं फिर भी काम कर रहा हूँ। यह शायद इसलिए है कि मै उस शक्तिशाली स्तम्भ का सहारा ले रहा हूँ जिसे सत्य कहते है। मिस्टर लिकन अपने मजाको से हसाते है। उसके वाद वह दक्षिण के काले गुलाम मजदूरो की दर्दनाक स्थिति की तस्वीर खीचकर आपको रुलाते है। हमेशा ही दक्षता के साथ वह आपको सत्य के द्वार तक ले जाते है लेकिन उसके वाद जब आप उस द्वार मे प्रवेश करने को होते है तो, आपका

ध्यान दूसरी ओर खीच लेते हैं और यहा उत्तर मे मजदूरो की क्या हालत है, इसकी वह कभी चर्चा नही करते। हा, नही करते। शायद वह यह वात नही जानते कि न्यू इग्लैंड की रुई की मिलो में काम करने वाले हजारो स्त्री-पुरुप आजकल हडताल किए हुए है और उन्होने वह हडताल क्यो कर रखी है। क्योकि सुवह से लेकर रात के अधेरे तक दिन के १४ घटे उन स्वतन्त्र नागरिकों को फैक्टरियो मे काम करना पडता है। वे सूर्य को कभी नही देख सकते। दिन का भयकर काम समाप्त हो जाता है तो यह अर्धनग्न और अधभूखे मजदूर अपने उन घरौंदो मे लौट जाते हैं जो जानवरों के रहने योग्य भी नही है। यह कैसी स्वतन्त्रता है। अगर मिस्टर लिंकन ने मेसचुसेस्स की इस स्थिति के वारे मे नही सुना है तो, यह वात उनके ध्यान मे कैसे नही आई कि हमारे अपने राज्य मे इलीनोय सेन्ट्रल के महान रेलपथ पर आजकल गाडिया नही चल रही हैं चूकि वहां के मजदूरो ने हडताल कर रखी है, क्योंकि वे भी निर्वाह योग्य वृत्ति की माग कर रहे हैं। तमाम उत्तर मे यही हालत है। भूखे लोग सड़कों पर जलूस निकाल रहे हैं। परेशानी पैदा कर रहे है चूकि उन्हे अपने वच्चो की हड्डियो पर मास चढ़ाने के लिए काफी पैसा नही मिलता।

यह कैसी स्वतन्त्रता है, यह कैसी समानता है। मिस्टर लिंकन बार बार 'लव जॉय' और दूसरे दासताविरोधी दलो के ये तर्क दोहराते है कि स्वतन्त्रता की घोषणा मे सभी पुरुष स्वतन्त्र और समान है। इसलिए वह नीग्रो को भी समानता का अधिकार देते है। लेकिन हमारे देश के सबसे ऊचे न्यायालय ने इस बात को स्पष्ट कहा है कि यह सत्य नही है। 'ड्रैड स्काट' के निर्णय के अनुसार नीग्रो छोटी जाति के सिद्ध हो चुके है, वे बडी जाति के दास है और इसलिए दूसरी सम्पत्तियों के समान ही एक सम्पत्ति है। लेकिन मिस्टर लिंकन सर्वोच्च न्यायालय की वैधानिक शक्ति को चुनौती देते है। यद्यपि उन्होने कहा नही है लेकिन फिर भी वह यह विश्वास करते हैं कि 'ड्रैड स्काट' निर्णय अन्यायपूर्ण था। और जनता को उसे नामन्जूर कर देना चाहिए। मिस्टर लिंकन एक वकील है इसलिए मैं मान लेता हूँ कि वे जानते है कि जब वह सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बारे मे जनता के विश्वास को नष्ट करते है तो, वह विद्रोह भडका रहे है। वह जनता की भावनाओ को उभाड रहे है जिससे वे कानून के स्थान पर शक्ति का उपयोग करे। वह भाई को भाई के विरुद्ध कर रहे है। इन सब बातो का एक ही परिणाम हो सकता है

राज्यो के वीच युद्ध। वह मुझसे चाहते है कि मै ड्रैड स्काट के वारे मे अपनी राय दू। विना किसी हिचक के मेरा उनको यह उत्तर है कि मै सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय को देश का कानून समझता हूँ और उसको मानता हूँ। मै उन तमाम व्यक्तियो की मूर्खतापूर्ण वातो से तनिक भी प्रभावित नही हो सकता जो जातीय समानता के लिए चिल्लाते है और जो हमे नीग्रो के लिए राय देने को, उनके साथ खाने, सोने और शादी करने को कहते है। और मैं इससे भी आगे कहूगा कि प्रत्येक राज्य को अपना काम देखना चाहिए, अपने पडोसी को अकेला छोड देना चाहिए। अगर हम इस सिद्धान्त को स्वीकार करेंगे तो मिस्टर लिकन पाएगे कि यह महान देश हमेशा के लिए स्वतन्त्र और दास राज्यो मे वँटा होकर रह सकेगा और हम, जैसा कि करते रहे है, अपनी सम्पत्ति को, जनसख्या को, शक्ति को वढाते चले जा सकेंगे, तव तक जव तक कि हम ससार के लिए आतक और प्रशंसा के पात्र नही वन जाते। (वह श्रोताओ की ओर गुस्से से ताकता है, उसके वाद मुडता है और माथे को पोछता हुआ वैठ जाता है।)

पन — (उठते हुए) मिस्टर लिकन। (एव अपने नोटो पर दृष्टि डालता है। हैट उतारता है और नोट

हैट मे रख देता है। फिर धीरे से आगे बढता है और भावनापूर्ण शान्त स्वर मे बोलता है।)

एब — न्यायाधीश डगलस महोदय ने मेरे चाकू चलाने की कला की प्रशसा की है। मैं उसके लिए उन्हे धन्यवाद देता हू। लेकिन मुझे यह भी स्वीकार करना चाहिए कि वह इस कला मे मुझसे भी अधिक चतुर है। वह एक ही समय मे दस चाकुओ को हवा मे चमकता हुआ रख सकते है। सौभाग्य से वह इतने कुशल है कि एक भी चाकू न कभी गिरता है और न कभी किसी को कोई हानि पहुचाता है। न्यायाधीश दक्षिण मे दासता को स्वीकार कर रहे हैं और उत्तर मे उसके प्रसार का विरोध कर रहे हैं। वह एक ही साँस मे सघ और राज्यो के अधिकारो का समर्थन कर सकते है। इससे मुझे कैंटकी की उस औरत की याद आ जाती है जो एक दिन अपने घर से बाहर आई तो उसने पाया कि उसका पति एक भयानक रीछ से जूझ रहा है। रीछ जीत रहा था। पति ने अपनी पत्नी को पुकारा, 'भगवान के लिए मेरी सहायता करो।' पत्नी ने पूछा—'मै क्या कर सकती हू।' उसने कहा—'कम से कम तुम सहायता के कुछ शब्द तो कह ही सकती हो।' लेकिन पत्नी इस सघर्ष मे कोई पक्ष लेना नहीं चाहती थी। इसलिए वह पुकार उठी—'लडो मेरे

पति, लडो रीछ। अब आपने जज महोदय को उन व्यक्तियो के बारे मे चर्चा करते सुना जो नीग्रो के लिए वोट देने, उनके साथ खाने, शादी करने और सोने की सलाह देते है। मैं नही समझता कि उनका इशारा मेरी ओर है। अगर उनका अर्थ मुझ से था तो मैं कह सकता हू कि यदि मैं एक नीग्रो औरत का दास बनाया जाना पसन्द नही करता तो, उसका यह अर्थ नही है कि मै उसे पत्नी बनाना चाहता हू। मुझे उसकी किसी रूप मे भी आवश्यकता नही है। मैं उसे स्वतन्त्र छोड देना चाहता हूँ। कुछ बातो मे वह निश्चय ही मेरे बराबर नही है जैसे कि मैं कुछ बातो मे न्यायाधीश महोदय के बराबर नही हूँ। लेकिन अपने हाथो से बनाई गई रोटी को, बिना किसी से पूछे, खाने के स्वाभाविक अधिकार मे वह मेरे बराबर है और सबके बराबर है। जहा तक नीग्रो के साथ सोने का सम्बन्ध है, जज महोदय को यह जानकर खुशी होगी कि दास राज्यों ने चार लाख से भी अधिक ऐसे बच्चे पैदा किए है जो वर्णशकर है और मैं नही सोचता कि वे दास-प्रथा विरोधियो के बच्चे है। 'दास-प्रथा विरोधी' यह शब्द मुझे न्यू इग्लैंड की याद दिलाते हैं जिसकी यहा अभी चर्चा की गई थी। मै न्यायाधीश डगलस को यह

विश्वास दिलाता हू कि मै वहा गया था और मैंने उन जेलों को देखा जो फैक्टरी कहलाती है। और वहा काम करने वालो को शान्ति के साथ अन्धकार मे घर जाते हुए भी देखा। उन फैक्टरियो मे काले दासो द्वारा इकट्ठी की गई कपास से गोरे व्यक्तियो ने कपड़ा तैयार किया। उन गोरे व्यक्तियो को काले दासो से केवल ५० सैंट प्रतिदिन के हिसाब से अधिक मिलता है। अर्थात् उनमे और दासो मे केवल ५० सेंट का अन्तर है। एक अमरीकी के रूप मे मै ऐसी स्थिति पर गर्व नही कर सकता। लेकिन एक अमरीकी के रूप मे मै पूछ सकता हू कि उत्तर मे हडताल करने वाले मजदूर क्या दक्षिण के मजदूरो से स्थान परिवर्तन करने को तैयार होगे। एक अमरीकी के रूप मे मै यह भी कह सकता हू कि भगवान का धन्यवाद है कि हम ऐसी स्थिति मे रहते है जहा हमे हडताल करने का अधिकार है। मैं जनता को विद्रोह के लिए नही भडका रहा। मुझे ऐसा करने की जरूरत ही नही है। यह देश उन्ही लोगो का है, जो इसमे रहते है। जब वे वर्तमान सरकार से परेशान हो जाते है तो वे उसको बदल देने या पलट देने के अधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। हमारे इस देश के पूर्वजो ने अगर हमे कुछ दिया है तो यही दिया है। और

में सर्वोच्च न्यायालय के प्रति प्रतिष्ठा की भावना को कम करने के लिए भी नही कहता। मै तो केवल यही कहता हूँ कि इन्सानो के निर्णय अक्सर गलत होते है और सर्वोच्च न्यायालय मे भी इन्सान ही है। जिनमे से अधिकतर दक्षिण की विशेष सुविधा प्राप्त श्रेणी के लोग है। 'ड्रेड स्काट' निर्णय का एकमात्र उद्देश्य सघ के तमाम राज्यो मे नीग्रो को सम्पत्ति बनाना है। यह तो मानव अधिकार बनाम सम्पत्ति अधिकार का पुराना प्रश्न है। यह दो सिद्धान्तो के बीच हमेशा रहने वाला सघर्ष है। एक सीधी सादी मानवता का अधिकार है, दूसरा भगवान प्रदत्त बादशाहो का अधिकार। यह तो वही भावना है जिसके अनुसार कहा जाता है, 'तुम काम करो, रोटी कमाओ और मैं खाऊगा।' चाहे ये शब्द उस बादशाह के मुह से निकलते है जो अपनी जनता के परिश्रम के फल पर जीता है या उस जाति के मुख से निकलते है जो दूसरी जाति को गुलाम बनाना चाहती है। वही एक अन्यायपूर्ण सिद्धान्त है। एक राष्ट्र के रूप मे हमने इस घोषणा से आरम्भ किया था, 'तमाम मनुष्य समान बनाए गए हैं। स्वतन्त्रता की घोषणा मे इस नियम के साथ किसी भी प्रकार के अपवाद का उल्लेख नही किया गया है, लेकिन अब हम वस्तुत यही अर्थ लगाते

है कि नीग्रो के अतिरिक्त सब मनुष्य समान हैं। अगर हम इस सीख को स्वीकार कर लेते है तो, भविष्य मे हमे यह घोपणा करने मे क्या हिचक होगी कि नीग्रो, विदेशियो, विधर्मियो या केवल गरीब मनुष्यो के अतिरिक्त सव मनुष्य समान है। जो दासता का समर्थन करते है वे हमे इस निष्कर्ष की ओर ले जा रहे है। उत्तर और दक्षिण के वहुत से भले नागरिक न्यायाधीश महोदय के साथ सहमत है कि हमे विना कोई परेशानी पैदा किए इस निष्कर्ष को स्वीकार कर लेना चाहिए कि प्रत्येक राज्य अपना काम देखे। अव यह सवसे सुरक्षित मार्ग है। लेकिन मेरी राय यही है कि सावधान रहो। जव तुमने अपने किसी भी साथी को दास वना दिया है, उसे मनुष्य से कुछ कम वना दिया है, उसे मनुष्य की प्रतिष्ठा के अधिकार से वचित कर दिया है, उसे जानवरो की श्रेणी मे डाल दिया है तो क्या तुम्हे इस वात का विश्वास है कि वह शैतान जिसे तुमने पैदा किया है तुम पर नही झपट पडेगा। और तुम्हारे टुकडे-टुकडे नही कर डालेगा। जव तुम स्वतन्त्रता के अर्थ वदलना आरम्भ करते हो तो इस वारे मे सावधान रहो कि इसका तुम पर भी क्या असर होगा। मैं युद्ध की सलाह नही दे रहा हू। मैं इस समय और तव तक जव तक जीता हू जो कुछ

करने की कोशिश कर रहा हू वह यही है कि हमारे जनतन्त्र की जड मे, जिसने हमे महान बनाया है और जो हमे और भी महान बना सकता है जो खूबिया है उन्हे बार बार प्रगट करूं। मैं विश्वास करता हूँ कि ये खूबिया इस समय खतरे मे है, केवल उन्ही के कारण नही जो, ईमानदारी के साथ दासता मे विश्वास करते है लेकिन उनके कारण और भी अधिक जो न्यायाधीश डगलस के साथ चिल्लाते है, 'इसे अकेला छोड दो'। यह पाप की ओर से आंख मूदने की नीति है और मैं इस नीति से घृणा करता हूँ। मै इससे घृणा करता हूँ क्योकि दासता स्वय एक अन्याय है। मैं इससे घृणा करता हूँ क्योकि यह संसार मे हमारे देश के प्रभाव को कमजोर करती है। यह हमारे स्वतन्त्र-सघ के दुश्मनो को हम पर हसने मे मदद देती है। स्वतन्त्रता के जो सच्चे मित्र है उनको हमारी सद्भावना मे शका करने का कारण देती है। और विशेष रूप से इसलिए क्योकि यह हममे से बहुत से भले आदमियो को उन सत्यो मे, जो हमारी नागरिक स्वतन्त्रता की नीव है खुले रूप मे संघर्ष करने को विवश करती है। स्वतन्त्रता की घोषणा मे विश्वास करने का अधिकार नही देती। इस बात पर जोर देती है कि स्वार्थ के अलावा काम करने का और कोई

सिद्धान्त उचित नही है। आज रात जज महोदय ने अपने अन्तिम शब्दो मे यही कहा है कि हम ससार के लिए आतक हो सकते है। मैं नही समझता कि हम ऐसा होना चाहते है। हम तो ससार का प्रकाश होना अधिक पसन्द करेंगे। लेकिन हम ऐसा प्रकाश तव तक नही हो सकते जब तक हम दुनिया को यह न दिखा दे कि हम एक राष्ट्र के रूप मे जी सकते है और प्रगति कर सकते है। अगर ये राज्य एक होकर नही रह सके तो, निश्चय ही हम कुछ नही कर सकेंगे। एक भाग और दूसरा भाग, एक जाति और दूसरी जाति, एक श्रेणी और दूसरी श्रेणी के लिए स्वतन्त्रता के अर्थ मे कोई भेद नही हो सकता। जिस घर मे फूट है वह किसी का मुकाबला नहीं कर सकता। यह राज्य आधा गुलाम और आधा स्वतत्र होकर नही रह सकता। (वह मुडता है और अपने स्थान पर जा बैठता है।)

(परदा गिरता है।)

नवाँ दृश्य समाप्त

दसवां दृश्य

(एडवर्डस परिवार के घर का एक कमरा। इसमें अब लिंकन परिवार रहता है। १८६० की बसन्त ऋतु के आरम्भ मे एक दिन का तीसरा पहर। दाहिनी ओर कोच पर एब बैठा है। गोद मे उसका सात साल का लडका टैड है। ६ साल का दूसरा लडका विली उसके पास बैठा है। सबसे बडा लडका रोबर्ट जो हारवर्ड का एक १७ वर्ष का युवक विद्यार्थी है, खिडकी के पास बैठा है और बडी शान के साथ पाइप पी रहा है तथा वह कहानी सुन रहा है जो एब बच्चो को सुना रहा है। बाईं ओर जोशुआ स्पीड बैठा है।)

एब — टैड, तुम्हे याद रखना चाहिए कि तब तक सडके बहुत अच्छी नही थी। वास्तव मे वे पगडडी मात्र थी। अंधेरे मे अपना रास्ता ढूढने मे बडी मुश्किल होती थी।

विली — क्या तुम्हे डर लगता था ?

एब — हाँ, डर लगता था। डर लगता था कि मैं रास्ता भटक जाऊँगा और लडका मर जाएगा और यह सब मेरा अपराध होगा। लेकिन आखिर डाक्टर मिल गया और मै तुरन्त उसे अपने साथ ले आया।

विली — क्या लडका मर गया ?

एब — नही, मरा नही। लेकिन वह बहुत बीमार था। डाक्टर ने उसे ढेर सारी दवाए दी।

टैड — पापा, क्या उनका जायका खराव था ?

एव — मै समझता हूँ कि था लेकिन वह उनसे ठीक हो गया। मैने उन भले आदमियो को फिर नही देखा लेकिन मुझे उनका समाचार मिला। छोटा वच्चा तुम्हारी उम्र का था टैड, लेकिन अव वह वडा आदमी है और उसका तुम्हारे जितना वच्चा है। वह घाटी मे उस दरिया के पास जो, वर्फीले पहाड़ो की चोटी से उतर रहा है, एक वडे फार्म पर रहता है। (मेरी का प्रवेश)

मेरी — रॉवर्ट, तुम मेरे कमरे मे पाइप पी रहे हो।

रावर्ट — (नि श्वास खीच कर) हॉ मॉ। (उठता है)

मेरी — मैने तुमसे कहा था कि मै अपने कमरे मे और वास्तव मे अपने घर के किसी भी भाग मे तम्वाकू पीने की आज्ञा नही दूगी और सचमुच ही मै .

एव — देखो मेरी, हार्वर्ड मे पढने वाले इस व्यक्ति का आदर करना चाहिए। वैव पाइप वाहर ले जाओ।

रावर्ट — वहुत अच्छा पिताजी।

मेरी — और फिर कभी ऐसा मत करना।

रावर्ट — नही मा। (वाहर चला जाता है।)

एव — मैं लडको को उन लोगों की कहानी सुना रहा था जिनको मैं कभी जानता था।

मेरी — वच्चो! अव खाने के लिए तैयार हो जाने का समय है।

(वच्चे जाने के लिए खडे हो जाते है।)

विली — लेकिन पिताजी, उसके बाद क्या हुआ ?

एब — कुछ नही। उसके बाद सब बहुत खुशी से रहे। अच्छा बच्चो, अब जाओ। (विली और टैड भाग जाते हैं।)

जोश — क्या समय है मेरी ?

मेरी — यही ४॥ बजे है। (वह पर्दे पर से धुआँ झाडती है।)

जोश — साढे चार बज गए। एब, वे लोग कभी भी आ सकते है।

एब — (उठते हुए) हे भगवान !

मेरी — (तेजी से एब्र की ओर मुडते हुए) कौन लोग ?

एब — पूरब के कुछ लोग। उनमे से एक क्रिमिन नाम के राजनैतिक नेता है और एक मिस्टर स्टर्वसन हैं जो उद्योगपति है और

मेरी — (प्रभावित होकर) हेनरी डी० स्टर्वसन।

एब — हा, वही है और बोस्टन के पादरी डाक्टर बेरक भी हैं।

मेरी — (तीव्रता से) वे यहा किसलिए आ रहे है ?

एब — ठीक तो नही जानता लेकिन मेरा ख्याल है कि वह यह देखने आ रहे है कि क्या मै अमेरिका के राष्ट्रपति के पद के लिए खडा किए जाने योग्य उम्मेदवार हू। (मेरी क्षण भर स्तम्भित रह जाती है।) मेरा ख्याल है कि वे इस बात का पता लगाना चाहते है कि क्या अब भी हम काठ

के झोपड़े मे रहते है और अपनी चारपाई के नीचे सुअर पालते है ।

मेरी — (गुस्से मे) और तुमने मुझे बताया भी नही ।

एब — मुझे दुख है मेरी, मै भूल गया ।

मेरी — तुम मुझे यह बताना भूल गए । भूल गए कि आज हमारे घर मे ऐसे महत्वपूर्ण मेहमान आ रहे है, जैसे कभी नहीं आए थे ।

एब — वे मेहमान नही है, वे तो यहा काम से आ रहे है ।

मेरी — (कटुता के साथ) हा, महत्वपूर्ण काम । मुझे यही मालूम होता है । वे हमे हमारे असली रूप मे देखना चाहते है । अशिक्षित, पश्चिम के भद्दे लोग जो ऐसे घर मे रहते है जिसमे तम्बाकू की बदबू आती रहती है ।

एब — हम उन्हे यह बता सकते है कि हमारा एक लडका हार्वर्ड मे पढता है ।

मेरी — काश कि मुझे पता होता, काश कि तुम मुझे तैयारी के लिए थोडा समय देते । तुमने अपना सबसे अच्छा सूट क्यो नही पहना और ये तुम्हारे भद्दे पुराने जूते ।

एब — मेरी, मैं बिल्कुल भूल गया ।

मेरी — अब्राहम लिंकन, मैं इस बात की घोषणा कर सकती हू कि अगर मै तुम्हारी पत्नी न होकर दासी होती तो, तुम मुझसे अच्छा व्यवहार करते । तुमने कभी एक क्षण के लिए भी यह सोचने का

प्रयत्न नही किया कि शायद उस जीवन मे जिसमे हम दोनो साझीदार है, मेरी भी कोई दिलचस्पी है ।

एब — मेरी, मै अपने जूतो को साफ करने की कोशिश करूगा । (वह बाहर चला जाता है। इस दर्दनाक दृश्य से दूर जाने मे उसे खुशी है। मेरी उसे जाते हुए देखती है, वह अपने आसू रोकना चाहती है, बैठ जाती है ।)

मेरी — जोशुवा स्पीड तुमने सब कुछ देख लिया है। जब उसने मुझे शादी करने को कहा था, उसका हृदय परिवर्तन, उसका फिर से पुरानी आदतों पर लौट आना और तब से हमारा यह साथ-साथ रहना, १८ साल के इस जीवन को तुमने रत्ती-रत्ती देखा है और दूसरे लोगो की तरह तुम भी शायद यही सोचते हो कि मै तेज औरत हूँ और मैंने उसकी आत्मा को नष्ट करने की और उसको अपने स्तर पर खीच लाने की कोशिश की है. ...

जोश — (उठ कर पास आता है) नही मेरी, मै ऐसा नहीं सोचता । याद रखो मै एब को भी जानता हूँ ।

मेरी — एब की तरह और दूसरा आदमी नही हो सकता । मैने ससार के महान व्यक्तियो के वारे मे वहुत पढा है और ऐसा लगता है उन्हे अपना मार्ग वनाने के लिए एक-एक इच पर अपने दुश्मनो से और अपने दोस्तो के अविश्वास से सघर्ष करना

पडा है। लेकिन उसे कभी कुछ नही करना पडा। उसका कोई दुश्मन नही था और उसके प्रत्येक मित्र ने उसमे सदा पूर्ण विश्वास प्रगट किया। उससे मिलने से पहले भी मुझे यह वताया गया था कि उसका भविष्य महान है। और उससे मिलने के वाद पहले ही दिन मुझे स्वय भी इस वात का विश्वास हो गया था लेकिन उसे नही था। और अगर छिपे-छिपे था भी तो वह उससे इतना डरता था कि उसने उस विश्वास से वचने के लिए, जो कुछ वह कर सकता था, किया। उसके मन पर कोई कविता छाई हुई थी, एक ऐसे पथरीले रास्ते के वारे मे जो उसे महान दुख की ओर ले जाता है। और वही उसके जीवन का नियन्त्रण करती है। इन तमाम वर्षों मे मैंने वार-वार कोशिश की कि वह इस बुरे स्वप्न से वाहर निकले लेकिन, मेरे तमाम प्रयत्न उन लहरो के समान व्यर्थ हो गए जो पहाडी चट्टान से टकराती रहती है। और आज वह अवसर स्वय चलकर उसके पास आ रहा है। मै क्या कर सकती हूँ। उसे इसे स्वीकार करना चाहिए। उसे यह मान लेना चाहिए कि वह इसी के लिए वना है। लेकिन वह मेरी वात नही सुनेगा। मैं थक गई हूँ, मेरे प्राणो पर आ वनी है। (आसू वहने लगते है।) सोचा था कि मैं उसे वह कुछ वनाने मे मदद

कर सकती हूँ, जो उसे होना चाहिए। लेकिन मै कुछ नही कर सकी। केवल अपने को ही तोड सकी हूँ। (तेजी से रोती है। जोश उसके पास बैठ कर उसका हाथ अपने हाथ मे ले लेता है।)

जोश — (कोमलता से) मैं जानता हूँ मेरी, लेकिन तुम्हे अपने को दोष देने का कोई कारण नही है। लेकिन भगवान के हाथ मे है। वही हम सबके भाग्य का विधाता है पागल लोगो के भाग्य का भी, पवित्र लोगो के भाग्य का भी। (एब वापस आता है।)

एब — (अपने जूतो को दिखाते हुए) मै समझता हूँ मेरी, अब तो ये ठीक है। (मेरी की ओर देखता है जो अपनी भावनाओ पर काबू पाने के लिए कोशिश कर रही है।)

मेरी — तुम यही उन महानुभावो का स्वागत कर सकते हो। मैं खाने के कमरे मे उनके लिए कुछ तैयार करने की कोशिश करूँगी। (बाहर चली जाती है। एब व्यग्रता से उसकी ओर देखता है। कुछ देर सन्नाटा रहता है। अन्त मे एब बोलता है।)

एब — मेरा ख्याल है कि ये आदमी कुछ अधिक महत्वपूर्ण है।

जोश — उन तीन राज्यो के प्रतिनिधियो की बैठक मे, जो सुअर्ड का पक्ष कमजोर कर सकते है, उनकी बात अन्तिम रूप से स्वीकार कर ली जाएगी।

एब — मान लो कि भगवान की कृपा से या किसी गलती से वे मेरे नाम का प्रस्ताव कर देते हैं तो, क्या तुम समझते हो कि मेरे जीतने की कोई आशा है?

जोश — मेरी राय मे तो वहुत आशा है। लडने के लिए चार उम्मेदवार मैदान मे होगे और किसी अनजाने विजेता के लिए रास्ता खुल जाएगा।

एब — लेकिन वह अनजान विजेता किसी गलत राह पर भी तो जा सकता है।

जोश — हाँ, तुम हमेशा ऐसा ही कर सकते हो। मैं जानता हूँ कि मैं तुम पर दो सैंट की भी वाजी नही लगाऊँगा।

एब — (मुस्कराता हुआ) यह बडी अजीव वात है कि तुम मेरे जैसे वूढे थके हुए घोडे का घुड दौड के घोडो से मुकावला करते हो। लेकिन मेरे ऊपर सवारी करने वाले कुछ सवार अवश्य शक्तिशाली थे जैसे मैन्टोर ग्रेहम, वोलिंग ग्रीन, विल हर्नडन, तुम और सबसे अधिक मेरी।

जोश — (एब की ओर देखता है।) एब, अब वे तुम पर सवार नही हैं। उनका काम पूरा हो चुका है। अन्तिम दौड मे जब तुम उस बेचारे डगलस के मुकाबले मे दौड रहे थे तो, तुमने उन सबको उतार फेका और तुम विद्युत की गति मे दौडने लगे। अगर तुम एक बार फिर दौडने का निश्चय कर लोगे तो, मैं जानता हूँ कि तुम फिर ऐसा ही

करोगे लेकिन शायद तुम दौडने का निश्चय नही करोगे। (दरवाजे की घटी वजती है। जोश उठता है।)

एब — शायद वे आ गए।

जोश — मै जाता हूँ, शायद मेरी की कुछ मदद कर सकू (वह दरवाजे की ओर आता है लेकिन मुडता है। एब को देखता है और धीरे से कहता है) एव, मै तुम्हे केवल एक बात याद दिलाना चाहूँगा कि इस देश मे लगभग ३ करोड व्यक्ति हैं, उनमे से अधिकतर तुम्हारे जैसे ही साधारण लोग है, वे बडी मुसीबत मे है और एक ऐसे व्यक्ति की तलाश मे है जो उन्हे समझ सके जैसे तुम समझते हो। इसलिए जब वे महानुभाव अन्दर आए तो तुम उनके साथ अच्छे से अच्छा व्यवहार करने की कोशिश करना। (एब मुस्कराता है।) लेकिन मैं जानता हू तुम मेरी सलाह नही मानोगे। (जोश जाता है। परिचारिका दरवाजा खोलती है और स्टर्वसन, वैरक तथा क्रिमिन अन्दर आते है। स्टर्वसन वृद्ध और धनवान है, वैरक पादरी है। वह विनम्रता और मर्यादा से बोलता है, क्रिमिन चतुर राजनीतिज्ञ है और अपने हास्य के लिए प्रसिद्ध है।)

एब — आइए महानुभाव, मिस्टर क्रिमिन आपसे फिर मिलकर बहुत खुशी हुई। (सब हाथ मिलाते है।)

क्रिमिन — कैसे हो मिस्टर लिंकन ! यह है बौस्टन के डाक्टर बैरक और फिलेडेल्फिया के मिस्टर स्टर्वसन ।

डाक्टर — मिस्टर लिंकन ।

स्टर्वसन — मिस्टर लिंकन आपसे मिलकर मैं गौरवान्वित हुआ ।

लिंकन — धन्यवाद श्रीमान । बैठ जाइए, महानुभावो ।

स्टर्वसन — धन्यवाद । (सब बैठ जाते है ।)

क्रिमिन — क्या श्रीमती लिंकन, मेरे तम्वाकू पीने पर सचमुच आपत्ति करेगी ।

लिंकन — नही, नही, पीजिए । मुझे खेद है कि श्रीमती लिंकन आपका स्वागत करने के लिए यहा नही है, लेकिन वह शीघ्र ही आ जाएगी । (बैठ जाता है ।)

बैरक — (गम्भीरता से) मुझे श्रीमती लिंकन से मिलने की बहुत उत्सुकता है क्योकि मैं विश्वास करता हू कि आपके जैसे मनुष्य के लिए नारी का महत्व बहुत अधिक है ।

एव — (मुस्कराता है और झुकता है ।) मैं समझता हूँ कि आप पश्चिम के असभ्य राजनीतिज्ञ और उसकी साथिन को उनके अपने निवास स्थान पर परखना चाहते है ।

स्टर्वसन — इसमे छिपाने की कोई बात नही । हमे एक उम्मेदवार की जरूरत है । ऐसे उम्मेदवार की जो ठोस, पुरातनपन्थी, विश्वसनीय और आन्दोलन मे

आने वाले तमाम महत्वपूर्ण विपयो को आसानी से समझने वाला हो और तुम्हारे असख्य मित्र जो देश भर मे फैले हुए है, यह विश्वास करते है कि तुम ही वह आदमी हो ।

एव — मिस्टर स्टर्वसन, कह सकता हू कि जब न्यूसेलम मे २५ वर्ष पहले मैने राजनीति में प्रवेश करने का विचार किया था तो, मैने अपने मित्रो को विश्वास दिलाया था कि मैं पुरातनपन्थी हू, तब से लेकर आज तक किसी भी क्षेत्र मे उन्नति न करके मैने इस बात को प्रमाणित कर दिया है ।

रक — (मुस्कराते हुए) तब आप हमसे सहमत है कि आप ही वह आदमी है जिसकी हमे जरूरत है ।

एव — डाक्टर वैरक, मुझे डर है कि मै अपनी इतनी प्रशसा नही कर सकता । विशेषकर जबकि आप लोग मिस्टर सुअर्ड जैसे योग्य राजनेता और भद्र पुरुष को चुन सकते है । मैं विश्वास करता हूँ कि वह इसके लिए तैयार है और रजामद भी ।

सन — ऐसा हो सकता है । लेकिन यह समझ लीजिए कि यह परीक्षा आपके बारे मे निर्णय करने के लिए नही ली जा रही । हम तो केवल आपको और भी अच्छी तरह जानना चाहते है । हम तो अर्थशास्त्र, धर्म, राष्ट्रीय विषयो पर आपके विचारो को स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहते है । एक वाद-विवाद मे सेनेटर डगलस ने उत्तर मे

काम करने वालो की हालत की चर्चा की थी। और आपने चतुरता से जवाब दिया कि दक्षिण के गुलाम

एब — जी हा, मुझे उस अवसर की याद है। मैंने जवाब दिया था कि शुक्र है कि स्वतन्त्र राज्य के मजदूरो को हडताल करने का अधिकार है, लेकिन वह कोई चतुराई की बात नही थी मिस्टर स्टर्वसन। वह तो एकदम सत्य था।

स्टर्वसन — इसी कारण आपको मजदूरो मे बहुत से सहायक मिल गए। यह अच्छी बात है लेकिन इसके कारण मेरे जैसे व्यापारियो के मनो मे कुछ डर भी पैदा हो गया है।

एब — तब जो कुछ कहा था उसमे मै और कुछ नही जोड सकता। मुझको स्पष्ट दिखाई देता है कि यह राष्ट्र इस विश्वास पर खडा है कि मनुष्यो को विरोध करने का, आवश्यकता पडने पर अन्यायी अधिकारियो के विरुद्ध बल प्रयोग करने का अधिकार है। (बैरक की ओर मुड कर) बौस्टन टी पार्टी भी एक प्रकार की हडताल ही थी। स्वय क्रान्ति भी ऐसी ही थी।

स्टर्वसन — यह एकदम सत्य है। लेकिन विद्रोह के दिन बीत चुके है। हमारे सामने औद्योगीकरण के फैलाव का प्रश्न है अर्थात् सब तरह के सामान के विशाल स्तर पर उत्पादन, रेल मार्ग और महा-

द्वीप मे फैली हुई तारो की लाइने, इन सबका निजी कंम्पनियो द्वारा विकास होना है। इस महान कार्य में मिस्टर लिकन, हमे स्वतन्त्रता और सुदृढना की आवश्यकता है। आपसे हम स्पष्ट पूछना चाहते है कि अगर आप चुने गए तो क्या मजदूरो के हित पूजीपतियो के हितो से ऊपर रखेगे ?

एब — मैं इस प्रश्न का उत्तर स्पष्ट रूप से या किसी भी तरह नही दे सकता। मैं यह नही कह सकता कि चुने जाने के बाद मुझे क्या करना है।

स्टर्वसन — लेकिन आपको किसी न किसी ओर तो झुकना ही पडेगा .

एब — मै समझता हूँ मिस्टर स्टर्वसन! आप जानते है कि मैं दासता का विरोधी हूँ।

बैरक — और हम न्यू इग्लैंड के लोगो को आपके इस विरोध पर गर्व है। अपने दक्षिणी मित्रो की क्रूरता पर हमे बहुत ही दुख होता है।

एब — (बैरक से) दक्षिण मे नीग्रो जिस प्रकार की दासता से पीडित है उसके अलावा भी दासता के अनेक रूप है। मै उन सबका विरोधी हूँ। (वह फिर स्टर्वसन की ओर मुडता है) मेरा विश्वास है कि हमारी राज्य प्रणाली, जो न्याय और उदारता की प्रणाली है, जिसमे सबके लिए मार्ग खुला हुआ है, जिसमे सबके लिए आशा का स्थान

है और इसीलिए सबके लिए, मालिक और नौकर दोनो के लिए सच्ची प्रगति और सुधार की गुजाइश है।

बैरक — मिस्टर लिकन ! अन्यायी अधिकारियो के विरुद्ध लडने के मनुष्यो के अधिकार पर जोर देने का आपका जो उद्देश्य है, इससे हम सहमत है। लेकिन मै यह जानने के लिए वहुत उत्सुक हूँ कि क्या आप किसी ऐसी शक्ति मे विश्वास रखते है जिसके प्रति आपकी भक्ति अडिग हो।

एब — आपका सकेत ईश्वर की ओर है ?

बैरक — जी हा।

एब — मेरे विचार मे इस बारे मे कभी शका नही पैदा हुई कि मैं उसकी इच्छा के सामने नतमस्तक हूँ।

बैरक — मुझे भय है कि आप चर्च के प्रति भक्ति रखते है, इस बारे मे बहुत शका है।

एब — मै भी यह बात अनुभव करता हूँ डाक्टर ! वे कहते है कि चूकि मैने सदा चर्च का सदस्य होने से इन्कार किया है इसीलिए मै ईश्वर मे विश्वास नही करता।

बैरक — और आप इन्कार क्यो करते है ?

एब — किसी भी चर्च की पूजा की रीति मेरे अनुकूल नही है। विश्वास की उन लम्बी धाराओ को, जो उनकी श्रद्धा का कारण है, मै ईमानदारी के साथ स्वीकार नही कर सका। लेकिन मै वायदा करता हूँ डाक्टर

बैरक, कि मै किसी भी समय, किसी भी चर्च मे सम्मिलित हो सकता हूँ। अगर उसका सदस्य होने का अर्थ केवल ईश्वर के इस नियम का पालन करना है, 'प्रभु को प्यार करो। अपने ईश्वर को अपने सम्पूर्ण हृदय से और अपनी सम्पूर्ण आत्मा से और अपने सम्पूर्ण मन से अपने पडौसी को अपनी ही तरह प्यार करो!' लेकिन एक क्षण के लिए क्षमा कीजिए महानुभावो, मेरा विश्वास है कि श्रीमती लिंकन हमारे लिए कुछ तैयार कर रही है। मै देखता हूँ कि क्या मै उनकी कुछ सहायता कर सकता हूँ।

क्रिमिन — अवश्य, मिस्टर लिंकन।

(एव झुकता है और दरवाजा बन्द कर लेता है। क्रिमिन दरवाजे की ओर देखता है और फिर अपने साथियो की ओर मुडता है।)

क्रिमिन — तो

बैरक — एक अनोखी बच्चो जैसी भावना—इस दृष्टि से देखे तो उसके सिद्धान्त बहुत ऊँचे है लेकिन इसमे कोई सन्देह नही कि यह व्यक्ति नास्तिक है।

स्टर्वसन — और वह सरकार की रीति-नीति मे बडे परिवर्तनो का हामी है।

क्रिमिन — क्षमा करे महानुभाव, अगर मै आपकी बातो पर खूब हँसू।

स्टर्वसन — तुम हँस सकते हो क्रिमिन लेकिन जिस तरह उसने

मेरे प्रश्न को टाल दिया उसे मै पसन्द नही करता। मैं कहता हूँ कि उसके सिद्धान्त डगलस से अच्छे नही है। वह लोगो को भडकाता है।

क्रिमिन — निश्चय ही वह ऐसा करता है।

स्टर्वसन — वह विश्वस्त नही है।

क्रिमिन — विश्वस्त नही है, इसका क्या अर्थ ?

स्टर्वसन — जो कहता हूँ वही। जो व्यक्ति अपना सारा समय जनता का अनुग्रह पाने मे खर्च करता है उसके मनोभाव भी जनता की तरह हो जाते है। वह अशान्ति का अध्यापक बन जाता है।

क्रिमिन — और सुअर्ड के बारे मे क्या कहते हो ? अगर हम उसे चुनाव मे खडा करते है तो वह तुरन्त ही दासो को मुक्त करने की माँग करेगा और उसके बाद अशान्ति फैल जायगी। मेरा विश्वास करो जब मैं यह कहता हूँ कि आर्थिक क्षेत्र मे, धर्म क्षत्र मे, सब कही लिकन विश्वस्त है। आखिर वह ऐसी कौनसी महत्त्वपूर्ण विशेषता है जो हम उस आदमी मे चाहते है जिसे हम चुनेगे। वह यही तो कि वह चुनाव मे जीत सके और यहाँ एक व्यक्ति है जो ऐसा कर सकता है। (मच के बाहर की ओर इशारा करता है।)

स्टर्वसन — (मुस्कराते हुए) मुझे तुम पर विश्वास करना चाहिए।

वेरक — हम सभी को इस बात का विश्वास करना चाहिए।

क्रिमिन — तब राय देने वालो की शाश्वत मूर्खता मे विश्वास रखो। इसी बात के कारण उसको समर्थन मिलेगा। इस भद्दे मजदूर मे आप एक बहुत ही सयत राजनीतिज्ञ को पाएँगे जिसने कभी किसानो की भीड को बेवकूफ बनाया है। आप कह सकते है कि उसने आपके प्रश्न को टाल दिया। निश्चय ही उसने ऐसा किया है और बडी कुशलता से किया है। आपने उससे मजदूरो की समस्या पर प्रश्न पूछे तो उसने जवाब दिया, 'मै अपनी शासन पद्धति मे विश्वास करता हूँ।' धर्म पर उसके विचार पूछे। उसने कहा, 'अपने पड़ौसी को अपने समान प्यार करो।' आप जानते है कि आप मे से कोई भी इस बात पर बहस नही कर सकता। मै आपसे कहता हूँ महानुभावो! अगर कोई है तो यह व्यक्ति है जो राय बटोर सकता है। उसका नाम तक ठीक है, अब्राहम लिकन, ईमानदार प्यारा एब। अब हम जो कुछ कहेगे वही वह करेगा और जब हम उसे ह्वाइट हाउस मे भेज देगे तब भी वह वही करता रहेगा जो हम चाहेगे।

बैरक — सावधान मिस्टर क्रिमिन। (एब लौट आता है।)

एब — महानुभावो! अगर आप खाने के कमरे मे चलने की कृपा करे तो श्रीमती लिकन आपकी सेवा मे एक-एक प्याला चाय पेश करेगी।

बैरक — धन्यवाद ।

स्टर्वेसन — अनुपम कृपा है। (बैरक द्वार की ओर मुडता है।)

एब — या शायद जो चाहे उनके लिए इससे कुछ अधिक तेज (स्टर्वेसन और बैरक जाते है। क्रिमिन अपना पाइप रखने की जगह ढूँढता है।)

एब — आप अपना पाइप अपने साथ ले चलिए, मिस्टर क्रिमिन।

क्रिमिन — धन्यवाद, धन्यवाद। (वह एब की ओर देख कर मुस्कराता है। उसका हाथ पकड लेता है और दोनो बाहर चले जाते है। पर्दा गिर जाता है।)

दसवाँ दृश्य समाप्त

ग्यारहवां दृश्य

(इलिनॉय राजभवन मे लिकन के चुनाव आन्दोलन का कमरा । चुनाव का दिन ६ नवम्बर १८६० की सन्ध्या । वडा कमरा है । एक लम्बी खिडकी वरामदे मे खुलती है जहा से सडक दिखाई देती है । एक मेज पर अखवार और लेखो का ढेर है । वहुत सारी कुर्सिया पडी है । पृष्ठ भूमि मे द्वार पर ३३ राज्यो की सूची चिपकी हुई है । प्रत्येक के सामने निर्वाचक मतो की सख्या दी गई है । और उसके सामने समाचारो के लिए जगह खाली है । इस सूची के सामने सीढी रखी है जिससे आदमी सूची मे सवमे ऊपर ऐलावेमा और आर्कन्सा तक पहुच सके । दीवार पर एक अमरीकी झडा है और अमरीका का एक नक्शा जिस पर प्रत्येक राज्य लाल, सफेद या नीले झडे से अकित है ।

एव मेज पर वैठा अखवारो के लेख पढ रहा है । उसने हैट और चश्मा पहना हुआ है । श्रीमती लिकन उसके पास वैठी है । उनकी आँखें व्यग्रता से एव से लेकर द्वार पर टगी सूची और नक्शे तक घूम रही है । उन्होने अपना कोट और हैट पहना हुआ है । रावर्ट लिंकन उनके पास खडा नक्शे का अध्ययन कर रहा है । निनियन एडवर्डस मेज पर वैठा है और जोश स्पीड राज्यो की सूची के पास खडा है । दोनो सिगरेट पी रहे हैं । वाई ओर का दरवाजा खुला हुआ है जिससे तार के यत्रो की आवाज सुनाई दे रही है । खिडकी खुली हुई है और नीचे के मैदान से वैड का सगीत तथा भीड की तालियाँ सुनी जा सकती है । यह भीड राजभवन की वाहरी दीवार पर लगाए जाने वाले उन

समाचारो को, जो चुनाव का रुख बताती है, देख रही है। समय-समय पर जैड नाम का टेलीग्राफ आपरेटर अन्दर आता है और प्रत्येक राज्य के सामने लिखे हुए अको को परिवर्तित कर देता है। फिल नाम का एक दूसरा आदमी बरामदे मे खडा है और जैड से अक ले रहा है।

राबर्ट — नक्शे पर लगे हुए उन छोटे-छोटे झडो का क्या अर्थ है ?

जोश — लाल का अर्थ है कि यह राज्य हमारे साथ है। सफेद का अर्थ है कि इसके बारे मे सन्देह है और नीले का अर्थ है कि वहा कोई आशा नही। (जैड अन्दर आता है और इलीनॉय, मैरीलैण्ड तथा न्यूयार्क के सामने लिखे हुए अको को बदल देता है।)

निनियन — (उठ कर देखते हुए) लिकन और डगलस इलिनॉय मे बराबर है। (जोश और राबर्ट भी देखने के लिए जाते है।)

जोश — मैरीलैण्ड, ब्राकेनरिज और बेल के साथ है।

मेरी — न्यूयार्क किधर है ?

जैड — (खडकी के पास आकर) फिल, जब तुम्हे कोई समाचार नही मिलता, तब इस खिडकी को बन्द रखो। कुछ सुनाई नही देता।

फिल — बहुत अच्छा। लेकिन मुझे हर मिनट इसे खोलना होगा। (खिडकी बन्द कर लेता है।)

मेरी — न्यूयार्क का क्या हाल है ? (जैड जाता है।)

निनियन — डगलस १ लाख १७ हजार, लिकन १ लाख ६ हजार ।

मेरी — (चिन्तित होकर एब से) एब ! न्यूयार्क मे वह तुमसे जीत रहा है ।

जोश — अभी नही मेरी । डगलस का न्यूयार्क शहर मे जीतना स्वाभाविक है ।

एब — (अखबार के एक लेख मे रुचि लेते हुए) यह देखो न्यूयार्क हैरल्ड कहता है कि मै अपने कुघड शरीर मे कपटी आत्मा लिए फिरता हू । (दूसरा लेख पढना आरम्भ कर देता है ।)

निनियन — (बैठते हुए) अच्छा हो बाब, तुम रहोड द्वीप पर लाल के स्थान पर सफेद झडा लगा दो । मुझे इसके बारे मे सन्देह है । (राबर्ट झडा पलट देता है ।)

मेरी — पेनसिलवेनिया मे क्या दिखाई देता है निनियन ।

निनियन — उसके बारे मे चिन्ता करने की आवश्यकता नही है । वह एब के लिए सुरक्षित है । वास्तव मे तुम्हे बिल्कुल चिन्ता नही करनी चाहिए ।

मेरी — (ओठो को भीच कर) तुम शाम से बराबर यही कह रहे हो । लेकिन जब हर नई सूचना के अनुसार डगलस जीतता हुआ दिखाई देता है तब कोई चिन्ता किए बिना कैसे रह सकता है ।

जोश — लेकिन हर कही एब आगे बढ रहा है ।

निनियन — जरा न्यूयार्क मे सब मत गिने जाने दो। तब तो तुम ह्वाइट हाउस की ओर जाती हुई दिखाई दोगी।

मेरी — ओह, यह काम जल्दी ही क्यो नही कर देते।

एब — (ध्यान न देते हुए) जल्दी ही सब आ जाएगा। (बिली हर्नडन आता है। उसने पी रखी है लेकिन सयत है।)

बिली — यहाँ के लोगो से तो हम तग आ गए। ये हर सूचना पर तालिया बजाते हैं। चाहे वह अच्छी हो या बुरी और वह जार्ज वाशिगटन समेत प्रत्येक तस्वीर पर हर्ष प्रकट करते है।

जोश — यह तो स्वाभाविक है। वे सबको समान समझते हैं।

बिली — (एब से) बहुत से सम्वाददाता नीचे एकत्रित हैं। वे यह जानना चाहते है कि चुने जाने के बाद तुम्हारा पहला काम क्या होगा ?

एब — (अभी पढ रहा है।) उन्हे बता दो कि मै दाढी रखने की सोच रहा हूं।

जोश — दाढी।

निनियन — (मुस्कराते हुए) तुम्हारे मन मे यह विचार कैसे आया ?

एब — (दूसरा लेख उठाते हुए) अभी मुझे एक छोटी बच्ची का पत्र मिला था उसमे लिखा है कि

अधिक गौरवपूर्ण दिखाई देनेके लिए मुझे दाढी रखनी चाहिए अगर चुना गया तो बस तुझे इसी की आवश्यकता है। (जैड नई सूचनाए लेकर आता है। बिली, निनियन, जोश और राबर्ट सब जैड के चारो ओर इकट्ठे हो जाते है और उसे सूचना लगाते हुए देखते है।)

मेरी — अब वह क्या कहता है? (जैड खिडकी पर जाता है और फिल को कुछ सूचनाए देता है।) न्यूयार्क से कोई समाचार आया?

निनियन — कनैटिकट मे एब सबसे आगे है। मिजौरी मे डगलस ३५ हजार, बैल ३३ हजार, ब्राकेनरिज १६ हजार, लिकन ८ (जब तक फिल खिडकी बन्द नही करता तब तक बाहर से तालियो का शोर आता रहता है। जैड बाई ओर कार्यालय मे जाता है।)

मेरी — ये किसलिए तालिया बजा रहे है?

बिली — उन्हे कुछ पता नही।

एब — (दूसरा लेख लिए हुए) शिकागो टाइम्स कहता है, लिकन का दिल उसका साथ नही देता, वाणी उसका साथ नही देती, पैर उसका साथ नही देते, वह सब कही असफल है। जनता उसे सहायता देने से इन्कार करती है। उस प‍ हसती है।

जनता डगलस को चाहती है। (वह उस लेख को एक तरफ फेंक देता है।)

मेरी — (खडी होकर कापती हुई वाणी मे) मैं अव और अधिक नही सह सकती।

एब — हा प्रिये अच्छा हो, तुम घर चली जाओ। मैं वहुत शीघ्र आऊगा।

मेरी — (रोती हुई) मै घर नही जाऊगी। तुम मुझे अपने से दूर करना चाहते हो। जब से हमारी शादी हुई है और उससे पहले से भी तुम यही काम करना चाह रहे हो। मुझे अपने से दूर हटा देना चाहते हो। क्योकि मुझसे घृणा करते हो। (जोश, निनियन और बिली की ओर मुडती है।) तुम सब इसके दोस्त हो। तुम भी यही चाहते हो। तुम मुझसे नफरत करते हो। तुम चाहते हो कि मैं इसके जीवन मे न आई होती, कभी न आई होती।

जोश — नही मेरी। (एब एकदम खडा हो जाता है। घवराया हुआ है ओर मेरी के साथ नम्रता का व्यवहार करने मे असमर्थ है। तेजी से सबकी ओर देखता है।)

एब — क्या आप सब एक क्षण के लिए वाहर जाने की कृपा करेंगे ?

निनियन — निश्चय ही एव। (वह सवके साथ तार घर मे चला जाता है। रावर्ट मा की ओर क्रुद्ध दृष्टि से देखता है। चला जाता है।)

एव — (जगली जानवर की तरह मेरी की ओर घूरता हुआ) धिक्कार है, जनता के सामने मुझे और अपने आपको बेवकूफ बनाने का तुम कोई मौका नही चूकती। भगवान जानता है कि जब तुम अपने घर मे ही इस तरह का व्यवहार करती हो तभी वह काफी बुरा है। लेकिन यहा लोगो के सामने ! तुम फिर ऐसा नही करोगी। सुनती हो, तुम्हे फिर ऐसा नही करना होगा। (मेरी इतनी हत्प्रभ हो जाती है कि क्रोध का स्थान भय ले लेता है।)

मेरी — (धीमा स्वर) एव, तुमने मुझे धिक्कारा है। तुम जानते हो तुमने क्या किया है। तुमने शाप दिया है। (एव उसे फिर धिक्कारने को होता है। लेकिन कोशिश करके अपने को सभाल लेता है।)

एव — (दबी हुई आवाज) मेरी, मुझे क्रोध आ, गया, इसका मुझे खेद है। लेकिन अब भी मेरा यही विचार है कि यह सब सहने के बजाय तुम घर चली जाओ। (मेरी अविश्वास से उसे घूरती है। फिर मुड कर दरवाजे की ओर जाती है।

मेरी — (दरवाजे के पास आकर) जब मै बच्ची थी और जब मै उत्तेजित नवयुवती थी, और स्प्रिगफील्ड के तमाम जिन्दादिल नवयुवक मुझसे शादी करना चाहते थे और और मै उनमे सबसे कम योग्य व्यक्ति के प्रेम मे फस गई तब मैने इसी रात का

स्वप्न देखा था। आज की इसी रात मे यह सुनने की राह देख रही हू कि मेरा पति अमरीका का राष्ट्रपति वन गया है। अगर वह वन भी जाता है तो भी, मेरे लिए सब कुछ समाप्त हो चुका है। वहुत देर हो गई। (दरवाजा खोलकर चली जाती है। एव एक क्षण उदासी के साथ उसकी ओर देखता है। फिर तेजी से मुड कर तारघर का दरवाजा खोलता है।)

एब — (पुकारते हुए) बौव, (रावर्ट अन्दर आता है।) अपनी मा के साथ जाओ।

राबर्ट — क्या मुझे जाना होगा ?

एब — हॉ जल्दी करो। जव तक मै घर नही आता तव तक उसके साथ रहो। (रावर्ट जाता है। एव खिडकी की ओर मुडता है। फिल उसे खोलता है।)

फिल — क्या आपका विचार है कि आप चुन लिए जाएगे, मिस्टर लिकन !

एव — चिन्ता करने की कोई वात नही।

भीड़ — (गाते हुए) प्यारा एव, मैदानो से आया
मैदानो से आया, मैदानो से आया
प्यारा एव लिकन मैदानो से आया
इलीनाय मे आया ... . ..

(सभी अन्दर आ जाते है। सूचनाए लगाई जाती है। जैड चला जाता है।)

ननियन — चुनाव का रुझान अव तुम्हारी ओर है एब! न्यूयार्क के मत तुम्हे जिता देगे। (एब कमरे मे घूमता है। सव उसको देखते है।)

जोश — एव, क्या एक प्याला काफी लाऊ ?

एब — नही, धन्यवाद जोश।

निनियन — क्या तुम घवरा रहे हो एव ?

एव — नही, मै तो केवल यही सोच रहा हूं कि अगर मै हार गया तो, श्रीमती लिकन को कितना दुख होगा।

निनियन — और मेरा क्या होगा। मैने तुम्हारे ऊपर दस हजार डालर की वाजी लगाई है।

बिली — (गुस्से मे) मुझे भय है कि राष्ट्र की क्षति इससे कही महान होगी।

जोश — एव, तुम कैसा अनुभव करते हो।

एव — (खिडकी के पास कुर्सी पर बैठते हुए) सोचता हू कि मै अपने जीवन मे सवसे अधिक राहत अनुभव करूगा। जैड सूचना लेकर आता है।

जैड — यह अन्तिम समाचार है। निनियन को देकर चला जाता है।

निनियन — (पढता है) शाम को ९ वजे के बाद मिस्टर आगस्ट बैलमड ने घोषणा की कि स्टीफन ए०

डगलस न्यूयार्क नगर मे जीत गए और इसीलिए राज्यो मे भी जीत गए ।

बिली — मिस्टर बैलमड भाड मे जाएं। (क्रिमिन का तम्वाकू पीते हुए सन्तुष्ट भाव से प्रवेश ।)

क्रिमिन — नमस्कार मिस्टर लिंकन । नमस्कार महानुभावो । आप सवको कैसा लग रहा है ?

निनियन — यह देखो, (क्रिमिन को समाचार देता है ।)

क्रिमिन — (मुस्कराते हुए) वैलमड अन्तिम क्षण तक लडेगा । मैं शिकागो गया था और वहा इस वारे मे तनिक भी शका नही है । वास्तव मे मिस्टर लिकन मै आज रात यहा इसलिए आया हू कि पद-लोलुपो से आपकी रक्षा करू । वे नीचे राह देख रहे है । आते समय रास्ते मे मैंने चार ऐसे व्यक्तियो को देखा जो ग्रेट ब्रिटेन मे राजदूत होना चाहते है । ११ ऐसे है जो विदेश मन्त्री पद के लिए इच्छुक है ।

(जैड कुछ और सूचनाए लेकर आता है । और खिडकी के पास आकर फिल को देता है ।)

विली — सूची की ओर देखते हुए(न्यूयार्क से सूचना आई है कि डगलस १ लाख ८३ हजार, लिंकन १ लाख ८१ हजार । जैड चला जाता है ।)

जोश — देखो एव, तुम लगभग वरावर हो ।

क्रिमिन — न्यूयार्क से आने वाली सूचना आपके पक्ष मे होगी मिस्टर लिंकन। चुनाव आपका है। हमने अच्छा सघर्ष किया और हम जीत गए।

एब — (कमरे मे इधर-उधर घूमता है।) हा हमने खूब सघर्ष किया। गन्दी राजनीति के इतिहास मे, इस सबसे गन्दे चुनाव आन्दोलन मे, अगर मैं जीत जाता हू तो मुझे खुशी-खुशी राजनीतिक कर्जा चुका देना चाहिए। जिन्होने यह चुनाव जीतने मे मेरी मदद की है उन सभी का बदला मुझे चुकाना है। मेरे नाम पर जितनी प्रतिज्ञाए की गई है, चाहे वे ईमानदारी से की गई हो या नही, मुझे उसको पूरा करना ही चाहिए।

निनियन — यह वात हम भी अनुभव करते है, एव। लेकिन सवसे महत्वपूर्ण वात तो यह है कि तुम जीत रहे हो।

एब — एक क्षण के लिए मै वाहर जाना चाहता हू। (चला जाता है।)

निनियन — (खुशी से) वेचारा एव।

क्रिमिन — महानुभावो! आप सव बहुत देर से उसके घनिष्ट मित्र है। एक प्रश्न मुझे परेशान कर रहा है। शायद आप उसका उत्तर दे सके। क्या मेरा यह विचार ठीक है कि वह जीतना नही चाहता।

जोश — इसका उत्तर है, हा।

क्रिमिन — मै तो यही कह सकता हू कि मेरे लिए यह एक नया अनुभव है ।

बिली — (लडने के लिए तैयार) क्या आप इस समय अमरीका का राष्ट्रपति होना पसन्द करेगे ? क्या आप पिछले कुछ दिनो से अखवार नही पढ रहे है ।

क्रिमिन — क्यो नही । मै समाचार पढता रहता हू ।

बिली — (अतिशय क्रुद्ध होकर) क्या आप यह नही जानते कि दक्षिण कैरोलाइना मे दस हजार व्यक्तियो की सेना तैयार की जा रही है । गवर्नर ने इस वात की घोषणा कर दी है कि अगर लिंकन की विजय हो गई तो उनका राज्य अलग हो जायगा और दक्षिण का प्रत्येक राज्य उनका साथ देगा । आप यह नही समझते कि इसका अर्थ क्या है । युद्ध, गृह युद्ध और वह इसके लिए उत्तरदायी है । वह, जिसने अपने जीवन मे केवल शान्ति के साथ अकेला रहना ही चाहा है ।

निनियन — शान्त हो जाओ, विली । जाओ कुछ और शराव पी आओ ।

(जैड तेजी से अन्दर आता है ।)

जैड — मिस्टर एडवर्डस, यह लीजिए । (निनियन एडवर्डस को समाचार देता है, फिर तेजी से खिडकी पर जाकर फिल को देता है । निनियन पढता है ।)

निनियन — रात के साढे दस बजे न्यूयार्क हैरल्ड ने यह स्वीकार कर लिया कि न्यूयार्क राज्य मे कम से कम २५ हजार वोट से मिस्टर लिकन की जीत हुई और उन्होने चुनाव जीत लिया। (सूचना पत्र को हवा मे फैंकता है।) वह जीत गए, वह जीत गए। मच पर सब चिल्लाते है। तालिया बजती है। एक दूसरे के गले मे गलवाहिया डाल रहे है और थपथपाते है।

बिली — भगवान की महिमा है। भगवान की महिमा है।

क्रिमिन — मै जानता था। मुझे इस बारे मे कभी शका नही हुई।

(जैड बरामदे मे आकर कागज के बनाए हुए भौपू मे से चिल्लाता है।)

जैड — लिकन चुन लिए गए। ईमानदार, प्रिय एव अब हमारे अगले राष्ट्रपति होगे। (नीचे भीड बडे जोर से हर्ष-ध्वनि करती है। एब लौटता है। सब उसे तेजी से घेर लेते है। बिली बोलने मे असमर्थ हाथ मिलाता है।)

निनियन — तुम जीत गए एब, बधाई।

क्रिमिन — मेरी बधाई स्वीकार करो, श्रीमान राष्ट्रपति जी। यह हमारे लिए एक विराट सफलता है। (जैड अन्दर आता है और एब के पास जाता है।)

जैड — मेरी हार्दिक शुभकामनाए, मिस्टर लिकन !

एब — (गम्भीरता से) धन्यवाद । आप सबका बहुत बहुत धन्यवाद ।

जोश — (सबके अन्त मे हाथ मिलाता है ।) मै तुम्हे बधाई देता हू, एब !

एब — धन्यवाद जोश ।

निनियन — इनकी बात सुनो एब । पागल की तरह चिल्लाती हुई भीड की बात सुनो लिकन ।

क्रिमिन—यह सब आपके लिए है मिस्टर लिकन ।

निनियन—एब तुम बाहर जाओ और उनको दर्शन दो ।

एब—नही, मै वहा नही जाना चाहता । मै समझता हू मुझे मेरी को बताने के लिए घर जाना चाहिए । (वह दरवाजे की ओर मुडता है । एक ठिगना मोटा कैवैना नाम का अफसर अन्दर आता है । उसके पीछे दो सैनिक है ।)

क्रिमिन—यह कप्तान कैवैना है श्रीमान राष्ट्रपति जी ।

कैवैना—(अपनी टोपी छूते हुए) मिस्टर लिकन, आपके जीत जाने की अवस्था मे मुझे आपके साथ रहने को कहा गया था ।

एब—मैं कृतज्ञ हू कप्तान । लेकिन मुझे आपकी आवश्यकता नही ।

कैवैना—मुझे डर है मिस्टर लिकन । आपको हमे स्वीकार करना ही होगा । मै डर पैदा करना नही चाहता ।

लेकिन मेरा ख्याल है कि आप भी जानते है कि आपको धमकिया दी गई है।

एब—(थका है) ओह, ठीक है। अच्छा नमस्कार जोश। निनियन, मिस्टर क्रिमिन, बिली, आप सबकी शुभकामनाओ के लिए धन्यवाद।

(दरवाजे की ओर बढता है। सब लोग शान्त भाव से नमस्कार करते है।)

कैवैना—एक मिनिट श्रीमान, आप आज्ञा दे तो पहले मै जाऊगा। (बाहर जाता है। एब उसके पीछे जाता है। दोनो सैनिक उनके पीछे जाते है। पर्दा गिरता है।)

ग्यारहवा दृश्य समाप्त

बारहवां दृश्य

(११ फरवरी १८६१। स्प्रिगफील्ड रेलवे स्टेशन का सहन। दाईं ओर एक रेल रोड कार का पिछला भाग दिखाई देता है। उस पर झंडे लहरा रहे हैं। सैनिक बन्दूक लिए रक्षा के लिए तैयार है लेकिन वे आराम से खडे हुए हैं। एक वहुत वडी भीड दिखाई दे रही है और उनकी उत्तेजित फुस्फुसाहट सुनी जा सकती है। एक व्यक्ति कार के पहियो की जाच कर रहा है, दूसरा रेलवे लाइन को साफ कर रहा है। कैवेना घवराया और तम्वाकू पीता हुआ घूम रहा है। वह अपनी घड़ी की ओर देखता है। रगमच पर एक सैनिक अधिकारी का प्रवेश।)

अधिकारी—वहा पक्ति-वद्ध खडे हो जाने के लिए तैयार हो जाओ। (वह कार के पीछे की ओर सकेत करता है ओर फिर गर्व के साथ केवैंना से कहता है।) मिस्टर कैवैना, आप घवराए हुए दिखाई देते ह।

कैवैंना—हा, मैं घवराया हुआ हू। मै तीन महीने से एक ऐसे आदमी के जीवन की रक्षा कर रहा हू जिसे इस वात की विल्कुल भी चिन्ता नही है कि उसके साथ क्या हो सकता है। आज मैंने सुना है कि रिचमड मे इस वात की वाजी लगी हुई

है कि वे ४ मार्च को कार्यभार सभालने के लिए जीवित नही रहेगे।

अधिकारी—मै भी बाजी लगाना चाहता हू। मेरे आदमी राष्ट्रपति के जीवन की रक्षा करने के लिए बहुत अच्छी तरह से तैयार है।

कैवैना—मै यही आशा करता हू लेकिन दक्षिण वाले गोली चलाना जानते है, मेरा सुझाव है कि आप अपने आदमियो को यह आज्ञा दे कि वे कार की हर खिडकी से देखते रहे, विशेषकर उस समय जब किसी कस्बे मे या कही और गाडी ठहरे। और अगर रास्ते मे कही भी खतरे की घण्टी बजे।

अधिकारी — (इस सलाह को पसन्द नही करता।) चाहे कुछ भी क्यो न हो, मुझे अपने आदमियो को बहादुरी दिखाने के लिए कहने की आवश्यता नही है।

कैवैना—निश्चय ही नही है लेकिन हमको हर बात के लिए पहले से ही तैयार रहना चाहिए।

(वाद्ययन्त्र आन्दोलन के समय का यह गीत शुरू कर देते है प्यारा एव लिकन मैदानो से आया, भीड गाना शुरू कर देती है। एक ट्रेन सचालक कार से बाहर आता है और अपनी घडी देखता है। जैसे ही निनियन और एलिजबेथ एडवर्डस और जोश, विली और क्रिमिन अन्दर आते है सैनिको द्वारा रोक लिए

जाते है। तब वाईं ओर काफी हलचल मच जाती है। अधिकारी बडे महत्वपूर्ण भाव से उनके पास आता है।)

अधिकारी — वहा पीछे ठहरो, सैनिको, भीड को पीछे रखो।

निनियन — मै मिस्टर लिकन का साढू हू।

अधिकारी — आपका क्या नाम है ?

कैवैना — मै इनको जानता हू महोदय। ये श्रीमान और श्रीमती एडवर्डस है और ये श्री स्पीड और श्री हर्नडन इनके साथी है। मै इन सवको जानता हू। इनको आने दो।

अधिकारी — अच्छा इनको आने दो। (वे सब अन्दर आ जाते है। अधिकारी चला जाता है।)

क्रिमिन — आज राष्ट्रपति महोदय कैसा अनुभव कर रहे है ?

निनियन—वे सदा की तरह उदास है।

बिलो—(भावुक होकर) वह कार्यालय मे आए और जब मैने कहा कि इस 'लिकन हर्नडन' बोर्ड का क्या करू? तो उन्होने कहा, इसे यही टगा रहने दो। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझ लेने दो कि इस चुनाव का हम पर कोई असर नही पडा है। अगर जीवित रहा तो मै किसी दिन वापस आऊगा और हम फिर वकालत करेगे ऐसे जैसे कि कुछ हुआ ही न हो।

एलिजबेथ—वह हमेशा यही कहते है कि अगर मै जीवित रहा (बडे जोर से हर्ष ध्वनि आरम्भ होती है। मच के बाहर दाई ओर और भी बढती है। अधिकारी तेजी से आता है।)

अधिकारी—(कैवैना से) राष्ट्रपति महोदय आ गए है। (अपने आदमियो से) सावधान। (कार के पास बाई ओर को देखता हुआ खडा हो जाता है।)

कैवैना—(निनियन और दूसरे व्यक्तियो से) क्या आप थोडा सा पीछे हटेंगे ? हम यह स्थान राष्ट्रपति महोदय के दल के लिए खाली रखना चाहते है। (वे दाई ओर घूम जाते है। हर्ष ध्वनि अब बहुत तेज है।)

अधिकारी—सलामी दो। (सैनिक ऐसा ही करते है। एब बाई ओर से आता है। कल वह ५२ वर्ष के हो जाएगे। उन्होने दाढी रख ली है। अपने दाहने हाथ मे टाट का थैला लिए हुए है। बाए हाथ से टैड को पकडे हुए है। मेरी, राबर्ट, विली और परिचारिका पीछे-पीछे है। मेरी के अतिरिक्त सबके हाथ मे थैले है। वह गुलदस्ते लिए हुये है। जब वे कार के पास आते है तो एब अपना थैला सचालक को दे देता है और फिर टैड को ऊपर उठाता है। सब लोग चढ जाते है और एब, निनियन तथा उसके दल के साथ बातें करने के

लिए उनकी ओर जाते है। भीड आगे वढना चाहती है।)

अधिकारी—(तेजी से आगे वढते हुए) उनको पीछे रखो, सैनिको उनको पीछे रखो। (सैनिक भीड़ के सामने पक्ति मे खडे है। कैवैना और उसके आदमी एव के बिल्कुल पास है। हरेक अपनी वन्दूक सभाले हुए है और वडे गौर से जनता को देख रहा है।)

कैवैना—राष्ट्रपति महोदय, अच्छा हो, आप ट्रेन मे चले जाए। (एव ऊपर चढ जाते है और कार के पीछे जनता के सामने खडे हो जाते है। जनता जब उन्हे देखती है तो वडे जोर से हर्षध्वनि करती है। भीड चिल्लाती है। भाषण, भाषण, एव हमे एक भाषण दो। भाषण दो राष्ट्रपति महोदय प्यारा एव, हिप हिप हुर्रे, हिप हिप हुर्रे, हिप हिप हुर्रे। एव अपना हैट उतार कर हिलाता है। हर्ष-ध्वनि वन्द हो जाती है।)

निनियन—वे चाहते है कि आप कुछ वोले। (एक क्षण के लिए एव बाईं ओर देखता है और मूर्तिवत् देखता रहता है।)

एव—मेरे प्यारे मित्रो! मुझे आपको नमस्कार कहना है। अपनी नई दाढ़ी के साथ वाशिंगटन जा रहा हू। आशा है आप इसे पसन्द करते है। (भीड

हसती है और चिल्लाती है—प्यारा एब, भोला एब। भीड आगे बढती है। सैनिक चिल्लाते है—पीछे हटो, पीछे हटो, पीछे खडे हो जाओ, पीछे रुक जाओ।)

एब—(अधिकारी से) ठीक है, उन्हे आने दो। वह सब मेरे प्यारे दोस्त है। (अधिकारी अपने आदमियो को पीछे हटने देता है जिससे वे कार के पीछे की ओर घेरा डाल ले। और कैवैना तथा उसके आदमी देखभाल के लिए कार की पैडियो पर खडे हो जाते है। रगमच भीड से भर जाता है।) मेरी स्थिति मे आए बिना, कोई भी व्यक्ति विदा के समय पैदा होने वाले दुख से भरे भावो को नही समझ सकता। मुझे जो कुछ मिला है वह सब आपकी और इस स्थान की कृपा का परिणाम है। मै यहाँ २५ वर्ष रहा हू और नवयुवक से बूढा हो गया हू। मेरे बच्चे यही पैदा हुए है और एक तो यहा अन्तिम नीद सो रहा है। अब मै जा रहा हू। नही जानता कब लौटूगा या कभी लौटूगा भी। मै ऐसे समय मे अमरीका का राष्ट्रपति हो रहा हू जबकि ११ राज्यो ने सघ से अलग होने की इच्छा की घोषणा कर दी है। जब प्रतिदिन युद्ध की धमकिया बढती जा रही है, मेरे सामने एक दुखभरा कर्त्तव्य है। उसके लिए तैयारी करते समय मैने अपने आपसे पूछा है कि वह कौनसा

महान सिद्धान्त है जिसने अब तक सघ को एकता मे बाधे रखा और मेरा विश्वास है कि यह केवल उपनिवेशो का अपनी मातृभूमि से अलग होना ही नही था बल्कि स्वतन्त्रता की घोषणा का वह अटूट सिद्धान्त था, जिसने इस देश के व्यक्तियो को स्वतन्त्रता और तमाम विश्व को आशा दी। इस सिद्धान्त ने एक पुराने स्वप्न को सत्य किया था। वह स्वप्न जिसे मनुष्य बराबर देखते आए है कि इस जीवन मे वे एक दिन अपनी जजीरो को तोड सकेगे और स्वतन्त्रता तथा भाई भाई का प्यार पा सकेगे। हमने जनतत्र प्राप्त किया। लेकिन अब प्रश्न यह है कि क्या वह जीने के लिए काफी शक्तिशाली है? शायद हमे वह भयकर दिन देखना पडे जब वह स्वप्न समाप्त हो जाए। अगर ऐसा हुआ तो मुझे डर है कि वह हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। मै यह विश्वास नही कर सकता कि जनता को फिर कभी वह अवसर मिलेगा जो हमे मिला है। शायद हमको यह स्वीकार कर लेना चाहिए कि स्वतन्त्रता और समानता के हमारे उद्देश्य बहुत ऊचे थे और हमे समय की माग को स्वीकार कर लेना चाहिए। मैंने पूर्वी देशो के एक राजा के बारे मे सुना है जिसने एकबार अपने मनीषियो से एक ऐसा वाक्य गढने के लिए कहा

था जो हर समय और हर स्थिति के लिए उपयुक्त और सत्य हो। उन्होने उसे यह वाक्य बताया और 'यह भी समाप्त हो जायगा।' दुख के समय यह विचार आराम देने वाला है और 'यह भी समाप्त हो जाएगा' लेकिन फिर भी (सहसा वह शान्त पर दृढ अधिकार के स्वर मे बोलता है।) लेकिन फिर भी हमे यह विश्वास करना चाहिए कि यह सत्य नही है। हमे यह प्रमाणित करने के लिए जीवित रहना चाहिए कि हम चारो ओर फैले हुए नैसर्गिक ससार तथा हमारे भीतर जो विवेक और नैतिकता पूर्ण ससार है उसकी देखभाल कर सकते है और उसमे सुधार कर सकते है जिससे हम व्यक्तिगत, सामाजिक और राजनैतिक प्रगति कर सके, जो उस समय तक, जब तक धरती है, समाप्त नही होगी। मै आप सबको भगवान को सौपता हू और आशा करता हू कि अपनी प्रार्थनाओ मे आप मुझे याद रखेगे। अल-विदा, मेरे दोस्तो अलविदा। अलविदा मेरे पडौ-सियो। (वह अपने व्यक्तिगत मित्रो के साथ हाथ मिलाने के लिए और उन्हे नमस्कार कहने के लिए कार के छज्जे पर झुकता है। सगीत आरम्भ होता है। हर्षध्वनि बढती है। सचालक अपनी घडी देखता है और अधिकारी से कुछ कहता है। जो ट्रेन पर चढ जाता है। मच पर भीड चिल्ला रही

है। 'अलविदा एब, अलविदा मिस्टर लिंकन। शुभकामनाए एब। हमे आप पर विश्वास है लिकन।' उसके बाद भीड यह गीत गाना शुरू कर देती है–जान ब्राउन की देह, जान ब्राउन की देह, धरती के भीतर बहुत नीचे सोई है लेकिन उसकी आत्मा दौडती हुई जा रही है। कैवैना लिकन से कुछ कहने की कोशिश करता है लेकिन कुछ सुनाई नही देता। वह लिंकन को हाथ से छूता है। लिकन तेजी से मुडता है।)

कैवैना—राष्ट्रपति महोदय ! चलने का समय हो गया। अच्छा हो अब आप कार के भीतर चले। (सैनिक कार पर चढना शुरू करते है। एव अन्तिम वार भीड को देखता है। देर तक देखता रहता है। अपना हैट हिलाता है। फिर मुडता है और कार मे चला जाता है। उसके पीछे कैवैना, सैनिक अधिकारी और सैनिक है। सगीत वरावर चलता रहता है।)

सब लोग—(गाते हुए) उसकी आत्मा दौडती हुई जा रही है। (गाडी का एक कार्यकर्ता अपना लैम्प हिला रहा है। सचालक गाडी मे चढ जाता है। भीड हर्षध्वनि करती है। हैट और हाथ हिलाते है। इजन सीटी देता है और पर्दा गिर जाता है।)

वारहवा दृश्य समाप्त

परिशिष्ट

आमीन—प्रार्थनाओ के अन्त में आने वाला एक शब्द। इसका अर्थ है, ऐसा ही हो।

बोस्टन चाय पार्टी—१६ दिसम्बर, १७७३ की एक सभा जिसमे बोस्टन निवासियो ने इस बात का निश्चय किया कि वे इगलैड को इस बात की आज्ञा नही देगे कि वह सयुक्त राष्ट्र अमेरिका को बाहर से सामान खरीदने के लिए मजबूर करे। सभा समाप्त होने पर ये नागरिक उन तीन जहाजो पर, जो तभी आए थे चढ गए और चाय के सैकडो वक्सो को समुद्र मे फेक दिया।

स्वतन्त्रता की घोषणा—इसके अनुसार १३ मौलिक उपनिवेशो ने ४ जुलाई १७७६ को अपने को ग्रेट ब्रिटेन से मुक्त और स्वतन्त्र घोषित किया था।

ड्रेड स्काट निर्णय—१८४८ मे एक नीग्रो दास ड्रेड स्काट के विरुद्ध निर्णीत हुआ एक मामला। ड्रेड स्काट ने सविधान का अधिकार मागा था क्योकि उसके स्वामी ने बहुत दिनों तक उसे स्वतन्त्र भूमि पर रखा था। सयुक्त राष्ट्र अमेरिका के सर्वोच्च न्यायालय ने निर्णय किया कि वह नागरिक नही है और इसलिए उसके अधिकार नही है। चूकि दास एक सम्पत्ति है इसलिए स्वामी के सम्पत्ति के अधिकारो की हर कही रक्षा की जानी चाहिए।

निर्वाचक—जिसको चुनाव करने का अधिकार हो। सयुक्त राष्ट्र अमेरिका मे इसका अर्थ होता है वह

व्यक्ति जिसे जनता राष्ट्रपति, उप-राष्ट्रपति चुनने के लिए चुनती है ।

जान ब्राउन की देह—उस गीत की पहली पंक्ति जो जान ब्राउन की स्मृति मे गाया जाता है। जान ब्राउन ने दुर्दम्य साहस के साथ दासो की स्वतन्त्रता के लिए युद्ध किया था। कुछ लोग उसे सनकी समझते थे और कुछ नेता। अपने विश्वासो के लिए लडते हुए वह मारा गया था ।

मूड—अग्रेजी व्याकरण मे मूड शब्दो के उस भाव को कहते है जिससे काम करने के प्रकार का पता लगता हो। एक तथ्य, एक इच्छा, एक सम्भावना आदि। अग्रेजी भाषा मे इसका दूसरा अर्थ है 'मन की स्थिति।' हिन्दी व्याकरण मे आजकल मूड का प्रयोग नही होता। पहले होता था और इसे प्रकार कहते थे ।

सीनेट—व्यक्तियो का समूह। सयुक्त राष्ट्र अमेरिका मे राष्ट्रो के लिए कानून बनाने वाली ऊंची सभा।

संघ—राज्यो का समूह, जिससे सयुक्त राष्ट्र अमेरिका बना है ।

विग—अमेरिका के पुराने इतिहास मे अमरीकी क्रान्ति का मित्र और सहायक। १८३४ के बाद डेमोक्रेटिक दल के विरुद्ध सयुक्त राष्ट्र की एक राजनैतिक पार्टी ।